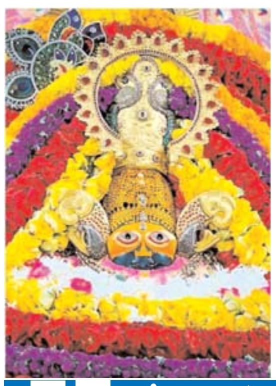

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :16 । अंक: 27। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 23 सितंबर 2026 (बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन

+91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

करमसद-आणंद मनपा में 'वाइट टॉपिंग रोड' के नाम पर करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार

सरकार को बदनाम करने की साजिश या 40% कमिशनराज का खेल ?

चीफ ऑफिसर और भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से स्टील-सीमेंट के मानकों की उड़ी धज्जियां:'नीचे से लेकर गांधीनगर तक चल रहा है हफ्ता राज'-जनता में भारी आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद। गुजरातभर में विकास के दावों के बीच स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं और नगरपालिकाओं या महानगरपालिकाओं में चल रही अनियमितताएं और भ्रष्टाचार अब सीधे सत्ता और सरकार की छवि पर सवाल खड़े कर रहे हैं। आनंद जिले के करमसद और आनंद क्षेत्र से सामने आया एक बेहद सनसनीखेज मामला फिलहाल चर्चा के केंद्र में है। जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये की भारी-भरकम लागत से बनाए जा रहे 'वाइट टॉपिंग रोड' (कंक्रीट रोड) के निर्माण में बरसे गए व्यापक भ्रष्टाचार को लेकर जनता और जागरूक नागरिकों में उग्र रोष फूट पड़ा है। स्थिति ऐसी है कि यह सब देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि मानो कुछ अदूरदर्शी अधिकारियों और प्रशासनिक तंत्र द्वारा जानबूझकर सरकार को बदनाम करने का बीड़ा उठाया गया हो!

टेंडर की शर्तों को ताक पर रखकर चलाया जा रहा घटिया निर्माण

प्राप्त गंभीर आरोपों के अनुसार, करमसद और आनंद क्षेत्र में मंजूर हुए वाइट टॉपिंग रोड के निर्माण में टेंडर प्रक्रिया में तय किए गए नियमों, स्टील की गुणवत्ता और सीमेंट-कंक्रीट के उचित अनुपात को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है। टेंडर के मुताबिक जो सामग्री इस्तेमाल करनी चाहिए, उसके बजाय बिल्कुल घटिया दर्जे की सामग्री का उपयोग करके करोड़ों रुपये की रकम डकार जाने का आरोप है। सवाल यह उठता है कि जब निर्माण की गुणवत्ता पर खुलेआम सवाल उठ रहे हों और ठेकेदारों द्वारा सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हों, तब संबंधित चीफ ऑफिसर और नगरपालिका अधिकारी क्या कर रहे हैं? अभी तक इन भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कोई भी कड़ी कार्रवाई या आपराधिक कदम क्यों नहीं उठाया गया है? क्या प्रशासनिक तंत्र किसी बड़ी मिलीभगत के तहत इस पूरे घोटाले पर पर्दा डाल रहा है? इस पूरे मामले में सबसे बड़ा और चौंकाने वाला आरोप यह लगाया जा रहा है कि सिस्टम में मानो भ्रष्टाचार की दीमक सब कुछ खोखला कर रही हो। चर्चा का विषय बने इस घोटाले में खुलेआम कहा जा रहा है कि यदि सिस्टम में '40' कमिशनराज' चल रहा हो, तो फिर ठेकेदार से बेहतरीन गुणवत्ता की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? जमीनी स्तर से लेकर गांधीनगर तक चलने वाले इस कथित 'हफ्ता राज' के कारण ही जनता की पसीने की कमाई और टैक्स के करोड़ों रुपये बेहिसाब बर्बाद हो रहे हैं। आम जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रही है, जबकि दूसरी ओर सरकारी तिजोरी के बलबूते अधिकारियों और बिचौलियों की तिजोरियां छलक रही हैं। यदि सरकार में बैठे या जिम्मेदार पदों पर आसीन लोग ही इस तरह के भ्रष्टाचार के प्रति आंखें मूंदे रहेंगे, तो आम जनता का प्रशासनिक तंत्र से विश्वास उठ जाना स्वाभाविक है। स्थानीय नागरिकों और जागरूक अग्रणियों की अब केवल एक ही मांग है कि करमसद-आनंद के इस वाइट टॉपिंग रोड घोटाले की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष और एजेंसी द्वारा जांच कराई जाए। इस मामले में शामिल चीफ ऑफिसर, भ्रष्ट अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कम से कम सख्त और अनुकरणीय कदम न उठाए गए, तो आने वाले दिनों में जनता द्वारा उग्र आंदोलन करने की चेतावनी भी दी जा रही है।

श्रीलंका को 147 रन से हराकर लगातार दूसरी बार जीता एशियन गेम्स गोल्ड

भारत की बेटियों ने फिर रचा इतिहास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। मंगलवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को एकतरफा अंदाज में 147 रन से शिकस्त दी। भारत ने इससे पहले 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 3 विकेट पर 216 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह एशियन गेम्स में भारतीय विमेंस टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बेबस नजर आई और 15.4 ओवर में महज 69 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत की पारी में स्मृति मंधाना ने 79 रन की शानदार पारी खेली। वहीं ऋचा घोष ने नाबाद 49 रन बनाए और शेफाली वर्मा ने 48 रन का अहम योगदान दिया। मंधाना और शेफाली ने भारतीय पारी की मजबूत नींव रखते हुए पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की। इस दौरान मंधाना ने विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 11 हजार रन भी पूरे किए। श्रीलंका की ओर से सुगंधिका कुमारी, कविशा दिलहारी और चामुडी प्रभोदा को एक-एक विकेट मिला। भारत के 217 रन के लक्ष्य के जवाब में श्रीलंकाई बल्लेबाज शुरुआत से ही दबाव में नजर आईं। श्रीलंका की ओर से चामरी अटापट्टू ने सर्वाधिक 29 रन बनाए। उनके अलावा कौशिनी नुथ्यांगना ने 14 और कविशा दिलहारी ने 11 रन बनाए। टीम के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके, जिसके चलते पूरी टीम 69 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा सबसे सफल रहीं और उन्होंने 3 विकेट चटकाए। शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 2-2 विकेट अपने नाम किए। थर्ड प्लेस के मुकाबले में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। वहीं फाइनल में शानदार जीत के साथ भारतीय विमेंस टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीतकर अपनी उपलब्धि दोहराई।

यूपी में कक्षा-2 की छात्रा की बैठे-बैठे मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बलरामपुर। बलरामपुर में सोमवार को डिवाइन पब्लिक स्कूल में कक्षा-2 की सात वर्षीय छात्रा की क्लास में अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। बच्ची अपनी सीट पर बैठी थी और सामान्य नजर आ रही थी। अचानक वह उठी और लड़खड़ाकर गिर पड़ी। कुछ क्षण बाद वह संभलकर दोबारा बैठी, लेकिन थोड़ी देर बाद फिर बेहोश होकर गिर गई। इसके बाद वह नहीं उठी। पूरी घटना स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। गुलहरिया गांव निवासी सोनू तिवारी बलरामपुर में किराए पर रहते हैं। उनकी इकलौती बेटी वैष्णवी तिवारी (7) सोमवार सुबह स्कूल गई थी। करीब 10:58 बजे वह कक्षा में अन्य बच्चों के साथ बैठी थी। सीसीटीवी फुटेज में बच्ची को सामान्य अवस्था में हंसते-बोलते देखा जा सकता है। इसी दौरान स्कूल के बगल से गणेश विसर्जन का जुलूस गुजरता दिखाई देता है, जिसमें तेज आवाज में डीजे बज रहा था। डीजे की आवाज सुनकर कक्षा के कुछ बच्चे भी अपनी सीटों पर डांस करने लगते हैं। फुटेज में वैष्णवी भी सीट से उठती दिखाई देती है। वह कुछ पल बाद बैठ जाती है, लेकिन अचानक लड़खड़ाती है। एक सेकेंड बाद खुद को संभाल लेती है। इसके कुछ ही सेकेंड बाद वह दोबारा गिरती है और इस बार नहीं उठती। क्लास टीचर ने उसे देखा तो तुरंत उसके पास पहुंचीं और उसे उठाने की कोशिश की। बच्ची के नहीं उठने पर स्कूल स्टाफ को बुलाया गया। करीब दो मिनट तक उसे होश में लाने की कोशिश की गई, इसके बाद उसे जिला मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर गिरधर चौहान ने बताया कि बच्ची को इमरजेंसी में मृत अवस्था में लाया गया था। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम के बिना मौत का सटीक कारण निर्धारित करना संभव नहीं है। परिवार शव लेकर सिद्धार्थनगर चला गया और बिना पोस्टमॉर्टम अंतिम संस्कार कर दिया। स्कूल प्रबंधन ने डीजे की तेज आवाज को बच्ची की तबीयत बिगड़ने की संभावित वजह बताया है। हालांकि, पुलिस के अनुसार इस संबंध में थाने में कोई शिकायत या सूचना नहीं दी गई थी। सीओ सिटी अभिषेक सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए मिली। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। मौत का वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

वंदे मातरम पर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी: धार्मिक कारणों से न गाने पर आपराधिक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए

टीएम कृष्णा की याचिका पर केंद्र से जवाब तलब; कोर्ट ने 1986 के बिजो इमैनुअल फैसले का दिया हवाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। वंदे मातरम के गायन और इससे जुड़े नए कानूनी प्रावधान को लेकर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि धार्मिक या अंतरात्मा से जुड़े कारणों के चलते वंदे मातरम न गाने वाले व्यक्ति को आपराधिक कार्रवाई का सामना नहीं करना चाहिए। अदालत ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हालांकि, कोर्ट ने फिलहाल यह तय करने से इनकार किया कि राष्ट्रगीत के आधिकारिक गायन को दो अंतरों तक सीमित रखा जाए या इसके सभी छह अंतरे गाए जाएं। यह सुनवाई कर्नाटक संगीतकार टीएम कृष्णा की याचिका पर हुई। कृष्णा ने 2026 में किए गए उस कानूनी संशोधन को चुनौती दी है, जिसके तहत वंदे मातरम को भी राष्ट्रीय सम्मान से जुड़े कानून के दायरे में लाया गया है। संशोधित कानून में राष्ट्रीय गीत के गायन को जानबूझकर रोकने या

ऐसे गायन में जुटी सभा में बाधा डालने पर तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एस. मुरलीधर ने दलील दी कि गीत के अंतिम चार अंतरों में हिंदू देवी-देवताओं के संदर्भ हैं और इन्हें गाने की अनिवार्यता धार्मिक स्वतंत्रता तथा धर्मनिरपेक्षता से जुड़े संवैधानिक सवाल खड़े करती है। कोर्ट ने इस बहस के दौरान 1986 के बिजो इमैनुअल फैसले का उल्लेख किया। उस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक विश्वास के कारण राष्ट्रगान नहीं गाने वाले तीन छात्रों के खिलाफ कार्रवाई रद्द की थी, जबकि वे राष्ट्रगान के दौरान सम्मानपूर्वक खड़े रहते थे। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और मुरलीधर के बीच तीखी बहस भी हुई। मेहता की टिप्पणी में 'नक्सली' शब्द के इस्तेमाल पर मुरलीधर ने आपत्ति जताई। इसके बाद जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति पर गंभीर आरोप होने की स्थिति में भी उसके संवैधानिक अधिकार बने रहते हैं। 2026 में संसद से पारित संशोधन के बाद वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के रूप में कानूनी संरक्षण मिला है। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह कानून प्रभावी हुआ। अब सुप्रीम कोर्ट के सामने मुख्य सवाल यह है कि इस कानूनी संरक्षण की सीमा और धार्मिक या अंतरात्मा आधारित असहमति के संवैधानिक अधिकार के बीच संतुलन किस तरह तय किया जाए।

डीआरडीओ ने तैयार किया 30 किलोवाट का लेजर हथियार, 5 किलोमीटर तक ड्रोन को बना सकता है निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने 30 किलोवाट क्षमता वाला लेजर सिस्टम तैयार कर लिया है। यह करीब 5 किलोमीटर की दूरी तक ड्रोन, ड्रोन के झुंड और निगरानी सेंसर को निशाना बनाने में सक्षम है। रिपोर्ट के अनुसार, इस लेजर हथियार का अंतिम परीक्षण अगस्त 2025 में पूरा हो चुका है। अब इसके उत्पादन के लिए अगले छह महीने में किसी भारतीय कंपनी को साझेदार बनाने की तैयारी है। अप्रैल 2025 में कर्नूल की राष्ट्रीय खुली परीक्षण रेंज में इसका परीक्षण किया गया था। इस दौरान सिस्टम ने स्थिर पंखों वाले ड्रोन के साथ कई ड्रोन हमलों को रोकने की क्षमता प्रदर्शित की। निगरानी सेंसर और एंटीना को भी सफलतापूर्वक निशाना बनाया गया। यह सिस्टम रडार या इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल प्रणाली से लक्ष्य की पहचान करता है। इसके बाद तेज ऊर्जा वाली लेजर किरण लक्ष्य पर डाली जाती है, जो प्रकाश की गति से पहुंचकर उसे नुकसान पहुंचाती है।

जमुई में छात्रा से बदसलूकी के मुख्य आरोपी को पैर में गोली, पुलिस मुठभेड़ पर भी उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जमुई। बिहार के जमुई में नाबालिग छात्रा से बदसलूकी और उसका वीडियो वायरल किए जाने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी नंदन यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार को नंदन को पकड़ने पहुंची टीम को देखते ही उसने भागने की कोशिश की। इसी दौरान पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई और उसके पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को जमुई सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार नंदन उसी मड़वा पहाड़ी के आसपास छिपा हुआ था, जहां 19 सितंबर की शाम दोनों 10वीं कक्षा के छात्र-छात्रा घूमने गए थे। पुलिस का दावा है कि वायरल वीडियो में लाल गमछे में दिखाई देने वाला युवक नंदन ही है। मामले में अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें दो आरोपियों की उम्र 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है, जबकि तीन नाबालिग हैं। वीडियो वायरल करने के आरोप में भी तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ADG लॉ एंड ऑर्डर सुहिता अनुपम के मुताबिक, नंदन पुलिस से बचकर भाग रहा था और इसी दौरान पुलिस से मुठभेड़ हुई, जिसमें उसके पैर में गोली लगी। एक अन्य आरोपी हरेराम को भी जंगल क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस से बचकर भागते समय गिरने से उसके पैर में चोट आई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामला 19 सितंबर की शाम करीब सात बजे का है। ट्यूशन के बाद दोनों छात्र मड़वा पहाड़ी गए थे। लौटते समय कुछ युवकों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि छात्रा के साथ अभद्रता की गई और उसके साथ मौजूद छात्र के साथ मारपीट और गाली-गलौज की गई। घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर आरोपियों ने करीब एक घंटे तक दोनों नाबालिगों को परेशान किया, तो उस दौरान उनकी मदद के लिए कोई नहीं पहुंचा? वीडियो सामने आने के बाद कार्रवाई तेज हुई, लेकिन घटना के समय कानून-व्यवस्था की मौजूदगी पर सवाल उठना स्वाभाविक है। पुलिस अब वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। साथ ही, मुख्य आरोपी को गोली लगने की पुलिस की कार्रवाई के हर पहलू की भी जांच महत्वपूर्ण होगी। आखिर मुठभेड़ की परिस्थितियां क्या थीं, आरोपी के भागने का रास्ता क्या था और पुलिस के पास उसे पकड़ने के अन्य विकल्प मौजूद थे या नहीं–इन सवालों के जवाब जांच के बाद ही सामने आएंगे।

निकाय चुनाव में कहीं शक्ति प्रदर्शन, कहीं जोड़तोड़; अध्यक्ष-मेयर की कुर्सी के लिए खूब चला सियासी खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। निकाय चुनाव के नतीजों के बाद अध्यक्ष और मेयर की कुर्सी तक पहुंचने के लिए कई जगह राजनीतिक खींचतान देखने को मिली। सीकर में जिलाध्यक्ष ने बाड़ेबंदी में रखे कांग्रेस पार्षदों को लेकर मोर्चा संभाला और आखिरकार अपने प्रत्याशी को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाकर ही दम लिया। नागौर में चुनावी तनाव से दूर एक विधायक के डांस का वीडियो चर्चा में रहा। वहीं एक नगरपालिका में पूर्व विधायक की बस को गेट पर रोकने के बाद विवाद बढ़ गया। बस में पार्षद सवार थे। पूर्व विधायक ने पुलिस की मौजूदगी में सोशल मीडिया पर लाइव आकर बहुमत वाले पार्षदों को नगरपालिका में प्रवेश से रोकने का आरोप लगाया। हालांकि बाद में पार्षदों ने मतदान किया और अध्यक्ष का चुनाव हुआ। अजमेर में भी मुकाबला दिलचस्प रहा। एक दल के पार्षद बहुमत के करीब थे और एक जैसी पोशाक में मतदान करने पहुंचे। दूसरे दल ने निर्दलीय पार्षदों का समर्थन जुटाकर मेयर पद हासिल कर लिया। पाली में अध्यक्ष चुने जाने के बाद कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष को कंधों पर उठाकर जश्न मनाया। इस दौरान नेताओं ने नई टीम और नए तरीके से काम करने की बात कही। निकाय चुनाव के बाद अब राजनीतिक दलों का फोकस आगामी पंचायत चुनावों पर है।

23 सितंबर को मध्य प्रदेश में 'नो-यूपीआई डे', 2 हजार से ज्यादा का भुगतान नहीं लेंगे व्यापारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में 23 सितंबर को 'नो-यूपीआई डे' मनाया जाएगा। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने प्रदेशभर के व्यापारियों से इस दिन 2 हजार से अधिक का यूपीआई भुगतान नहीं लेने की अपील की है। व्यापारी कुछ समय के लिए यूपीआई स्कैनर को काले कपड़े से ढककर सांकेतिक विरोध जताएंगे। दरअसल, 15 अक्टूबर से 2 हजार से अधिक के व्यापारी भुगतान पर शून्य दशमलव चार प्रतिशत शुल्क लगने का प्रावधान है। 75 हजार या उससे अधिक के लेन-देन पर यह शुल्क अधिकतम 300 रुपए तक होगा। वहीं, प्रदेश के करीब 4 हजार 700 पेट्रोल पंप संचालक भी 16 अक्टूबर से 2 हजार से अधिक के बिल का भुगतान यूपीआई से नहीं लेने का फैसला कर चुके हैं। व्यापारिक संगठनों का विरोध प्रस्तावित शुल्क को लेकर है।

72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में कार्तिक-ममूटी बेस्ट एक्टर, यामी गौतम को बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान

राष्ट्रपति मुर्मू ने कलाकारों से हानिकारक उत्पादों के प्रचार से बचने की अपील की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

केवडिया। गुजरात के एकता नगर (केवडिया) में मंगलवार को 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में कार्तिक आर्यन को 'चंदू चैंपियन' और मलयालम अभिनेता ममूटी को 'ब्रह्मयुगम' के लिए संयुक्त रूप से बेस्ट एक्टर का पुरस्कार दिया गया। वहीं यामी गौतम को 'आर्टिकल 370' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया। पुरस्कारों की घोषणा 18 जुलाई को की गई थी। 'श्रीकांत' को बेस्ट हिंदी फिल्म और 'आर्टिकल 370' को बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड मिला। तमिल अभिनेता धनुष ने भी दो अलग-अलग कैटेगरी में नेशनल अवॉर्ड

हासिल किया। भारतीय सिनेमा में लंबे योगदान के लिए अभिनेता अनंत नाग को दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया गया। अनंत नाग ने कन्नड़, तेलुगु और हिंदी समेत 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। सम्मान मिलने के बाद अनंत नाग ने अपने संघर्ष को याद किया। उन्होंने बताया कि बचपन के 12 साल उन्होंने आश्रम में बिताए। इसके बाद मुंबई जाकर 'चैतन्य महाप्रभु' नाटक में अभिनय का मौका मिला। उन्होंने कहा कि उस समय करियर जैसी कोई स्पष्ट सोच नहीं थी और पेट पालने के लिए अभिनय शुरू किया। अगले पांच वर्षों में उन्होंने करीब 50 नाटकों में काम किया। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फिल्म कलाकारों की सामाजिक जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकप्रिय कलाकार युवाओं को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं, इसलिए उन्हें स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पदार्थों का एंडोर्समेंट नहीं करना चाहिए। राष्ट्रपति ने ज्यूरी पैनल में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की भी बात कही।

राज्यसभा की 12 सीटों पर 16 अक्टूबर को चुनाव, सपा को 1 सीट का फायदा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को राज्यसभा की 12 सीटों पर चुनाव की घोषणा की। इनमें उत्तर प्रदेश की 10, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट शामिल हैं। मतदान और मतगणना 16 अक्टूबर को होगी। उत्तर प्रदेश में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी समेत भाजपा के सात सदस्यों, सपा नेता राम गोपाल यादव और बसपा के रामजी गौतम का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। एक सीट दिनेश शर्मा के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सांसद कोयल मल्लिक के इस्तीफे से रिक्त सीट पर चुनाव होगा। राज्यसभा में कुल 245 सीटें हैं, जिनमें फिलहाल 242 भरी हुई हैं और तीन खाली हैं। उत्तराखंड में भाजपा सांसद नरेश बंसल का कार्यकाल समाप्त होगा। विधानसभा में भाजपा के बहुमत के चलते यह सीट उसके पास बने रहने की स्थिति है। चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में सीटों का दलगत समीकरण भी बदल सकता है।

लखीमपुर में महिला टीचर की हत्या से पहले का सीसीटीवी सामने आया...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखीमपुर। महिला टीचर निशात फातिमा की हत्या से पहले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें आरोपी सऊद अंसारी उन्हें तमंचे की नोक पर स्कूल की पहली मंजिल की ओर ले जाता दिखाई दे रहा है। बच्चे और शिक्षक सहमे नजर आए, लेकिन किसी ने आरोपी को रोकने की हिम्मत नहीं की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे सऊद बैग में दो तमंचे लेकर स्कूल पहुंचा। वहां उसकी निशात फातिमा से बहस हुई। आरोप है कि उसने एक तमंचा टीचर को देकर उसे गोली चलाने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने फायर नहीं किया। इसके बाद सऊद ने खुद गोली चलाकर निशात की हत्या कर दी। पोस्टमॉर्टम में टीचर को चार गोलियां लगने की पुष्टि हुई। वारदात के बाद आरोपी ने खुद को भी गोली मार ली। घटना से पहले उसने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश भी पोस्ट किया था। बताया जा रहा है कि निशात का परिवार करीब 12 साल पहले सऊद के घर किराए पर रहता था। इसी दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई थी। बाद में परिवार अपना घर बनाकर वहां चला गया, लेकिन दोनों के बीच संपर्क बना रहा।

जसदण में भादर नदी की दीवार के काम में करोड़ों का घोटाला: बीजेपी नेता भरत बोघरा के पत्र से राजनीति में बड़ा भूचाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। गुजरात की राजनीति में इन दिनों एक बेहद विवादित और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसके कारण आधिकारिक हलकों में भारी हड़कंप मच गया है। राजकोट जिले के जसदण क्षेत्र से गुजरने वाली भादर नदी पर बनाई जा रही प्रोटेक्शन वॉल (सुरक्षा दीवार) के निर्माण कार्य को लेकर भारतीय जनता पार्टी के ही दिग्गज नेता और पूर्व विधायक डॉ. भरत बोघरा ने खुलकर मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने राज्य के जल संसाधन मंत्री ईश्वर पटेल को आधिकारिक पत्र लिखकर करोड़ों रुपये की भारी-भरकम लागत से हो रहे इस काम में बरते गए भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। पत्र में लगाए गए आरोपों के मुताबिक, जसदण में भादर नदी के तट पर नागरिकों की सुरक्षा और जल संचयन के उद्देश्य से स्वीकृत सुरक्षा दीवार के निर्माण में बेहद घटिया दर्जे की सामग्री का बेहिसाब इस्तेमाल किया गया है। केवल गुणवत्ता ही नहीं, बल्कि निर्माण की डिजाइन में भी गंभीर खामियां पाई गई हैं–ऐसा पत्र में स्पष्ट रूप से बताया गया है। इतना ही नहीं, टेंडर प्रक्रिया में तय की गई समयसीमा समाप्त हो जाने के बावजूद अभी तक काम पूरा नहीं किया गया है, जिसके कारण स्थानीय स्तर पर जनता में भारी रोष देखा जा रहा है। किसी भी प्रकार की इंजीनियरिंग या तकनीकी शर्तों को ध्यान में रखे बिना मनमाने ढंग से चलाए जा रहे इस कामकाज के पीछे करोड़ों रुपये का घोटाला किए जाने की आशंका बीजेपी के ही नेता द्वारा जताए जाने से राजनीतिक गलियारों में गर्माहट आ गई है। सत्ताधारी पार्टी के ही प्रमुख नेता द्वारा सरकारी प्रोजेक्ट में चल रही गड़बड़ियों के खिलाफ सीधे सवाल उठाए जाने से अब जिम्मेदार अधिकारियों और इंजीनियरों की भूमिका संदेह के दायरे में आ गई है।यह गंभीर पत्र वायरल होने और मामला तूल पकड़ने पर जल संसाधन विभाग और प्रशासनिक तंत्र में भी भगदड़ मच गई है। जसदण क्षेत्र के विकास के नाम पर जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये की इस तरह हो रही बर्बादी को रोकने के लिए इस मामले में उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच की जाए तथा दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों के खिलाफ कड़ी और अनुकरणीय कार्रवाई की जाए–ऐसी प्रबल मांग उठ रही है।

पूर्व कॉर्पोरेटर देवेंद्र मिश्रा और शक्ति केंद्र इंचार्ज विरल गांधी के बीच फोन पर गाली-गलौज का ऑडियो वायरल होने से हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजनीति में और खासकर सत्ताधारी पार्टी भारतीय जनता पार्टी में आंतरिक विवाद और सत्ता की लड़ाई अब खुलकर सामने आने लगी है। पार्टी द्वारा हमेशा अनुशासन और संस्कारों के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जब पार्टी के ही जिम्मेदार पदाधिकारी और नेता सरेआम या फोन पर मर्यादाएं लांघ देते हैं, तो सवाल उठना लाजिमी है। ऐसा ही एक बेहद शर्मनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें पूर्व कॉर्पोरेटर देवेंद्र मिश्रा और शक्ति केंद्र इंचार्ज विरल गांधी के बीच फोन पर हुई गाली-गलौज और तीखी बहस का ऑडियो वायरल होने से राजनीति में बड़ा भूचाल आ गया है। प्राप्त विवरण और वायरल हुई ऑडियो क्लिप के मुताबिक, पार्टी के ही इन दो प्रमुख नेताओं के बीच किसी अंदरूनी मामले या वर्चस्व की लड़ाई को लेकर बहस हुई थी। बात इतनी बढ़ गई कि संगठन में पद पर बैठे इन जिम्मेदार नेताओं ने पार्टी के अनुशासन को पूरी तरह ताक पर रख दिया। फोन पर बातचीत के दौरान दोनों तरफ से बेहद आपत्तिजनक शब्दों और गालियों का इस्तेमाल किए जाने की बात ऑडियो से स्पष्ट रूप से सुनाई देती है। एक तरफ पार्टी द्वारा संगठन को मजबूत करने और अनुशासित कार्यकर्ता तैयार करने के दावे किए जाते हैं, वहीं जमीनी स्तर पर पदाधिकारियों की ऐसी हरकतें पार्टी की छवि को धूमिल करने का काम कर रही हैं। पूर्व कॉर्पोरेटर जैसे जमीनी नेता और शक्ति केंद्र जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठे इंचार्ज के बीच फोन पर हुई इस तरह की तू-तू मैं-मैं और गाली-गलौज से कार्यकर्ताओं में भी भारी सुगबुगाहट और नाराजगी व्याप्त हो गई है। यह मामला सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में वायरल होते ही उच्च स्तरीय नेतृत्व भी हरकत में आ गया है। सत्ता और वर्चस्व की इस लड़ाई में पार्टी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है, ऐसे में आम जनता और पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा चल रही है कि क्या यही बीजेपी का अनुशासन है? इस मामले में अब संगठन द्वारा क्या कदम उठाए जाते हैं या फिर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है, यह देखना बाकी है।

गुजरात यूनिवर्सिटी में 32 करोड़ के कामों का खेल या भ्रष्टाचार? एक्जीक्यूटिव काउंसिल को अंधेरे में रखकर मंजूरी देने के गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्थित गुजरात यूनिवर्सिटी एक बार फिर शिक्षा के बजाय बड़े घोटालों और विवादों के कारण चर्चा के केंद्र में आ गई है। यूनिवर्सिटी कैंपस में करोड़ों रुपये के विकास और निर्माण कार्यों को लेकर एक बड़ा पर्दाफाश हुआ है। पूरा मामला करीब 32 करोड़ रुपये के भारी-भरकम खर्च से जुड़ा है, जिसमें सत्ताधीशों ने पारदर्शिता को ताक पर रखकर मनमानी करने के गंभीर आरोप झेले हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतने बड़े आर्थिक फैसले लेते समय यूनिवर्सिटी की सर्वोच्च निर्णयक समिति कही जाने वाली 'एक्जीक्यूटिव काउंसिल' को पूरी तरह अंधेरे में क्यों रखा गया? सूत्रों के मुताबिक, यूनिवर्सिटी में लाखों-करोड़ों रुपये के खर्च से होने वाले निर्माण और अन्य कार्यों की मंजूरी की प्रक्रिया में भारी भ्रष्टाचार और नियमों की धज्जियां उड़ाई गई हैं। एक्जीक्यूटिव काउंसिल के सदस्यों को बिना जानकारी दिए या उनकी मंजूरी के बिना ही फाइलें पास कर दिए जाने की बात सामने आते ही शिक्षा जगत में भूचाल आ गया है। जब यूनिवर्सिटी में कोई बड़ा प्रोजेक्ट या वित्तीय खर्च करना होता है, तो आधिकारिक रूप से काउंसिल के समक्ष प्रस्तुति देकर चर्चा होना अनिवार्य है। लेकिन यहां तो पूरी व्यवस्था को दरकिनार करके बंद दरवाजों के पीछे फैसले लिए जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। इस पूरे विवाद की आंच सीधे तौर पर गुजरात यूनिवर्सिटी की पूर्व कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता और यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार पर जाकर टिकती है। उनकी कार्यशैली और प्रशासनिक फैसले अब सीधे तौर पर सवालों के घेरे में आ चुके हैं। इतनी बड़ी रकम के आवंटन और मंजूरी के पीछे किसका निजी स्वार्थ था? एक्जीक्यूटिव काउंसिल को भरोसे में न लेने के पीछे असली वजह क्या थी? क्या इन कामों में रसूखदारों को फायदा पहुंचाने के लिए प्रक्रिया को तेज करके नियमों को ताक पर रख दिया गया?

अर्जुन मोढवाडिया के गढ़ में गोपाल इटालिया का सरकार पर प्रहार: 'जो किसानों के हक के लिए लड़ेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पोरबंदर/गाँधीनगर। गुजरात की राजनीति में किसानों के सुलगते सवालों और आंदोलनों के बीच आम आदमी पार्टी के अग्रणी नेता गोपाल इटालिया ने भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वरिष्ठ मंत्री अर्जुन मोढवाडिया के गढ़ समान क्षेत्र में जनता के बीच सरकार के खिलाफ हुंकार भरते हुए गोपाल इटालिया ने सरकार की नीतियों और भाजपा में शामिल हुए पूर्व नेताओं पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि किसान अब डरने वाले नहीं हैं और इस हिटलरशाही के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार बैठे हैं। गोपाल इटालिया ने अपने बयान में किसानों के हितों की रक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, 'जो व्यक्ति किसानों के हक और अधिकार के लिए सड़क पर उतरकर लड़ेगा और सरकार के खिलाफ आवाज उठाएगा, केवल वही किसानों का सच्चा और असली नेता माना जाएगा।' किसानों के नाम पर केवल अपनी राजनीतिक रोटियाँ सेकने और सत्ता के सौदेबाजी करने वाले नेताओं को अब गुजरात का किसान अच्छी तरह पहचान चुका है। इस दौरान राजू करपाड़ा पर सीधा निशाना साधते हुए गोपाल इटालिया ने कड़े प्रहार किए कि, जो लोग पहले किसानों की लड़ाई लड़ने के दावे करते थे, वे आज किसानों के नाम पर राजनीति करके भारतीय जनता पार्टी में अच्छी जगह और पद पाकर सेट हो चुके हैं।

सूरत के समुद्र तट पर शराब की बोतलें मिलने का सिलसिला जारी

गृह मंत्री के होम टाउन में ही कानून और व्यवस्था पर गंभीर सवाल: शराब, जुआ, ड्रग्स और बढ़ते क्राइम रेट के खिलाफ जनता में फूटा आक्रोश

कड़ी शराबबंदी के दावों के बीच सूरत अब 'मिनी गोवा' क्यों बन रहा है?

सूरत में अपराधियों के हौसले बुलंद, कानून का खौफ गायब!

नशे के कारोबार पर कब टूटेगा पुलिस का शिकंजा? सूरत में अवैध धंधों पर लगाम लगाने के लिए अब सख्त कार्रवाई की दरकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

सूरत। गुजरात में कागजों पर शराबबंदी के कड़े कानूनी दावे किए जा रहे हैं, लेकिन वास्तविक जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल देती है। राज्य के हीरा और टेक्सटाइल नगर के रूप में विश्वभर में ख्याति प्राप्त सूरत शहर से समय-समय पर जो बेहद चौंकाने वाले दृश्य सामने आ रहे हैं, उसने पूरे प्रशासनिक तंत्र और पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। हाल ही में सूरत के समुद्र तट से लावारिस हालत में विदेशी शराब की अनगिनत बोतलें मिलने के दावों और खबरों ने हड़कंप मचा दिया है। सुरक्षा की बड़ी-बड़ी बातों और पुलिस चौकियों के बीच समुद्र तट से शराब की बोतलें मिलना यह साबित करता है कि बुटलेगरों और असामाजिक तत्वों के हौसले कितने बुलंद हैं और उन्हें कानून का कोई डर नहीं है। राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल का अपना होम टाउन माने जाने वाले सूरत शहर की वर्तमान स्थिति दिन-प्रतिदिन बेहद चिंताजनक और डरावनी होती जा रही है। जो सूरत शहर अपनी शांति और सुरक्षा के लिए जाना जाता था, वह आज अपराध और नशे के कारोबार के कारण मानो 'मिनी गोवा' बनता जा रहा है–ऐसी छवि उभर रही है। शहर में न केवल शराब की खुलेआम बिक्री हो रही है, बल्कि गली-गली में जुए के अड्डे फल-फूल रहे हैं, युवा पीढ़ी को बर्बाद करने वाला ड्रग्स का जहर खुलेआम बेचा जा रहा है और शहर का क्राइम रेट (अपराध ग्राफ) लगातार ऊपर जा रहा है। इन तमाम बातों के कारण आम जनता, व्यापारियों और परिवारों में भारी डर, असंतोष और रोष का माहौल देखने को मिल रहा है। स्थानीय नागरिकों, अभिभावकों और जागरूक सामाजिक संगठनों का स्पष्ट मानना है कि यदि समय रहते इस असामाजिक सिंडिकेट और बुटलेगरों के नेटवर्क पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो सूरत की आने वाली युवा पीढ़ी बर्बादी के कगार पर पहुंच जाएगी। समुद्र तट से शराब मिलने की यह घटना महज एक सामान्य दुर्घटना या छिटपुट घटना नहीं है, बल्कि सूरत में सक्रिय एक मजबूत और समानांतर बुटलेगर नेटवर्क का स्पष्ट प्रमाण है। अब देखना यह है कि प्रशासनिक तंत्र, पुलिस विभाग और सरकार इस मामले में कब नींद से जागकर ठोस, ताकि सूरत की अस्मिता और सुरक्षा वापस लौट सके।

'बड़ी-बड़ी बातें करने के बजाय सूरत को नशा मुक्त बनाएं '

सार्वजनिक मंचों और मीडिया के सामने कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ी-बड़ी बातें करना और सख्त कदम उठाने के दावे करना हुक्मरानों के लिए आम बात हो गई है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। सोशल मीडिया और जनमानस से अब सीधे, तीखे और आक्रामक सवाल उठ रहे हैं कि, 'गृह मंत्री साहब, सिर्फ कागजों पर सख्ती दिखाने के बजाय वाकई सूरत शहर को नशा मुक्त और अपराध मुक्त कब बनाएंगे?' सूरत के नागरिक अब यह सवाल पूछ रहे हैं कि पुलिस और प्रशासन की नाक के नीचे इतना बड़ा अवैध धंधा कैसे चल रहा है?

वडोदरा की होनहार बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लहराया तिरंगा, जीते गोल्ड मेडल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा/गांधीनगर। जब हौसले बुलंद हों और आंखों में सपनों को पूरा करने की जिद हो, तो आर्थिक तंगी भी सफलता की राह नहीं रोक सकती। गुजरात के वडोदरा की दो होनहार बेटियों ने अपनी मेहनत, संघर्ष और प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश और गुजरात के लिए गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। इन खिलाड़ियों की सफलता जितनी गौरवपूर्ण है, उनके संघर्ष की कहानी उतनी ही प्रेरणादायी है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का तिरंगा लहराने वाली इन दोनों खिलाड़ियों के परिवारों ने बेहद कठिन परिस्थितियों का सामना किया है। इनमें से एक खिलाड़ी के पिता ऑटो रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सीमित आमदनी के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई से बेटी के खेल और प्रशिक्षण के सपने को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वहीं दूसरी खिलाड़ी ने कम उम्र में ही अपने पिता को खो दिया। पिता की छत्रछाया से वंचित होने के बावजूद उसने परिस्थितियों के आगे हार नहीं मानी और पूरे हौसले के साथ अपनी खेल प्रतिभा को निखारती रही। महंगे प्रशिक्षण, खेल उपकरणों की कमी और परिवार की आर्थिक चुनौतियों के बीच इन बेटियों ने लगातार मेहनत जारी रखी। आखिरकार उनके पसीने और संघर्ष का परिणाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर गोल्ड मेडल के रूप में सामने आया। प्रतिभा होने के बावजूद आर्थिक परेशानियों के कारण देश में कई खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ पाते और उन्हें खेल छोड़ने तक की नौबत आ जाती है। ऐसे समय में वडोदरा की इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी उम्मीद सामने आई है। इन बेटियों की प्रतिभा और संघर्ष से प्रभावित होकर कच्छ केमिकल्स लिमिटेड और के.पी. एजुकेशन ट्रस्ट के प्रमुख शिवलाल गोयल ने मदद के लिए आगे आने का निर्णय लिया है।

खेड़ा SOG की बड़ी कार्रवाई: नडियाद के हाथज से वाल्ला चौकड़ी रोड से 35 बोतल अवैध कोडीन युक्त नशीली कफ सिरप के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद/खेड़ा। खेड़ा जिले में युवाओं को नशे की लत की तरफ धकेलने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ स्ह्त (स्पेशियल ऑपरेशन ग्रुप) पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। नडियाद तालुका के हाथज गांव से वाल्ला चौकड़ी की तरफ जाने वाले रोड पर पुलिस ने पुख्ता सूचना के आधार पर सफल छापा मारकर अवैध रूप से बिक्री के लिए लाए गए प्रतिबंधित और नशीले पदार्थों के बड़े जत्थे के साथ एक मुख्य आरोपी को रंगेहाथों दबोचने में सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई से नडियाद पंथक में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खेड़ा स्ह्त पुलिस टीम गश्त और खुफिया तंत्र के माध्यम से लगातार नजर रख रही थी। इसी दौरान पुख्ता सूचना मिली कि नडियाद के हाथज गांव

से वाल्ला चौकड़ी की तरफ जाने वाले मार्ग पर अवैध नशीली दवाओं की हेराफेरी हो रही है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर छापा मारा। जांच के दौरान पुलिस को मौके से: इस नशीले जत्थे के अलावा अन्य साजो-सामान और माल मिलाकर कुल रु. 76,044/- की कीमत का उच्च-प्रोफाइल माल जब्त किया गया है। आरोपी की पहचान और पुलिस की गिरफ्तआरोपी यह नशीला जत्था कहाँ से लाता था और कहाँ सप्लाई करने वाला था, इस संबंध में स्ह्त द्वारा सघन पूछताछ की जा रही है। इस रैकेट के पीछे अन्य कौन-कौन से बड़े चेहरे शामिल हैं, इसका भी जल्द ही पर्दाफाश होने की पूरी संभावना है। आज युवा वर्ग कफ सिरप और अन्य नशीले पदार्थों के चक्कर में पड़कर अपना भविष्य बर्बाद कर रहा है। नडियाद जैसे शहरों में बिना मेडिकल लाइसेंस के या अवैध नेटवर्क के जरिए चलने वाले ऐसे नशे के कारोबारों के खिलाफ पुलिस की यह रेड एक सराहनीय कदम है। ऐसे नशे के सौदागरों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करता रहेगा।

नर्मदा भाजपा में बड़ा राजनीतिक धमाका

जिला अध्यक्ष नील राव को पद से मुक्त किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नर्मदा/गाँधीनगर। नर्मदा जिले की राजनीति में अचानक भूचाल आ गया है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा नर्मदा जिला भाजपा अध्यक्ष नील राव को उनके पद से मुक्त कर दिया गया है। संगठन में लंबे समय से चल रही खींचतान और आंतरिक असंतोष के बीच आए इस अचानक फैसले से पूरे राज्य के राजनीतिक हलकों में भारी चर्चा छिड़ गई है। विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जिला अध्यक्ष पद से नील राव को हटाने के लिए पिछले कुछ समय से स्थानीय स्तर पर मोर्चाबंदी की गई थी। सूत्रों का दावा है कि यह फैसला कोई सामान्य संगठनात्मक बदलाव नहीं है, बल्कि जिले के सांसद और विधायकों के लगातार और भारी दबाव के तहत हाईकमान द्वारा यह कदम उठाया गया है। स्थानीय नेतृत्व और संगठन प्रमुख के बीच तालमेल की कमी की चर्चाएं पहले से ही चल रही थीं। आंतरिक असंतोष इस हद तक बढ़ गया था कि आखिरकार पार्टी के बड़े नेताओं ने अध्यक्ष को हटाने के लिए अभ्यावेदनों का दौर शुरू कर दिया था, जिसका परिणाम अब सामने आया है। नील राव को अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद अब नर्मदा जिला भाजपा की कमान किसके हाथों में जाएगी? इसे लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जाने लगी हैं। आने वाले समय में जिले में पार्टी की पकड़ मजबूत रखने और गुटबाजी पर लगाम लगाने के लिए हाईकमान किस नए चेहरे पर पसंदगी जताता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

वड़ोदरा में सड़कों के पैचवर्क के पीछे सवा दो करोड़ रुपये का अंधाधुंध खर्च

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वड़ोदरा। शहर में मानसून का सीजन शुरू होते ही महानगर पालिका के प्रशासन की पोल खुल जाती है। हर साल की तरह इस साल भी वड़ोदरावासियों को खस्ताहाल और से भरी सड़कें उपहार में मिली हैं, जिसके कारण आम जनता और वाहन चालक भारी मुसीबतों का सामना कर रहे हैं। इस सबके बीच, वड़ोदरा महानगर पालिका द्वारा सिर्फ शहर में पड़ें को भरने के नाम पर भारी-भरकम राशि की बर्बादी किए जाने का मामला सामने आया है, जिससे पूरा शहर विवादों के घेरे में आ गया है।

आधिकारिक आंकड़ों और प्राप्त विवरण के अनुसार, वड़ोदरा कॉरपोरेशन ने केवल सड़क के को भरने के नाम पर लगभग 2,25,00,000 रुपये (सवा दो करोड़ रुपये) जितनी बड़ी रकम पानी की तरह बहा दी है। करोड़ों रुपये के इस भारी-भरकम खर्च के बावजूद जमीन पर वास्तविक स्थिति कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। ॅरपोरेशन के

दस्तावेजों और दावों के मुताबिक, अगस्त और सितंबर के महीनों के दौरान शहर में 1100 से अधिक का सर्वे किया गया था और उनमें से 800 को भरने का दावा किया गया है। जबकि अभी भी आश्चर्यजनक रूप से 400 जितने भरने बाकी हैं। कागजों पर चल रहे इस काम और जमीनी हकीकत के बीच बहुत बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है। सड़कों पर भरने के नाम पर वैज्ञानिक पद्धति से काम करने के बजाय केवल 'पेचवर्क' (लीपापोती) का काम किए जाने के कारण थोड़े ही दिनों में वे सड़कें फिर से बैठ जाती हैं और दोबारा उभर आते हैं। स लापरवाह और भ्रष्टाचार से युक्त प्रशासन के खिलाफ वड़ोदरा के आम नागरिकों और वाहन चालकों में भारी गुस्सा भड़क उठा है। लोगों का आरोप है कि कॉरपोरेशन द्वारा किया जाने वाला यह करोड़ों रुपये का खर्च केवल बिल बनाने का एक खेल बनकर रह गया है। शहर में बढ़ते इस आक्रोश के बीच वड़ोदरा के एक जागरूक युवक ने प्रशासन की खिंचाई करते हुए बेहद आक्रामक शब्दों में प्रतिक्रिया दी कि, 'वड़ोदरा में कॉरपोरेशन ने नहीं भरे हैं, बल्कि पूरे शहर की सड़कों के पंचर बना दिए हैं! जनता की पसीने की कमाई और करोड़ों रुपये इन लोगों ने पानी में डुबो दिए हैं। स्थानीय लोगों और शहरवासियों की अब यह स्पष्ट मांग है कि बार-बार करोड़ों रुपये की बर्बादी करके पैचवर्क के नाम पर पैसे लुटाने के बजाय मजबूत, गुणवत्तापूर्ण और स्थायी रूप से डामर या आरसीसी की सड़कें बनाई जाएं। यदि इस मामले में उचित जांच नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन करने की भी चेतावनी दी जा रही है।

सूरत के सारोली श्याम संगीनी मार्केट अग्निकांड: 25 करोड़ की राख बनी होली के पीछे के 'राक्षस' का स्पॉट पर लाकर री-कंस्ट्रक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। पलसाना और सारोली क्षेत्र में स्थित अति व्यस्त और प्रसिद्ध श्याम संगीनी टेक्स्टाइल मार्केट में कुछ समय पहले घटी हृदयविदारक घटना ने पूरे व्यापारी जगत में हाहाकार मचा दिया था। लाखों-करोड़ों रुपये की मेहनत को एक ही रात में राख में तब्दील करने वाले पापी आरोपी को अब सूरत पुलिस कानून का पाठ पढ़ाने के लिए सीधे घटनास्थल पर ले गई है। मार्केट की छठी मंजिल पर खड़े होकर आग लगाने वाले उस नराधम आरोपी का पुलिस ने कड़े पुलिस बंदोबस्त के बीच स्पॉट पर ले जाकर री-कंस्ट्रक्शन (पुनर्निर्माण) कराया है, जिससे पूरे सूरत में फिर से सनसनी फैल गई है। आपको बता दें कि श्याम संगीनी टेक्स्टाइल मार्केट में लगी यह आग कोई सामान्य दुर्घटना नहीं थी, बल्कि एक सुनियोजित और घातक कृत्य था। आरोपी ने मार्केट की छठी मंजिल पर स्थित दुकानों को टारगेट करते हुए बेरहमी से आग के हवाले किया था। इस भीषण आग की चपेट में आकर कुल 17 दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गई हैं। दुकानों में रखा करोड़ों रुपये का कपड़ा और व्यापार का सामान जलकर स्वाहा हो गया, जिसके चलते व्यापारियों को अनुमानित 25 करोड़ रुपये का भारी-भरकम आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। एक झटके में कई परिवारों के रोजगार छिन गए और व्यापारियों की आंखों में आंसू आ गए। जुर्म को अंजाम देने के बाद आरोपी पुलिस से बचने के लिए चाहे जितने भी पैंतरे अपनाए, लेकिन सूरत पुलिस की सघन जांच और तकनीकी सर्विलांस के आगे वह ज्यादा समय तक टिक नहीं सका। पुलिस ने आखिरकार उसे दबोच लिया। आज पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल (श्याम संगीनी मार्केट की छठी मंजिल) पर रूबरू ले जाकर उसके क्राइम सीन का री-कंस्ट्रक्शन कराया। आरोपी ने घटना के वक्त किस जगह से प्रवेश किया था, किस तरह आग लगाई थी, किस जगह छिपा था और किस रास्ते से फरार हुआ था–इन सभी बातों का लाइव प्रदर्शन उसने पुलिस के सामने किया। पुलिस की इस सख्ती से आरोपी की तमाम चालबाजियां बेनकाब हो गई हैं।

छोटेउदयपुर में बीजेपी के 'कमलकम' कार्यालय की जमीन को लेकर बड़ा राजनीतिक धमाका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटेउदयपुर। मुख्यमंत्री के सामने आक्रामक सवाल: 'बस के कर्मचारियों को सस्पेंड करके वाहवाही लूटने में समय क्यों बर्बाद कर रहे हैं, बीजेपी को जमीन देने वाले बुटलेगर पर कब होगी कार्रवाई? ' गुजरात की राजनीति में इन दिनों एक बेहद विवादित और सनसनीखेज मामला जोरों से चर्चा का विषय बना हुआ है। छोटेउदयपुर जिले में भारतीय जनता पार्टी के नए 'कमलकम' कार्यालय के निर्माण के लिए आवंटित या दान में मिली जमीन को लेकर अब विपक्षी दलों और सोशल मीडिया पर तीखे सवाल उठाए जा रहे हैं। छोटेउदयपुर के इस कमलकम कार्यालय के लिए जमीन देने वाला व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि अंतरराज्यीय स्तर पर कुख्यात माना जाने वाला बुटलेगर पिंटू जायसवाल होने का गंभीर आरोप सामने आने से पूरे राज्य की राजनीति में बड़ा भूचाल आ गया है। सोशल मीडिया और राजनीतिक मोर्चे पर मचे भारी रोष के बीच मुख्यमंत्री के सामने सीधे और तीखे सवाल किए जा रहे हैं कि, सामान्य मामलों में या छोटी-छोटी घटनाओं में एसटी बस के ड्राइवर या कंडक्टर को तुरंत सस्पेंड करके सोशल मीडिया या मीडिया के माध्यम से अपनी 'वाहवाही लूटने' की नीति कब तक चलेगी? क्या सरकार की नजर इस कथित घोटाले या कुख्यात बुटलेगर के साथ संबंधों पर नहीं पड़ रही है? सत्ताधारी पार्टी के दिग्गज नेताओं के साथ ऐसे कुख्यात तत्वों के कनेक्शन होने के प्रमाण सामने आने से कानून-व्यवस्था के दावों पर

गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं।

आम जनता और विरोधियों की ओर से अब ऐसे सवाल पूछे जाने लगे हैं कि क्या शासक दल अपने कार्यालय बनाने के लिए भी अब अपराधियों और बुटलेगारों की सहायता या उनकी दान में दी गई जमीनों पर निर्भर है?

अस्पतालों ने भी इलाज देने से किया इनकार

पाटन के समी में दिल दहला देने वाली घटनाः आदिवासी महिला के साथ दुष्कर्म के बावजूद पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाटन। जिले के समी क्षेत्र से कानून, व्यवस्था और मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक अत्यंत संवेदनशील और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। समी गांव में एक आदिवासी महिला के दुष्कर्म का शिकार होने के बावजूद, स्थानीय समी पुलिस थाने की भारी लापरवाही और क्रूरता के कारण पीड़िता को न्याय पाने के लिए दर-दर भटकना पड़ा है। इस घटना से पूरे आदिवासी समाज और क्षेत्र में भारी रोष व्याप्त है। प्राप्त विवरण के अनुसार, पाटन जिले के समी गांव में एक गरीब आदिवासी महिला के साथ जघन्य अपराध को अंजाम दिया गया और वह दुष्कर्म का शिकार हुई। इस असहनीय पीड़ा और आपबीती को लेकर पीड़िता अपने पति के साथ हिम्मत जुटाकर स्थानीय समी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंची थी। लेकिन, खाकी की मर्यादा और कर्तव्य को भूल चुकी समी पुलिस की संवेदनशीलता जैसे मर चुकी हो, क्योंकि पीड़िता के गंभीर आरोप हैं कि पुलिस ने दुष्कर्म की कोई भी लिखित या मौखिक शिकायत दर्ज करने से स्पष्ट इनकार कर दिया। पुलिस के इस अमानवीय रवैये से पीड़िता बुरी तरह टूट गई। इतना ही नहीं, थाने के चक्कर काटकर निराश हुई पीड़िता शारीरिक और मानसिक वेदना से जूझते हुए समी के सरकारी अस्पताल और अन्य निजी अस्पतालों में इलाज तथा मेडिकल जांच के लिए पहुंची। लेकिन बेहद शर्मनाक बात यह है कि सरकारी और निजी दोनों अस्पतालों के तंत्र द्वारा भी पीड़ित महिला को किसी भी प्रकार की चिकित्सीय सहायता (मेडिकल ट्रीटमेंट) नहीं दी गई। एक तरफ अबला पर

अत्याचार हुआ और दूसरी तरफ पुलिस तथा स्वास्थ्य तंत्र द्वारा हाथ खड़े कर दिए जाने से पीड़िता न्याय के लिए लाचार हो गई। इस गंभीर और विवादित मामले को लेकर अब स्थानीय स्तर पर और सामाजिक संगठनों द्वारा उच्च स्तरीय जांच की मांग उठ रही है। यदि पुलिस ही अपराधियों को बचाने के लिए इस तरह की लापरवाही बरतेगी, तो आम और पीड़ित नागरिक किस पर भरोसा करेंगे? पाटन जिले के उच्च पुलिस अधिकारियों को इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करके दोषी पुलिसकर्मियों और अस्पताल के जिम्मेदार तंत्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि पीड़ित आदिवासी महिला को समय पर न्याय मिल सके।

अरावली में बिश्नोई गैंग और पुलिस का एनकाउंटर, PI और पुलिसकर्मी घायल, SOG की जबरदस्त फायरिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अरावली। कानून और व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक बड़ी और सनसनीखेज घटना सामने आई है। बिश्नोई गैंग के कुख्यात शूटरों और गुजरात पुलिस के बीच अरावली क्षेत्र में फिल्मी अंदाज में घमासान एनकाउंटर हुआ। इस भीषण मुठभेड़ में कुख्यात अपराधियों को पकड़ने के लिए चलाए गए पुलिस ऑपरेशन के दौरान SOG के PI (पुलिस इंस्पेक्टर) और एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जबकि पुलिस की जवाबी और घातक कार्रवाई में गैंग के सदस्यों को भी चोटें लगने की शुरुआती जानकारी मिल रही है। घटना की जानकारी के मुताबिक, SOG (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) और पुलिस की टीम को पुख्ता सूचना मिली थी कि कुख्यात बिश्नोई गैंग के कुछ खतरनाक शूटर अरावली इलाके में छिपे हुए हैं और किसी बड़ी तथा घातक वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत वॉच स्थापित कर संदिग्ध स्थान को चारों तरफ से घेर (कॉर्डन) लिया था। पुलिस ने आरोपियों को घेरकर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी थी, लेकिन कुख्यात गैंग के शूटरों ने कानून की परवाह किए बिना पुलिस पर सीधा और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अपनी जान की परवाह किए बिना स्क्त और पुलिस की टीम ने मोर्चा संभालकर मुंहतोड़ जवाब दिया। दोनों तरफ से ताबड़तोड़ गोलियां चलने से पूरा इलाका कुछ देर के लिए रणक्षेत्र में बदल गया। इस खूनी एनकाउंटर के दौरान अपराधियों की गोलीबारी में और एक बहादुर पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। हालांकि, पुलिस जवानों ने अदम्य साहस और बहादुरी दिखाते हुए अपराधियों को शिकंजे में ले लिया और SOG की जवाबी फायरिंग से गैंग के शूटरों के छक्के छुड़ा दिए। घायल पुलिस अधिकारियों और जवानों को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्च पुलिस अधिकारियों का काफिला तुरंत मौके पर पहुंच गया और पूरे इलाके को सील कर सघन सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है।

आजादी के दशकों बाद भी कच्चे रास्तों पर झोली में सफर करती प्रसूताएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदयपुर/गाँधीनगर। राज्य सरकार द्वारा शहरी विकास, बुलेट ट्रेन और गगनचुंबी इमारतों के भव्य दावे किए जाते हैं, लेकिन इन चमकती हुई तख्तियों के पीछे गुजरात का एक ऐसा दर्दनाक सच भी छिपा है जो आँखें खोलने के लिए काफी है। टीम जब राज्य के अत्यंत पिछड़े माने जाने वाले जिले छोटाउदयपुर के दूरदराज इलाकों में जमीनी हकीकत जानने पहुँची, तो जो दृश्य नजर आए, वे सरकार के विकास के दावों की पोल खोलने के लिए काफी थे। छोटाउदयपुर जिले का तुरखेड़ा गाँव आज भी ऐसी पिछड़ी और दुर्गम स्थिति में जी रहा है जहाँ आधुनिक सुविधाओं की एक किरण भी नहीं पहुँची है। आजादी के इतने साल बीत जाने के बाद भी यदि किसी गर्भवती महिला (प्रसूता) या गंभीर मरीज को अस्पताल तक पहुँचाने के लिए पक्की सड़क उपलब्ध न हो, और उन्हें ऊबड़-खाबड़ कच्चे रास्तों पर कपड़े की झोली या खाट पर लिटाकर किलोमीटरों तक पैदल चलने के लिए मजबूर होना पड़े, तो यह हमारे तथाकथित प्रगतिशील तंत्र पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है। आपातकाल की घड़ियों में एम्बुलेंस भी गाँव तक नहीं पहुँच पाती है, जिसके चलते समय-समय पर कई मरीजों और प्रसूताओं को उचित उपचार के अभाव में काल का ग्रास बनना पड़ता है। हाशिए पर धकेल दी गई ये जिंदगियाँ आज भी प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ न्याय माँग रही हैं। ग्रामीणों में प्रशासन और सरकार के खिलाफ भड़का आक्रोश अब छिपा नहीं है। ग्रामीणों का स्पष्ट और गंभीर आरोप है कि कागज पर आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों के उत्थान के लिए करोड़ों रुपये आवंटित किए जाते हैं, लेकिन वास्तविकता में वे पैसे जमीन पर कभी दिखाई नहीं देते।

NSE का चमकता कारोबार या छिपे जोखिमों का जाल?

निवेशकों के लिए कितने बड़े हैं जोखिम?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/मुंबई। भारतीय शेयर बाजार का सबसे बड़ा नाम माने जाने वाले National Stock E&change of India यानी का कारोबार विशाल है। लेकिन किसी भी बड़े वित्तीय इंफ्रास्ट्रक्चर की तरह इसके सामने भी कई महत्वपूर्ण जोखिम और नियामकीय चुनौतियां मौजूद हैं। सवाल यह नहीं कि NSE मजबूत है या कमजोर–सवाल यह है कि इसके बिजनेस मॉडल की कौन-सी निर्भरताएं भविष्य में दबाव पैदा कर सकती हैं? NSE से जुड़ा को-लोकेशन मामला भारतीय पूंजी बाजार के सबसे चर्चित नियामकीय विवादों में रहा है। SEBI ने सितंबर 2024 में NSE और अन्य पक्षों से संबंधित को-लोकेशन मामले में आदेश जारी किया था और अप्रैल 2025 में भी इसी मामले से संबंधित एक adjudication order जारी हुआ। इस पूरे प्रकरण ने एक्सचेंज के तकनीकी ढांचे, सर्वर एक्सेस और बाजार में समान अवसर से जुड़े सवालों को राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया। यह मामला बताता है कि शेयर बाजार का तकनीकी ढांचा जितना महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी निष्पक्षता और मजबूत निगरानी भी है। हस्श्र के बिजनेस मॉडल का सबसे बड़ा जोखिम उसकी ट्रांजैक्शन गतिविधि पर निर्भरता है। FY2024-25 में NSE की transaction charges से आय 13,509.14 करोड़ रही। इसी आय में equity options का योगदान लगभग 76' था। Equity futures और cash market का योगदान करीब 12'-12' रहा। यानी बाजार में ट्रेडिंग गतिविधि और खासकर deri1atives/options कारोबार में बड़ा बदलाव आता है, तो NSE के transaction revenue पर उसका सीधा प्रभाव पड़ सकता है। अगर भविष्य में derivatives कारोबार की मात्रा घटती है, ट्रेडिंग व्यवहार बदलता है या नियामकीय ढांचे में बड़े बदलाव आते हैं, तो transaction-based revenue पर दबाव आ सकता है। NSE के अपने त्त्4 FYwz earnings transcript में भी बताया गया कि transaction charges equity options का योगदान लगभग 76' था। उसी अवधि में dTI में गिरावट का असर transaction revenue पर पड़ा था।

छत्तीसगढ़ PDS महाघोटालाः पारदर्शिता का मुखौटा पहनकर सरकारी तिजोरी पर डाका

प्रदेश की 14,085 राशन दुकानों की ई-पॉस मशीनों की खरीद में खुली वित्तीय धांधली, 91.78 करोड़ का भुगतान डकार चुकी है सरकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ में गरीबों के कल्याण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को पारदर्शी और डिजिटल बनाने के नाम पर एक बहुत बड़ा वित्तीय खेल चल रहा है। राशन की दुकानों पर भ्रष्टाचार रोकने के लिए लगाई गई बायोमीट्रिक ई-पॉस मशीनें अब खुद भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियंत्रित लूट का सबसे बड़ा अड्डा बन गई हैं। हाल ही में सामने आए चौंकाने वाले आंकड़ों ने यह साबित कर दिया है कि कैसे सरकारी महकमों में फाइलों के खेल और मिलीभगत से जनता के टैक्स के पैसों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। तथ्यों का काला चिट्ठाः35 करोड़ का प्रोजेक्ट 140 करोड़ तक कैसे पहुंचा? यदि इस पूरी खरीद प्रक्रिया का गणित बाजार के वास्तविक रेट के आधार पर लगाया जाए, तो सरकारी तंत्र के कारनामे किसी बड़े घोटाले की कहानी बयां करते हैं बाजार की असली कीमतः औद्योगिक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स जैसे इंडियामार्ट और ट्रेडइंडिया पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, VA-21 मॉडल की अत्याधुनिक 4G बायोमीट्रिक ई-पॉस मशीनों की थोक बाजार कीमत महज 13,000 से 15,000 रुपए प्रति नग है। गणित का कच्चा चिट्ठाःयदि सबसे अधिकतम कीमत यानी प्रति मशीन 15,000 रुपए भी मान ली जाए, तो छत्तीसगढ़ की कुल 14,085 राशन दुकानों के लिए मशीनें खरीदने का कुल खर्च सिर्फ 21.12 करोड़ रुपए होता है। डेटा खर्च का हिसाबः इन मशीनों के सुचारू संचालन के लिए पांच साल की 4G इंटरनेट डेटा सर्विस का भारी-भरकम खर्च भी जोड़ लिया जाए (जो कि लगभग 13.35 करोड़ रुपए बैठता है), तो भी इस पूरी योजना की कुल वास्तविक लागत अधिकतम 35 करोड़ रुपए से ज्यादा नहीं होनी चाहिए थी। लेकिन इसके उलट, सरकार इन मशीनों और इसकी सेवाओं की एवज में कुल 140 करोड़ रुपए का भारी-भरकम भुगतान कर रही है। यानी बाजार मूल्य से लगभग चार गुना अधिक राशि खर्च करके सरकारी खजाने को जानबूझकर चूना लगाया गया है। चार साल में 91.78 करोड़ स्वाहा, 48 करोड़ का भुगतान अभी बाकी घोटाले की विभीषिका का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रदेश की राशन दुकानों में इन मशीनों को स्थापित करने के बाद पिछले चार वर्षों के भीतर ही सरकारी खजाने से 91.78 करोड़ रुपए का भुगतान संवेदक या संबंधित एजेंसियों को किया जा चुका है। खेल यहीं खत्म नहीं होता, अभी भी लगभग 48 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाना बाकी है। इतने बड़े पैमाने पर हो रही अंधाधुंध फिजूलखर्ची से साफ जाहिर होता है कि बिचौलियों और भ्रष्ट तंत्र की सांठगांठ से गरीबों के नाम पर किस तरह सरकारी तिजोरी खाली की जा रही है। राज्य सरकार हमेशा से यह दावा करती आई है क्या छत्तीसगढ़ के जिम्मेदार अधिकारियों ने बाजार की वास्तविक कीमतों की अनदेखी करके चुनिंदा एजेंसियों को फायदा पहुँचाने के लिए यह टेंडर पास किया?

वड़ोदरा में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर संकल्प स्मारक के ई-लोकार्पण पर गरमाई राजनीतिः कांग्रेस ने ज्ञापन सौंपकर किया विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वड़ोदरा। सार्वजनिक धन से बने स्मारक का सार्वजनिक कार्यक्रम के बिना ई-लोकार्पण किए जाने पर कांग्रेस के तीखे तेवर, जिला कलेक्टर के माध्यम से सरकार को ज्ञापन भारत के संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की स्मृति और उनके समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व तथा सामाजिक न्याय के महान विचारों से जुड़ा हुआ भव्य 'संकल्प स्मारक' हाल ही में वड़ोदरा में बनकर तैयार हुआ है। यह स्मारक आम जनता के पैसों से तैयार किया गया है, लेकिन गुजरात के मुख्यमंत्री द्वारा गत 20 सितंबर को इस स्मारक का अचानक ऑनलाइन यानी ई-लोकार्पण कर दिए जाने से राजनीति गरमा गई है। किसी भी प्रकार के सार्वजनिक कार्यक्रम या जनसमूह की उपस्थिति के बिना गुपचुप तरीके से किए गए इस ई-लोकार्पण के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने कड़ा विरोध जताया है। इस विवाद को लेकर वड़ोदरा शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ऋत्विज जोशी, अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन महेश सोलंक और पार्षद पुष्पाबेन वाघेला सहित शीर्ष तथा जमीनी स्तर के कई नेता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इन सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर गुजरात सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा और इस मामले में कड़े शब्दों में अपनी बात रखी।कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर करोड़ों लोगों की आस्था और प्रेरणास्रोत हैं, तो उनके स्मारक के लोकार्पण जैसे पवित्र अवसर को सार्वजनिक रूप से मनाने से क्यों डर गया? आम जनता की पसीने की कमाई और टैक्स के पैसों से बने इस स्मारक का लोकार्पण खुले मंच पर जनता की मौजूदगी में होना चाहिए था, इसके बजाय केवल कागजों पर और डिजिटल माध्यम से औपचारिकता पूरी करना महापुरुषों और जनता का सीधा अपमान है। इसके पीछे के वास्तविक कारणों की पारदर्शी जांच की जानी चाहिए– ऐसी मांग भी ज्ञापन में जोर-शोर से उठाई गई है।

इंरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा का जागरूकता मिशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव, छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ में निवेश के नाम पर लोगों को ठगने के मामले सामने आ रहे हैं। सरगुजा में एक महिला लेक्चरर को हर महीने 40 हजार रुपये का निश्चित मुनाफा देने का झांसा देकर 55 लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना ने निवेश के नाम पर चल रहे धोखाधड़ी के तरीकों को लेकर लोगों को सतर्क रहने की जरूरत को उजागर किया है। इंरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने जागरूकता मिशन के तहत लोगों से अपनी मेहनत की कमाई निवेश करने से पहले पूरी जानकारी जुटाने और संबंधित संस्थाओं से पंजीकरण की जांच करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि ठग अलग-अलग तरीकों से लोगों को आकर्षक मुनाफे का लालच देकर अपने जाल में फंसाते हैं। इनमें शेयर बाजार में कारोबार, क्रिप्टोकरेंसी और विदेशी मुद्रा के नाम पर निवेश कराने के साथ फर्जी बीमा योजनाएं तथा बिना दस्तावेज ऋण देने के झांसे शामिल हैं। शेयर बाजार में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले लोग वॉट्सऐप समूहों और टेलीग्राम माध्यमों के जरिए लोगों से संपर्क करते हैं। वे अपने विशेष सॉफ्टवेयर या व्यापारिक रणनीति का हवाला देकर रोजाना पांच प्रतिशत तक मुनाफे की गारंटी देने का दावा करते हैं। ऐसे दावों पर भरोसा कर लोग अपनी जमा पूंजी गंवा सकते हैं। निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे शेयर बाजार में कारोबार करने से पहले संबंधित दलाल और उसकी पंजीकरण संबंधी जानकारी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड से जांचें।

अहमदाबाद के सीटीएम इलाके की ब्राइट स्कूल में हंगामाः चौथी कक्षा के मासूम छात्र ने क्लासमेट को लिखा 'आई लव यू' का पत्र,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्कूल के क्लासरूम में बच्चे द्वारा पर्ची फेंकने का मामला पहुंचा पुलिस थाने तक, शिक्षिका और डायरेक्टर सह प्रिंसिपल के खिलाफ मामला दर्ज अहमदाबाद शहर के सीटीएम इलाके में स्थित जानी-मानी ब्राइट इंग्लिश मीडियम स्कूल से एक बेहद चौंकाने वाली और चर्चित घटना सामने आई है। स्कूल की चौथी कक्षा में पढ़ने वाले मात्र 9 साल के एक मासूम छात्र ने क्लासरूम में अपनी सहपाठी (क्लासमेंट) की ओर 'I LOVE YOU लिखा हुआ कागज का एक नोट फेंका था। बच्चों की यह छोटी सी नादानी या मासूम हरकत बाद में इतनी बढ़ गई कि मामला पुलिस थाने तक पहुंच गया और स्कूल संचालकों के खिलाफ गंभीर कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। घटना की विस्तृत प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 19 सितंबर को ब्राइट स्कूल के चौथी कक्षा के क्लासरूम में पढ़ाई चल रही थी, उसी दौरान इस छोटे से छात्र ने मजाक में या अनजाने में अपने साथ पढ़ने वाली छात्रा की तरफ एक पर्ची फेंकी थी। इस पर्ची में 'I LOVE YO' लिखा हुआ था। हालांकि, कागज की यह पर्ची क्लासरूम में मौजूद शिक्षिका के हाथ लग गई, जिसके कारण मामला तुरंत स्कूल के उच्च अधिकारियों तक पहुंचा दिया गया। परिवार द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के मुताबिक, इस मामले में स्कूल की शिक्षिका सीमा गोस्वामी और स्कूल के डायरेक्टर सह प्रिंसिपल इंद्रजीत मौर्य ने बच्चे पर सजा के नाम पर भारी अत्याचार किया। छोटे बच्चे द्वारा कम उम्र में की गई इस गलती के लिए उसे डांटने या समझाने के बजाय उसके हाथों पर स्केल (फुटपैट्टी) से ताबड़तोड़ मारपीट किए जाने का आरोप है।

भादरवी मेले में हेल्थ डिपार्टमेंट की मॉक ड्रिल, CDMO वाई.के. मकवाना मौजूद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। शक्ति पीठ अंबाजी में अभी भादरवी पूनम का महामेला चल रहा है, लाखों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से अंबाजी धाम पहुंच रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम पूरी तरह तैयार है। फिलहाल, बनासकांठा हेल्थ डिपार्टमेंट ने अंबाजी के अलग-अलग रास्तों पर 26 टेम्परारी हेल्थ सेंटर बनाए हैं ताकि श्रद्धालुओं को गर्मी की वजह से कोई दिक्कत न हो। इसके अलावा, दो इमरजेंसी मोबाइल गाड़ियां भी रखी गई हैं। और कई जगहों पर 108 की सुविधा भी रखी गई है, इसके साथ ही हेल्थ डिपार्टमेंट की तरफ से कई सुविधाएं बनाई गई हैं ताकि श्रद्धालुओं को तालमेल बिठाने में कोई दिक्कत न हो। भादरवी पूनम महामेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सेहत को लेकर एडमिनिस्ट्रेटिव और हेल्थ डिपार्टमेंट अलर्ट है। और भक्तों की सेहत के लिए मेडिकल टीम और ज़रूरी दवाइयाँ दी गई हैं। आज बनासकांठा के हेल्थ डिपार्टमेंट की तरफ़ से अंबाजी मंदिर के चचर चौक पर एक जुलूस निकाला गया। जिसमें दो यात्री हाथों में झंडे लेकर माँ अम्बा के दर्शन करने जा रहे थे, तभी एक यात्री बेहोश हो गया, दूसरे यात्री ने मदद के लिए सिक्योरिटी गार्ड से संपर्क किया। हेल्थ डिपार्टमेंट को बताने के बाद, हेल्थ डिपार्टमेंट ने तुरंत यात्री को मंदिर के हेल्थ सेंटर में ले जाकर उसकी जाँच की। फिर उसे इमरजेंसी 108 से रेफर किया गया। ये सभी प्रोसीजर एक ही बार में किए गए और बनासकांठा हेल्थ डिपार्टमेंट की टीम का बहुत अच्छा काम देखने को मिला। इतनी बड़ी संख्या में मेले के बीच यात्रियों को तुरंत निकालकर उनका इलाज किया गया।

गंगाजल घर-घर पहुँचे, गंगा संरक्षण का संदेश जन-जन तक जाएः मोहम्मद फैज खान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ब्यावर। अखिल भारत हिन्दू क्रान्ति सेना द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद सोनी और राष्ट्रीय महासचिव पवन माकन के नेतृत्व में चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी 'घर-घर गंगाजल अभियान' को अब देश के जाने-माने गो-कथा वाचक और गो-भक्त मोहम्मद फैज खान का भी प्रखर समर्थन मिला है। उन्होंने इस अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए समाज को संस्कृति, आस्था और पर्यावरण संरक्षण का एक अनूठा संदेश दिया है। मोहम्मद फैज खान ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना से जुड़ी अत्यंत पवित्र धरोहर है।

1. संस्कृति और जल संरक्षण का अनूठा संगम

मोहम्मद फैज खान ने कहा कि प्रत्येक सनातनी परिवार तक गंगाजल पहुँचाने का यह पवित्र प्रयास लोगों को अपनी जड़ों, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का काम करता है। इसके साथ ही यह अभियान हर नागरिक के मन में गंगा एवं जल संरक्षण के प्रति एक गहरी जिम्मेदारी का भाव भी पैदा करता है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि 'घर तक गंगाजल पहुँचाना हमारी श्रद्धा का विषय है, लेकिन माँ गंगा को स्वच्छ और संरक्षित रखना हम सभी का परम कर्तव्य है। '

2. कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर जागरूकता फैलाने का आग्रह

अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए मोहम्मद फैज खान ने आग्रह किया कि वे गाँव-गाँव और घर-घर जाकर लोगों को गंगा की महत्ता, जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति जल की एक-एक बूंद का महत्व समझेगा, तभी हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए जल और प्रकृति को सुरक्षित रख सकेंगे।

3. संतों-महात्माओं से शुरू होकर हर घर तक पहुँचेगा कारवाँ

अभियान के संयोजक नाहर सिंह चुंडावत के अनुसार, 'घर-घर गंगाजल अभियान' के प्रथम चरण में प्रमुख मठ-मंदिरों एवं संत-महात्माओं तक गंगाजल पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। इसके पश्चात, इस अभियान को और अधिक व्यापक रूप देते हुए हर घर तक गंगाजल पहुँचाने तथा गंगा के प्रति श्रद्धा और संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का मुख्य लक्ष्य है। राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद सोनी के कुशल नेतृत्व में संगठन इस अभियान को सामाजिक और सांस्कृतिक जनजागरण का रूप दे रहा है।

समाज के जरूरतमंदों के लिए आपदा राहत कोष एवं वेलफेयर ट्रस्ट समिति- केशरवानी प्रदेश अध्यक्ष निलेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छत्तीसगढ़। कार्यक्रम में सर्वप्रथम समाज के श्री विमल गुप्ता एवं श्रीमती सीमा गुप्ता ने समाज के उपस्थित बंधुओं का तिलक लगाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित केशरवानी समाज के अध्यक्ष निलेश गुप्ता एवं उपाध्यक्ष श्री घनश्याम केशरवानी का स्वागत नगर सभा अध्यक्ष आनंद गुप्ता तत्पश्चात संरक्षक श्री सूर्यकांत गुप्ता, सुनील गुप्ता, प्रफुल्ल कुमार गुप्ता (डिप्टी कलेक्टर दुर्ग), बांके बिहारी केशरवानी द्वारा तथा उपाध्यक्ष घनश्याम केशरवानी और संरक्षक भानूप्रकाश केशरवानी का स्वागत सचिव विमल गुप्ता, महीप गुप्ता,अनूप गुप्ता, द्वारा किया गया। स्वागत की इस कड़ी में प्रदेश अध्यक्ष श्री निलेश को श्रीफल वाले साल से श्री आनंद गुप्ता ने तथा उपाध्यक्ष श्री घनश्याम का श्री राजीव केशरवानी , सूर्यकांत, ने किया। दुर्ग समाज के संरक्षक भानु प्रकाश का स्वागत श्री महीप गुप्ता ने, सूर्यकांत का स्वागत राजीव ने, आनंद गुप्ता का स्वागत श्री स्वयं प्रकाश ने किया।प्रदेश महिला सभा के उपाध्यक्ष श्रीमती सारिका गुप्ता का स्वागत श्रीमती अन्नपूर्णा द्वारा, एवं श्रीमती मंजू गुप्ता का स्वागत श्रीमती स्वीटी गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती संगीता केशरवानी ने करते हुए, मुख्यतिथियों के स्वागत उपरांत महर्षि कश्यप जी की पूजा,आरती ,गणेश वंदना,के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समाज की होनहार बालिकाओं ने मनमोहक नृत्य , गणेश वंदना कर सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष निलेश ने सामाजिक एकता,शिक्षा,पर समाज की सामाजिक, आर्थिक,सांस्कृतिक उन्नति पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि समाज वेलफेयर ट्रस्ट और आपदा राहत कोष का गठन कर समाज के कमजोर लोगों को राहत देने का कार्य कर रहा है।

टोंक नगर परिषद उपसभापति चुनाव में कांग्रेस की फरजाना सईद विजयी, 36 वोट से हासिल की जीत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। नगर निकाय आम चुनाव 2026 के तहत टोंक जिले की 10 नगर निकायों में अध्यक्ष पद के चुनाव के बाद अब उपसभापति पद के चुनाव के परिणाम भी सामने आ गए हैं। टोंक नगर परिषद में कांग्रेस की फरजाना सईद उपसभापति निर्वाचित हुई हैं। उन्हें कुल 36 वोट मिले, जबकि भाजपा के प्रत्याशी ओम पांडे को 13 वोट प्राप्त हुए। इस तरह फरजाना सईद ने 23 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। टोंक नगर परिषद में उपसभापति पद के चुनाव को लेकर सुबह से ही राजनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतगणना की गई, जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी फरजाना सईद के पक्ष में 36 वोट आए। भाजपा प्रत्याशी ओम पांडे को 13 वोट मिले। परिणाम घोषित होते ही कांग्रेस समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। इससे पहले जिले की 10 नगर निकायों में अध्यक्ष पद के चुनाव के परिणाम घोषित किए गए थे। इन चुनावों में भाजपा ने 8 नगर निकायों में अध्यक्ष पद हासिल किया, जबकि कांग्रेस के खाते में 2 अध्यक्ष पद आए। टोंक नगर परिषद में कांग्रेस के मयंक गोयल अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। वहीं उनियारा नगरपालिका में भी कांग्रेस के नरेश कुमार गुर्जर अध्यक्ष चुने गए। इसके अलावा जिले की अन्य नगर पालिकाओं में भाजपा के प्रत्याशियों ने अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। मालपुरा नगरपालिका में जितेंद्र कुमार जैन, टोडारायसिंह में संत कुमार जैन, डिग्गी में अरविंद शर्मा, लाम्बाहरिसिंह में सोनिया कुमारी स्वर्णकार, निवाई में नरेंद्र कुमार शर्मा, पीपलू में रमेश, देवली में कजोड़ी देवी और दूनी नगरपालिका में अर्चना देवी भाजपा से अध्यक्ष निर्वाचित हुईं। अध्यक्ष और उपसभापति पदों के चुनाव पूरे होने के साथ अब जिले की नगर निकायों में नए बोर्ड के गठन की तस्वीर स्पष्ट हो गई है। टोंक नगर परिषद में अध्यक्ष पद कांग्रेस के खाते में जाने के बाद उपसभापति पद पर भी कांग्रेस की फरजाना सईद की जीत हुई है।

फरजाना सईद

बागरा स्कूल की हैंडबॉल टीमों का जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। पीएम श्री राजेंद्र सूरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बागरा की लड़कों और लड़कियों की हैंडबॉल टीमों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने शुरुआती मुकाबलों में जीत दर्ज की। दोनों टीमों की जीत के बाद विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्रधानाचार्य खीम सिंह राठौड़ ने बताया कि शारीरिक शिक्षक रविप्रकाश बैनीवाल के नेतृत्व में विद्यालय की लड़कों की टीम ने ओटवाला में आयोजित जिला स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। टीम ने अपने शुरुआती मुकाबले में बावरला की टीम के खिलाफ बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने शुरू से ही आक्रामक रुख बनाए रखा और लगातार गोल करते हुए मुकाबले पर पकड़ मजबूत की। अंत में बागरा की टीम ने बावरला को 17-6 के बड़े अंतर से पराजित कर प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत की। इसी तरह विद्यालय की लड़कियों की हैंडबॉल टीम ने भी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जेरण में आयोजित जिला स्तरीय बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता में राजेंद्र कंवर उदावत के नेतृत्व में उतरी बागरा की टीम का मुकाबला राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय केशवना की टीम से हुआ। बागरा की खिलाड़ियों ने पूरे मुकाबले में बेहतर तालमेल और टीम भावना के साथ खेलते हुए केशवना को 6-2 से हराया। विद्यालय की दोनों टीमों की इस दोहरी सफलता से विद्यार्थियों और शिक्षकों में उत्साह का माहौल है। जीत की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों ने भी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके प्रदर्शन पर खुशी जताई। विद्यालय प्रबंधन ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ उनके आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि इन सफलताओं से क्षेत्र के विद्यार्थियों, विशेषकर बालिकाओं में खेलों के प्रति रुचि और उत्साह बढ़ेगा। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने विद्यालय के साथ-साथ क्षेत्र का भी गौरव बढ़ाया है।

निजी बस और बाइक की भिड़ंत, बस के नीचे फंसी बाइक; दो श्रद्धालु बाल-बाल बचे

छिपा बेरी चौकी के पास हुआ हादसा, दोनों बाइक सवारों को मामूली चोटें; पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात कराया सुचारू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। थाना क्षेत्र में छिपा बेरी चौकी के पास सोमवार को निजी बस और बाइक की भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार रामदेवरा के दो श्रद्धालु बाल-बाल बच गए। दोनों को मामूली चोटें आईं। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक बस के अगले हिस्से के नीचे फंस गई। गनीमत रही कि बस चालक ने समय रहते ब्रेक लगा दिए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार निजी बस और बाइक दोनों माउंट आबू की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार निजी बस को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहे थे। ओवरटेक करते समय बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और बस के अगले हिस्से से जा टकराई। टक्कर के बाद बाइक बस के नीचे फंस गई। हादसे के तुरंत बाद बस चालक ने ब्रेक लगा दिए। इससे बस आगे नहीं बढ़ी और बाइक सवारों को गंभीर नुकसान होने से बच गया। आसपास मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर दोनों श्रद्धालुओं को संभाला। इसके बाद काफी मशक्कत कर बाइक को बस के अगले हिस्से के नीचे से बाहर निकाला गया। दुर्घटना के बाद सड़क पर कुछ समय के लिए वाहनों की कतार लग गई। दोनों ओर यातायात प्रभावित होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने सड़क पर प्रभावित यातायात को व्यवस्थित कर आवागमन सुचारू कराया। पुलिस ने हादसे को लेकर मौके पर मौजूद लोगों से जानकारी जुटाई और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बाइक सवार बस को ओवरटेक करने के दौरान अनियंत्रित हुए थे। हादसे में दोनों श्रद्धालुओं को मामूली चोटें आईं और कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। घटना के बाद मौके पर कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल रहा, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में स्थिति सामान्य हो गई।

राजस्थान के चुनाव में भाजपा के लिए बड़ा संकेत

जीत की खुशी के पीछे छिपा है खतरनाक पॉलिटिकल अलार्म भाजपा की जीत में छिपा है पॉलिटिकल अलार्म

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान की नागरिक संस्थाओं और स्थानीय निकाय चुनावों में भले ही भाजपा ने एक बार फिर बहुमत हासिल कर अपना परचम लहराया हो, लेकिन इन चुनावों के परिणाम महज कागज पर दर्ज जीत नहीं हैं। आज की ग्राउंड रियलिटी के आंकड़े इस बात का पुख्ता सबूत हैं कि आने वाले वर्ष 2028 के विधानसभा चुनावों से पहले यह भाजपा के लिए एक बड़ा पॉलिटिकल अलार्म है। मतदान के आंकड़ों पर नजर डालें तो कुल परिणामों में भाजपा को 4,179 सीटों पर जीत मिली है, जबकि कांग्रेस 3,613 सीटें जीतने में सफल रही है। इसके अलावा, एक बड़ी संख्या में 2,273 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुए हैं। भले ही भाजपा को कांग्रेस से 566 सीटें अधिक मिली हों, लेकिन वास्तविक तस्वीर कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। कई महत्वपूर्ण सीटों पर निर्दलीय इतनी बड़ी संख्या में चुनकर आए हैं कि स्पष्ट बहुमत न मिलने के कारण भाजपा और कांग्रेस दोनों ही प्रमुख दल सत्ता से सीधे दूर हो गए हैं। इन चुनावों का सबसे बड़ा और चौंकाने वाला संदेश यह है कि शहरी मतदाता अब भाजपा से नाराज होकर सीधे कांग्रेस की तरफ नहीं गए हैं, बल्कि उन्होंने भाजपा को बेहद स्पष्ट और खुला संकेत दे दिया है। जनता ने साफ कह दिया है कि हमें कभी भी 'टेक इट ग्रांटेड' या हल्के में लेने की भूल न करें। ये परिणाम सीधे तौर पर भजनलाल शर्मा सरकार के कामकाज, संगठन की पकड़ और विपक्षी कांग्रेस की क्षमता पर बड़ा सवालिया निशान खड़े करते हैं।राष्ट्रीय स्तर के बड़े भाषण, धुआंधार प्रचार या राष्ट्रीय मुद्दे स्थानीय चुनावों में किसी काम नहीं आते। स्थानीय स्तर पर जनता के मुद्दे बिल्कुल अलग होते हैं। सीवर लाइन की व्यवस्था, सड़कों की खस्ताहाल स्थिति, पीने के पानी की अनियमित सप्लाई, स्ट्रीट लाइट्स की व्यवस्था, अवैध अतिक्रमण और स्थानीय पार्षदों या नेताओं की जनता के लिए उपलब्धता जैसे बुनियादी सवाल ही चुनावी फैसले तय करते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर दिए जाने वाले बड़े नारों की स्थानीय स्तर पर कोई वैल्यू नहीं होती, और इन चुनावों ने इसे साबित कर दिया है। राजस्थान के इन स्थानीय चुनावों के परिणाम वर्ष 2028 में होने वाले मुख्य विधानसभा चुनाव की असली ब्लू प्रिंट साबित हो सकते हैं। राजस्थान का राजनीतिक इतिहास हमेशा से पारंपरिक रहा है कि वहां हर पांच साल में सरकार बदलती है। यदि कांग्रेस पार्टी अपनी पुरानी बीमारियों जैसे कि अंतर्कलह, गुटबाजी और आपसी खींचतान से ऊपर उठकर पूरी एकता और रणनीति के साथ मैदान में उतरती है, तो यह आने वाले समय में भाजपा के लिए एक बड़ा और खतरनाक साबित हो सकता है। भाजपा को इन परिणामों से समय रहते गंभीर सबक लेकर अपनी रणनीति बदलनी होगी, अन्यथा जनता का यह घातक असंतोष आने वाले समय में सत्ता की कुर्सी हिलाने के लिए काफी है। आपके इलाके में स्थानीय विकास कार्यों को लेकर जनता का मूड कैसा है और नेताओं के प्रति यह रोष कितना गंभीर साबित हो सकता है?

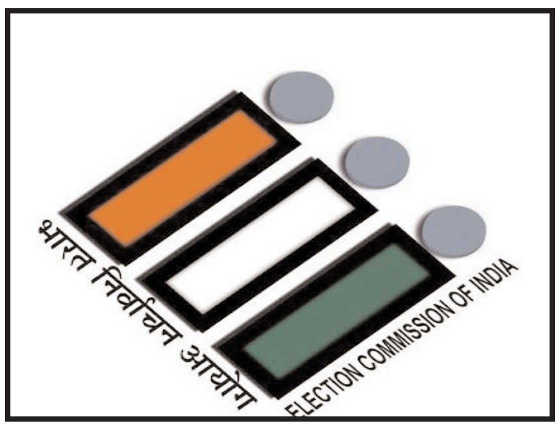

जोधपुर की 6 नगर पालिकाओं में उपाध्यक्ष चुनाव, बालेसर और पीपाड़ में भाजपा के प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जिले की छह नगर पालिकाओं में नगर पालिका उपाध्यक्ष के चुनाव को लेकर मंगलवार को राजनीतिक हलचल तेज रही। मथानिया, तिंवरी, बालेसर सत्ता, भोपालगढ़, पीपाड़ सिटी और बिलाड़ा नगर पालिकाओं में उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इनमें बालेसर और पीपाड़ में भाजपा के प्रत्याशी निर्विरोध उपाध्यक्ष निर्वाचित हो गए हैं। बालेसर में भाजपा के रूपसिंह इंदा और पीपाड़ में पुष्पा तिवाड़ी को निर्विरोध उपाध्यक्ष चुना गया। जिले की मथानिया और तिंवरी नगर पालिकाओं में भाजपा और कांग्रेस ने अपने-अपने प्रत्याशियों के नाम घोषित कर नामांकन प्रक्रिया पूरी कर ली है। मथानिया में उपाध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस की ओर से जितेंद्र तथा भाजपा की ओर से भरत चारण ने नामांकन दाखिल किया है। वहीं तिंवरी नगर पालिका में भाजपा की ओर से समुदेवी और कांग्रेस की ओर से सेवाराम ने उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा है। इन दोनों नगर पालिकाओं में उपाध्यक्ष पद को लेकर मुकाबला होने की स्थिति बनी हुई है। इससे पहले सोमवार को जिले की इन छह नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद के चुनाव संपन्न हुए थे। चुनाव परिणामों में चार नगर पालिकाओं में भाजपा और दो नगर पालिकाओं में कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। अब उपाध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर भी दोनों प्रमुख दलों के बीच राजनीतिक गतिविधियां बढ़ गई हैं। बालेसर में निर्विरोध उपाध्यक्ष चुने जाने के बाद भाजपा पार्षदों ने चामुंडा माता मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ के निर्देशानुसार सभी भाजपा पार्षद मंदिर पहुंचे और मां चामुंडा के दर्शन कर संतों से आशीर्वाद लिया। इस दौरान विधायक राठौड़ ने कहा कि यह नगरपालिका में करवाए गए विकास कार्यों की जीत है। मंदिर में हुए कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधान भंवरसिंह इंदा, जबरसिंह इंदा, पृथ्वीसिंह इंदा, जुगराज सांखला, छोटूराम सांखला, किरपालसिंह, बजरंग शर्मा, पंचायत समिति सदस्य कुंदनसिंह इंदा, गणेश मिश्रा और मूलाराम सुथार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रूप सिंह इंदा, बालसर | पुष्पा तिवाड़ी, पीपाड़ सिटी

भाजपा प्रत्याशी को पार्टी के 15 पार्षदों से मिले अधिक वोट, कांग्रेस के यश शर्मा को 6 मत; जीत के बाद शहर में जश्न

नगर पालिका अध्यक्ष चुनाव में सुनील आचार्य की बड़ी जीत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। नगर पालिका अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा के सुनील आचार्य ने 19 मत हासिल कर अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी यश शर्मा को 12 मतों के अंतर से हराया। शर्मा को कुल 6 मत मिले। चुनाव परिणाम सामने आने के बाद मतदान के दौरान बने राजनीतिक समीकरणों को लेकर शहर में चर्चा का दौर शुरू हो गया है। 25 सदस्यीय नगर पालिका में भाजपा के 15, कांग्रेस के 7, निर्दलीय 2 और आरएलपी का एक पार्षद निर्वाचित हुआ था। ऐसे में भाजपा के 15 पार्षदों की संख्या के मुकाबले सुनील आचार्य को मिले 19 वोट चुनाव का प्रमुख आंकड़ा रहा। वहीं कांग्रेस के 7 पार्षदों के मुकाबले उसके प्रत्याशी यश शर्मा को 6 मत प्राप्त हुए। परिणाम घोषित होते ही सुनील आचार्य के समर्थकों में उत्साह का माहौल बन गया। जीत की घोषणा के बाद शहर के प्रमुख चौराहों पर समर्थकों ने आतिशबाजी की। ढोल-नगाड़ों के साथ समर्थकों ने जश्न मनाया और नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील आचार्य का स्वागत किया। इस दौरान समर्थकों में जीत को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद सुनील आचार्य ने अपनी मां से आशीर्वाद लिया। नई जिम्मेदारी संभालने से पहले उन्होंने मां के चरण स्पर्श किए। इस दौरान वे भावुक नजर आए। उनकी मां ने बेटे को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। सुनील आचार्य का जन्म 7 जनवरी 1966 को हुआ। उनके पिता का नाम सुखदेव आचार्य है। वे समाज सेवा के साथ वित्तीय सलाहकार के रूप में कार्यरत रहे हैं। उनके पास फार्मासिस्ट के साथ प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता से संबंधित शैक्षणिक योग्यता भी है आचार्य लंबे समय से नगर पालिका की राजनीति में सक्रिय रहे हैं। वे वर्ष 1994, 1999, 2014 और 2019 में नगर पालिका सदस्य रहे। वर्ष 1999 में उन्होंने उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली, जबकि वर्ष 2003 से 2004 तक नगर पालिका अध्यक्ष रहे। वर्ष 2019 से उन्होंने नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाई। आचार्य वर्ष 1982 से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे हैं। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण समिति, भाजपा संगठन और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहे। उन्होंने भाजपा नगर मंडल महामंत्री, सदस्यता अभियान प्रभारी, तिरंगा यात्रा प्रभारी और बूथ प्रभारी सहित कई संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभाली हैं। उन्हें एक बार फिर नगर पालिका अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है।

सोजत रोड में दिनदहाड़े मकान मालिक पर दो बार फायरिंग, पेट और कमर में लगी गोली

आपसी रंजिश में किराएदार ने की वारदात, गंभीर हालत में पाली के बांगड़ अस्पताल में भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सोजत रोड। पाली जिले के सोजत रोड कस्बे में सोमवार सुबह आपसी रंजिश के चलते फायरिंग की वारदात सामने आई। एक युवक पर उसके ही किराएदार द्वारा कथित तौर पर दो बार गोली चलाने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दिनदहाड़े हुई फायरिंग के बाद कस्बे में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए पाली के बांगड़ अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार सोजत रोड के मालियों का बास निवासी 40 वर्षीय पूरन मारू पुत्र लालाराम सोमवार सुबह सुभाष मार्ग से होकर जा रहा था। इसी दौरान अमित नाम के युवक ने कथित तौर पर उस पर फायरिंग कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से आसपास के लोग सकते में आ गए। बताया जा रहा है कि हमलावर ने युवक पर दो बार गोली चलाई, जिसमें दोनों गोलियां पूरन के पेट और कमर के हिस्से में लगीं। फायरिंग की घटना के बाद घायल पूरन मारू मौके पर गिर गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे संभाला और घटना की जानकारी पुलिस को दी। गंभीर हालत को देखते हुए उसे उपचार के लिए पाली के बांगड़ अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों की देखरेख में उसका उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी सक्रिय हुई और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फायरिंग की वारदात के पीछे आपसी रंजिश बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार अमित घायल पूरन का किराएदार है और दोनों के बीच पहले से विवाद या रंजिश होने की बात सामने आई है। इसी रंजिश के चलते अमित द्वारा पूरन पर फायरिंग किए जाने की प्रारंभिक जानकारी पुलिस को मिली है। हालांकि वारदात की पूरी वजह और घटनाक्रम को लेकर पुलिस जांच कर रही है। कस्बे में दिनदहाड़े गोली चलने की सूचना के बाद लोगों में दहशत का माहौल बन गया। घटनास्थल के आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने मामले से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। फायरिंग में इस्तेमाल हथियार, आरोपी की गतिविधियों और वारदात से पहले तथा बाद के घटनाक्रम को लेकर भी जांच की जा रही है। पुलिस घायल युवक के बयान और अन्य उपलब्ध जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। वहीं आरोपी अमित के संबंध में भी पुलिस जानकारी जुटा रही है। घटना के बाद कस्बे में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी पुलिस सतर्क हो गई है। फिलहाल पुलिस की जांच के बाद ही फायरिंग की पूरी वजह और वारदात से जुड़े अन्य तथ्य स्पष्ट हो सकेंगे।

सिलेंडर में धमाके के बाद लगी आग, डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। आग लगने के दौरान सिलेंडर में ब्लास्ट होने की बात सामने आने के बाद आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। धमाके की तेज आवाज सुनकर लोग सहम गए और मौके पर भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही ड्यूटी ऑफिसर दलाराम मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। आग के तेजी से फैलने की आशंका को देखते हुए नगर पालिका के आपदा दल को सूचना दी गई। इसके बाद आपदा दल प्रभारी राजकिशोर शर्मा के नेतृत्व में दमकल टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की और आसपास के क्षेत्र में आग फैलने से रोकने के प्रयास किए। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद दमकल टीम ने आग पर काबू पाया। आग की लपटों और बीच-बीच में धमाके की आवाज के कारण आसपास के लोग देर रात तक मौके पर जमा रहे। दमकल कर्मियों ने सावधानी के साथ आग को नियंत्रित किया, जिससे आग आसपास के क्षेत्र में फैलने से रोकी जा सकी।पुलिस के अनुसार प्रथमदृष्टया आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। प्रारंभिक स्तर पर शॉर्ट सर्किट या किसी अन्य वजह से आग लगने की संभावना से इनकार नहीं किया गया है। हालांकि आग लगने की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। पुलिस ने मौके से घटना से जुड़ी जानकारी जुटाई है और मामले की जांच शुरू कर दी है। आग के कारण हुए नुकसान का आकलन भी स्थिति पूरी तरह सामान्य होने के बाद किया जाएगा। दमकल टीम की कार्रवाई के बाद स्थिति नियंत्रण में है।

राजस्थान से मानसून की विदाई का दूसरा चरण शुरू, बीकानेर संभाग समेत कई इलाकों से वापसी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान से मानसून की विदाई का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो गया। इस चरण में बीकानेर संभाग के अलावा जयपुर संभाग के कुछ हिस्सों से भी मानसून की वापसी हुई। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो से तीन दिनों में राज्य के कुछ और हिस्सों से मानसून के विदा होने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। सोमवार को प्रदेश में दिनभर मौसम साफ रहा और तेज धूप के कारण कई इलाकों में गर्मी के साथ उमस महसूस की गई। पश्चिमी राजस्थान में गर्मी का असर सबसे अधिक रहा। जोधपुर और बीकानेर संभाग के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 36 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। जैसलमेर में गर्मी ने सबसे ज्यादा असर दिखाया। यहां सोमवार को अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। लगातार दूसरे दिन जैसलमेर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। इससे दिन के समय लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ा। बाड़मेर में भी तापमान ऊंचा रहा। यहां अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पश्चिमी राजस्थान के अन्य हिस्सों में भी दिनभर धूप रहने से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। मानसून की वापसी के साथ अब प्रदेश में मौसम के शुष्क होने का दौर बढ़ने लगा है।

माउंट आबू में धूमधाम से निकली बाबा रामदेव की शोभायात्रा, सर्व समाज ने लिया हिस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। शहर में सोमवार को बाबा रामदेव की शोभायात्रा धूमधाम और उत्साह के साथ निकाली गई। हर साल की तरह इस बार भी शोभायात्रा में वाल्मीकि समाज के साथ सर्व समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु नाचते-गाते और बाबा रामदेव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। शहर के प्रमुख मार्गों पर यात्रा के दौरान उत्साह का माहौल देखने को मिला। शोभायात्रा की शुरुआत पेट्रोल पंप से हुई। इसके बाद यात्रा पोस्ट ऑफिस चौराहा, निर्मला स्कूल और मुख्य बाजार सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सब्जी मंडी पहुंची। यहां शहरवासियों ने बाबा रामदेव की ज्योत की पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने ज्योत के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। शोभायात्रा में वाल्मीकि समाज के महिला, पुरुष और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी नाचते-गाते और उत्साह के साथ यात्रा में आगे बढ़ रहे थे। यात्रा के दौरान बज रहे संगीत पर छोटे बच्चों और युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। मुख्य बाजार से निकली शोभायात्रा में श्रद्धालुओं की लंबी कतार नजर आई। मार्ग में लोगों ने यात्रा का स्वागत भी किया वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष मगन भाई ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी बाबा रामदेव की शोभायात्रा पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ निकाली गई है। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस बाबा रामदेव मंदिर, पेट्रोल पंप पर पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि देर शाम बाबा रामदेव मंदिर परिसर में आरती और पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाएगा।

'विकसित भारत 2047' का जुमला या सियासत का छलावा: जहर के साये में विकास का ख्वाब?

देश की आजादी के सौ साल पूरे होने पर भारत को एक आर्थिक महाशक्ति और 'विकसित राष्ट्र' बनाने का भव्य सपना इन दिनों सत्ता के गलियारों से लेकर विज्ञापनों के बड़े-बड़े होर्डिंग्स तक गूंज रहा है। 'विकसित भारत 2047' का यह नारा देश के युवाओं और नागरिकों के मन में एक उम्मीद जगाने के लिए गढ़ा गया है, लेकिन क्या यह महज एक चुनावी जुमला बनकर रह गया है? सवाल यह नहीं है कि भारत 2047 में कैसा दिखेगा, सवाल यह है कि जिस देश की राजनीति की बुनियाद ही नफरत, फूट और वैमनस्य पर टिकी हो, वहाँ प्रगति की कल्पना करना भी किसी फरेब से कम है क्या?

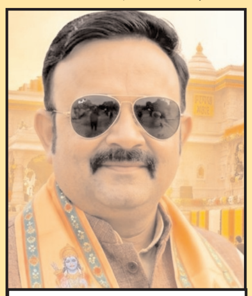

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

सियासी स्वार्थ: जातियों की दीवारें और धर्मों की खाई

आज देश की राजनीतिक व्यवस्था का कड़वा सच यह बन चुका है कि सत्ता की मलाई और कुर्सी की लालसा पाने के लिए सियासी दल किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। जिस देश में राजनीति का मुख्य हथियार जनता का विकास न होकर दो जातियों के बीच जातिगत जहर फैलाना, और दो धर्मों के बीच वैमनस्य की आग सुलगना हो, वहाँ समाज का ढांचा अंदर से खोखला हो जाता है।

वोटों की फसल काटने के लिए जातियों को आपस में लड़ाया जाता है।

ध्रुवीकरण की राजनीति के तहत धर्म के नाम पर इंसानों को बांटा जाता है।

एक सुनियोजित एजेंडे के तहत समाज के ताने-बाने को तार-तार किया जाता है ताकि राजनीतिक रोटियां सेंकी जा सकें।

ऐसी विभाजनकारी मानसिकता और नफरत की राजनीति करने वाले दलों से यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वे देश को प्रगति के रास्ते पर ले जाएंगे? यह एक ऐसा विरोधाभास है जो सीधे तौर पर जनता की आंखों में धूल झोंकने जैसा है।

विकास का ढोंग और जन कल्याण की बलि

जो राजनीतिक दल समाज को जोडऩे के बजाय तोडऩे का काम करते हैं, उनके मुंह से 'जन कल्याण' और 'विकास' जैसे शब्द बेहद शोभाहीन और छलावे जैसे लगते हैं। जिस देश की ऊर्जा युवाओं को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाएं देने में लगनी चाहिए, वह ऊर्जा सिर्फ इस बात में खर्च की जा रही है कि कैसे एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ खड़ा करके चुनाव जीता जाए।

जब सत्ता का एकमात्र उद्देश्य केवल और केवल चुनाव जीतना और अपनी हुकूमत बचाए रखना रह जाता है, तब देश का आम नागरिक हाशिए पर चला जाता है। महंगाई, बेरोजगारी, बदहाल शिक्षा और चरमराती स्वास्थ्य सेवाएं इन स्वार्थी नेताओं के एजेंडे में कहीं दूर-दूर तक नहीं होतीं। इसके बजाय, एजेंडे में सिर्फ नफरत, बयानबाजी और ध्रुवीकरण के नए पैंतरे होते हैं।

निष्कर्ष: क्या नफरत के रथ पर सवार होकर 'विकसित भारत' पहुंचा जा सकता है?

इतिहास गवाह है कि कोई भी राष्ट्र तब तक महान या विकसित नहीं बन सकता, जब तक उसके नागरिक आपस में भाईचारे और एकता के सूत्र में बंधे न हों। जिस देश की राजनीति का आधार ही 'बांटो और राज करो' (ष्ठद्ब1द्बस्त्रद्द ड्डठ्ठस्र ऋह्वद्यद्ग) की नीति बन चुका हो, वहाँ 2047 के विकसित भारत का सपना सिर्फ एक कागजी जुमला और मीठी गोलियों के सिवाय कुछ नहीं है। अब समय आ गया है कि देश का मतदाता, युवा और आम इंसान इन राजनीतिक दलों के जाति और धर्म के पाखंड को पहचाने। जब तक जनता नफरत की इस राजनीति को सिरे से नकार कर विकास, रोजगार और असल मुद्दों पर वोट नहीं करेगी, तब तक 'विकसित भारत' का यह जुमला केवल सत्ता की तिजोरी भरने का जरिया ही बनता रहेगा।

संपादकीय विशेष टिप्पणी: क्या जाति और धर्म की राजनीति से ऊपर उठकर देश कभी सच्चे विकास की पटरी पर लौट पाएगा? अपनी राय हमें साझा करें– 'महानगर मेट्रो' आपकी आवाज को हमेशा बेबाकी से उठाएगा।

(बुधवार) 23 सितंबर 2026

राशि	फल	राशि	फल
मेष	कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है, मेहनत और समझदारी से रुके हुए काम पूरे होंगे।	वृषभ	लंबे समय से अटके कार्यों में गति आएगी, धन संबंधी मामलों में राहत और लाभ के अवसर बनेंगे
मिथुन	आर्थिक मामलों में सुधार के संकेत हैं, पुराने निवेश या रुके धन से लाभ मिलने की संभावना है।	कर्क	रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी, कार्यक्षेत्र में सहयोग मिलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं
सिंह	महत्वपूर्ण संपर्क लाभ देंगे, व्यापार में नई संभावना बनेगी।	कन्या	आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे, विरोधियों पर प्रभाव रहेगा और महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिल सकती है
तुला	नई योजनाओं पर काम शुरू होगा, संपर्कों से लाभ मिलेगा और कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा	वृश्चिक	नई योजना या यात्रा से लाभ के अवसर मिलेंगे, करियर में आगे बढ़ने का अच्छा मौका मिल सकता है
धनु	परिवार का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा, महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे और दिन सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा।	मकर	नौकरी और व्यवसाय में प्रगति के योग हैं, वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा और मेहनत का सकारात्मक परिणाम आएगा।
कुंभ	कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी, नई जिम्मेदारी मिल सकती है और मेहनत का उचित फल मिलेगा	मीन	दिन उत्साह और सकारात्मकता से भरा रहेगा, परिवार में खुशी का माहौल रहेगा और शुभ समाचार मिल सकता है

जैसी हमारी नीयत, वैसी हमारी सोहबतः दुर्योधन बनेंगे तो शकुनि मिलेगा, अर्जुन बनेंगे तो कृष्ण!

महाभारत केवल हज़ारों साल पुराना इतिहास नहीं है; यह हमारे अंतर्मन में और हमारे आसपास रोज़ लड़ा जाने वाला एक जीवंत कुरुक्षेत्र है। हम अक्सर पूरी दुनिया से यह शिकायत करते फिरते हैं कि, 'हमें कोई सच्चा इंसान मिलता ही नहीं, सब स्वार्थी और मतलबी ही टकराते हैं!' लेकिन हम कभी आईने के सामने खड़े होकर खुद से यह सवाल नहीं पूछते कि, 'हम खुद भीतर से कैसे हैं कि हमारे जीवन में ऐसे ही लोगों की भीड़ बार-बार खिंची चली आती है? '

हमारे आसपास के लोग और कुछ नहीं, हमारे ही अंतर्मन का अदृश्य प्रतिबिंब हैं। मक्खी चाहे कितने भी सुंदर बगीचे में चली जाए, वह गंदगी ही ढूंढती है; जबकि मधुमक्खी चाहे कितने भी कीचड़ के बीच हो, वह कमल की सुगंध तक पहुंच ही जाती है। जिसकी नीयत में खोट हो, उसे सलाहकार भी गलत ही मिलता है, और जिसके हृदय में सत्य हो, उसका सारथी स्वयं ईश्वर बनता है!

संसार का यह अटल नियम है—जैसा बोएंगे, वैसा ही काटेंगे। हमारे मन के भीतर जिस प्रकार की भूख होगी, बाहर से वैसे ही तत्व हमारे करीब आएंगे

यदि हमें हर बात में केवल अपना स्वार्थ दिखाई देगा, तो हमारे आसपास दूसरों का फायदा उठाने वाले मतलबी लोग ही आएंगे।

यदि हम हर रिश्ते में सिर्फ उपयोगिता तलाशते रहेंगे, तो हमें धोखा देकर इस्तेमाल करने वाले लोग ही मिलेंगे। लेकिन यदि हम सत्य और ईमानदारी का मार्ग चुनेंगे, तो शुरुआत में भले ही साथ देने वाले लोग कम मिलें; मगर जो मिलेंगे, वे सोने जैसे शुद्ध, अडिग और कभी साथ न छोड़ने वाले होंगे।

दुर्योधन को शकुनि ढूंढने कहीं नहीं जाना पड़ा था, दोनों के भीतर का ज़हर एक जैसा था, इसलिए वे एक-दूसरे को खींच लाए। अर्जुन को कृष्ण इसलिए मिले क्योंकि अर्जुन की दिशा सत्य और धर्म की ओर मुड़ी हुई थी। यहीं जीवन का सबसे बड़ा रहस्य छिपा है। कृष्ण अर्जुन के जीवन में सिर्फ इसलिए नहीं आए थे कि अर्जुन एक महान धनुर्धर था; अर्जुन इतना सरल और समर्पित था कि उसमें कृष्ण के कड़वे सत्य को सुनने और स्वीकार करने का साहस था।

आज के युग में परमात्मा कोई पीतांबर या मोरपंख पहनकर साक्षात नहीं आते।

कभी हमारे अहंकार को पिघलाकर सत्य का आईना दिखा देने वाला व्यक्ति कृष्ण होता है।

लेकिन असली धर्मसंकट यह है कि हम कृष्ण को सुनने के लिए तैयार हैं या शकुनि को?

शकुनि हमेशा वही बात कहेगा जो हमारे अहंकार को 'पसंद' आए, और कृष्ण हमेशा वही बात कहेंगे जो हमारे जीवन के लिए 'सही' हो! सोहबत की परख करनी हो तो यह स्वर्णिम नियम याद रखने जैसा है। गलत सोहबत का सबसे बड़ा संकेत यह नहीं है कि सामने वाला व्यक्ति सीधे तौर पर दुष्ट दिखता है; सबसे बड़ा खतरा यह है कि वह हमारी हर गलती या गलत बात को सही साबित करके हमारी पीठ थपथपाता है! जो व्यक्ति हमारे हर गलत काम में कहे कि, 'तू जो कर रहा है वही सही है, तू ही सही है,' वह हमारा मित्र नहीं, वह मीठा ज़हर देने वाला आधुनिक शकुनि है। सच्चा मित्र या सच्चा शुभचिंतक तो वह है जो निडर होकर सीना ठोककर कह सके: 'तेरे सामने पूरी दुनिया गलत नहीं है, एक बार अपने गिरेबान में भी झांक कर देख ले! ' शकुनि ने दुर्योधन को विनाश के रास्ते पर जाने से कभी नहीं रोका, बल्कि आग में घी डालने का काम किया। जबकि कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन को केवल मीठी सांत्वना नहीं दी, बल्कि उसके मोह और कायरता का सामना करवाकर उसे कर्तव्य की राह पर खड़ा किया। जीवन में हमें ऐसे लोगों की सोहबत रखनी चाहिए जो हमारी 'हां' में 'हां' न मिलाएं, बल्कि हमारी गलती पर मुंह पर 'ना' कहने का हौसला रखते हों। हम सभी चाहते हैं कि हमारे जीवन में कृष्ण जैसा साथ हो। लेकिन क्या हम अर्जुन जैसा समर्पण लाने के लिए तैयार हैं? हमें कृष्ण की उपस्थिति तो चाहिए, लेकिन उनका मार्गदर्शन या गीता नहीं सुननी। हमें विजय और सफलता तो चाहिए, लेकिन अपने अहंकार के खिलाफ युद्ध नहीं लड़ना। हमें सच्चे और वफादार लोग तो चाहिए, लेकिन अपना खुद का आचरण नहीं बदलना। यह ढोंग कभी सफल नहीं होता। कृष्ण को बाहर ढूंढने से पहले हमें अपने भीतर अर्जुन को जगाना होगा। अच्छी संगति मांगने से पहले अपने मन को शुद्ध करना होगा। ईश्वर जैसा सारथी मिलना भाग्य हो सकता है, लेकिन अपने जीवन के रथ की लगाम ईश्वर के हाथों में सौंप देना सबसे बड़ा समर्पण है। और जब हमारा समर्पण सच्चा हो, तब दुनिया का कोई शकुनि हमारा बाल भी बांका नहीं कर सकता! हमारे जीवन में बाहर कौन बैठा है यह बाद में देखें; पहले यह जांचें कि हमारे मन के सिंहासन पर कौन बैठा है? यदि अंदर दुर्योधन बैठा होगा तो बाहर शकुनियों की कभी कमी नहीं पड़ेगी; लेकिन यदि अंदर अर्जुन जाग जाएगा, तो घोर अंधकार के बीच भी स्वयं कृष्ण आकर हमारे विजय का मार्ग प्रशस्त करेंगे!

— दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर

पाखंड के गढ़ बरवाला आश्रम की वह खौफनाक दास्तान
खाकी को चुनौती और कानून की धज्जियां

धर्म की आड़ में साम्राज्य खड़ा करने और खुद को भगवान का दर्जा देने वाले तथाकथित संतों का इतिहास अक्सर अंधविश्वास, शोषण और हिंसा के काले पन्नों से रंगा रहा है। हरियाणा के हिसार जिले के बरवाला कस्बे में स्थित सतलोक आश्रम और इसके संचालक संत रामपाल (रामपाल दास) का प्रकरण इसका सबसे भयानक उदाहरण है। किस तरह एक साधारण सरकारी कर्मचारी ने आम जनता की आस्था से खिलवाड़ करते हुए एक समानांतर सत्ता चलाने की कोशिश की और अंततः कानून के शिकंजे में कैद हो गया, यह कहानी समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

साधारण इंजीनियर से पाखंड के सिंहासन तक

रामपाल मूल रूप से हरियाणा के सोनीपत जिले का रहने वाला था और हरियाणा सरकार के सिंचाई विभाग में कनिष्ठ अभियंता के पद पर कार्यरत था। नौकरी के दौरान ही उसका झुकाव आध्यात्मिक बहसों और कबीर पंथ की तरफ हुआ। धीरे-धीरे उसने अपनी नौकरी छोड़कर खुद को एक आध्यात्मिक प्रचारक और संत के रूप में पेश करना शुरू किया।

देखते ही देखते उसके अनुयायियों का दायरा बढ़ता गया और हिसार के बरवाला में उसने लगभग 20 एकड़ भूमि पर एक विशाल 'सतलोक आश्रम' खड़ा कर लिया। लेकिन इस भव्यता के पीछे धीरे-धीरे उन प्रवृत्तियों ने जन्म लेना शुरू किया, जो समाज के लिए घातक साबित होने वाली थीं।

करौंथा हिंसा से हुई थी शुरुआत

संत रामपाल और उसके संगठन के विवादों का लंबा इतिहास है। इसकी शुरुआत वर्ष 2006 में रोहतक जिले के करौंथा स्थित आश्रम से हुई थी। रामपाल ने आर्य समाज के मुख्य ग्रंथ 'सत्यार्थ प्रकाश' की कुछ मान्यताओं और टिप्पणियों पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करते हुए तीखा विरोध शुरू किया, जिससे आर्य समाज के लोग उसके कट्टर विरोधी बन गए।

जुलाई 2006 में रोहतक के करौंथा आश्रम के बाहर रामपाल के समर्थकों और आर्य समाज के अनुयायियों के बीच भीषण खूनी झड़प हो गई। इस हिंसक टकराव में एक व्यक्ति की जान चली गई। इस मामले में रामपाल पर हत्या, बलवा फैलाने और दंगे भड़काने का संगीन मामला दर्ज किया गया। उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, जहां वह करीब 21 महीने तक बंद रहा और 2008 में जमानत पर रिहा हुआ। हालांकि, अदालती प्रक्रियाओं और साक्ष्यों के अभाव के चलते वर्ष 2022 में रोहतक कोर्ट ने उसे इस पुराने मामले से बरी कर दिया, लेकिन यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत थी कि यह आश्रम हिंसा का अड्डा बनता जा रहा है।

नवंबर 2014: बरवाला आश्रम बना युद्ध का मैदान

करौंथा मामले की सुनवाई के दौरान जब अदालत ने रामपाल को पेश होने के निर्देश दिए, तो वह लगातार कानून से आंखें चुराता रहा। वह महीनों तक अदालत में पेश नहीं हुआ। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने इस गंभीर रुख को अपनाते हुए रामपाल के खिलाफ गैर-जमानती वारंट और सख्त गिरफ्तारी के आदेश जारी किए।

जब हरियाणा पुलिस और प्रशासनिक अमला नवंबर 2014 में रामपाल को गिरफ्तार करने के लिए हिसार के बरवाला स्थित सतलोक आश्रम पहुंचा, तो वहां का नजारा किसी युद्ध के मैदान जैसा था। रामपाल के हजारों कट्टर और उग्र समर्थकों ने आश्रम के चारों ओर एक मजबूत मानवीय ढाल और सुरक्षा घेरा बना लिया था। प्रशासन के खिलाफ खुलेआम बगावत का ऐलान कर दिया गया था।

हफ्तों तक चले इस गतिरोध के दौरान आश्रम के भीतर से कानून व्यवस्था को चुनौती देने के लिए हरसंभव नापाक तरीका अपनाया गया। पुलिस दल पर पेट्रोल बम फेंके गए, एसिड की थैलियां बरसाई गईं और अंधाधुंध पथराव किया गया। सबसे शर्मनाक और अमानवीय पहलू यह था कि आश्रम के भीतर बैठे प्रबंधकों और समर्थकों ने महिलाओं, बुजुर्गों और मासूम बच्चों को अपनी ढाल के रूप में इस्तेमाल किया ताकि पुलिस अंदर न घुस सके। स्थिति की नजाकत को देखते हुए प्रशासन ने आश्रम की बिजली और पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप कर दी। लगभग 10 से 12 दिनों तक चले इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के दौरान करोड़ों रुपये का सरकारी और प्रशासनिक संसाधन खर्च हुआ।

संदिग्ध मौतें और खौफनाक सच

इस पूरे ऑपरेशन के अंत में जब पुलिस ने आश्रम के भीतर प्रवेश किया, तो वहां का दृश्य रूह कंपा देने वाला था। प्रशासनिक जांच और तलाशी के दौरान आश्रम के अंदर से 4 महिलाओं और 1 डेढ़ साल के मासूम बच्चे सहित कुल 6 लोगों के शव अत्यंत संदिग्ध और रहस्यमय परिस्थितियों में बरामद हुए। यह स्पष्ट हो गया कि तथाकथित भगवान के घर में किस तरह अंधभक्ति के नाम पर लोगों की जिंदगियों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था।

19 नवंबर 2014 की रात को आखिरकार पुलिस ने आश्रम के अंदर से रामपाल को धर दबोचा। उसकी गिरफ्तारी के साथ ही उसके बनाए गए उस कथित आध्यात्मिक साम्राज्य का पर्दाफाश हो गया, जो कानून से ऊपर खुद को समझता था।

आजीवन कारावास और न्याय की जीत

गिरफ्तारी के बाद रामपाल और उसके कई करीबी सहयोगियों पर हत्या, देशद्रोह (स्द्गस्त्रद्बह्लद्बश्ठ्ठ), आपराधिक षड्यंत्र रचने और आम नागरिकों को बंधक बनाकर रखने जैसे अनगिनत गंभीर मुकदमे दर्ज किए गए।

अक्टूबर 2018 में हिसार की एक विशेष अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए 2014 की हिंसक वारदातों और आश्रम से मिले शवों के मामलों में रामपाल और उसके कई अनुयायियों को दोषी करार दिया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा अन्य मुकदमों में भी उसे अलग-अलग सजाएं भुगतनी पड़ रही हैं। हालांकि कानूनी प्रक्रियाओं, लंबी जेल अवधि और उम्र के आधार पर बचाव पक्ष की तरफ से कुछ मामलों में राहत के प्रयास किए जाते रहे हैं, लेकिन उसका आपराधिक रिकॉर्ड और जेल की सलाखों के पीछे पहुंचना यह साबित करता है कि कानून के हाथ लंबे होते हैं।

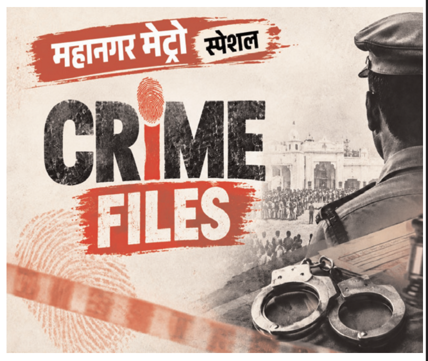

समाज के नाम संदेश: पाखंडियों से सतर्क रहें

संत रामपाल और बरवाला आश्रम का यह काला इतिहास समाज के लिए एक बड़ा सबक है। आज के समय में ढोंगी और पाखंडी बाबा धर्म, आस्था और सेवा के मुखौटे के पीछे छिपकर अपने निजी साम्राज्य, धन और अवैध गतिविधियों का जाल बुनते हैं। वे सीधे-साधे और भोले-भाले लोगों की भावनाओं से खेलते हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें कानून के खिलाफ ढाल बनाते हैं।

महानगर मेट्रो की यह पड़ताल समाज से अपील करती है कि ऐसे किसी भी पाखंडी, अंधविश्वास फैलाने वाले तत्वों और कानून को चुनौती देने वाले संगठनों से पूरी तरह सतर्क रहें। तर्कशीलता, शिक्षा और कानून का सम्मान ही किसी भी स्वस्थ समाज की असली ताकत है।

गुंडे जन्मजात अपराधी या समाज और व्यवस्था के शिकार? 'अपराधियों के पैदा होने' के इस काले सच पर बड़ा खुलासा

आज समाज में दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे अपराधों और गुंडागर्दी को देखकर हर नागरिक के मन में एक ही सवाल उठता है कि ये अपराधी कहाँ से आते हैं? क्या कोई भी व्यक्ति जन्म से ही अपराधी होता है? 'महानगर मेट्रो' के इस विशेष आलेख में इसी सवाल का जवाब तलाशने का प्रयास किया गया है। विशेषज्ञों और वास्तविक परिस्थितियों से यह स्पष्ट होता है कि गुंडे कभी भी जन्मजात अपराधी नहीं होते, बल्कि आसपास की परिस्थितियाँ, हालात और व्यवस्थागत विफलताएँ उन्हें आपराधिक दुनिया की तरफ धकेलती हैं। 'गुंडे पैदा नहीं होते, बल्कि उन्हें पैदा किया जाता है' - यह कथन सौ फीसदी सच है, क्योंकि इंसान जन्म से निर्दोष होता है, लेकिन समाज, राजनीति और पुलिस तंत्र की कमियाँ उसे गुनहगार बनने पर मजबूर कर देती हैं। समाज व्यक्ति का निर्माण करने वाला पहला स्थान है। यदि समाज में ही असंतुलन पैदा हो जाए, तो वह अपराधियों को जन्म देने वाला कारखाना बन जाता है। आर्थिक असमानता और गरीबी: बुनियादी जरूरतों (रोटी, कपड़ा, मकान) को पूरा करने में असफल रहने वाले कुछ युवा जल्दी पैसे कमाने के शॉर्टकट के रूप में अपराध के रास्ते पर चल पड़ते हैं। पारिवारिक उपेक्षा और हिंसा: बचपन में उचित संस्कारों, प्रेम या मार्गदर्शन का अभाव, अथवा घरेलू हिंसा का शिकार हुए बच्चों के मानस पर गहरी नकारात्मक असर पड़ती है। राजनीति का अपराधीकरण: चुनाव जीतने के लिए राजनीतिक दल बाहुबलियों और अपराधियों की मदद लेते हैं। बदले में इन अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता है।

अपराधियों को प्रोत्साहन: अपराधियों को टिकट देना, उन्हें बड़े पदों पर बैठाना या सम्मानित करना उनका मनोबल बढ़ाता है और वे खुद को कानून से ऊपर मानने लगते हैं। पुलिस तंत्र कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है।

जब शब्दों के सारे दरवाजे बंद हो जाएं, तब भीतर सुलगती खामोशी का कोलाहल

समाज में अक्सर यह मान लिया जाता है कि अगर किसी रिश्ते में बहस थम गई है, विवाद रुक गए हैं और घर में एक गहरी शांति छा गई है, तो सब कुछ ठीक हो गया है। लेकिन यह शांति, यह मौन अक्सर उन तूफानों की आहट होती है जो सब कुछ भीतर ही भीतर जलाकर राख कर चुके होते हैं। जब एक स्त्री मौन हो जाती है, तो इसका कतई यह अर्थ नहीं होता कि उसके पास कहने के लिए अब कुछ शेष नहीं बचा है। इसके पीछे एक लंबी, थका देने वाली और अनसुनी दास्तान छिपी होती है।

अनसुनी चीखें और आंसुओं का सफर

एक स्त्री जीवनभर अपने रिश्तों को सींचने के लिए न जाने कितने जतन करती है। वह अपनी व्यथा कहती है, अपनी अपेक्षाएं रखती है, मन की पीड़ा को कभी शिकायतों के जरिए तो कभी आंसुओं की भाषा में बयां करती है। वह बार-बार अपनों को समझाने के अनगिनत प्रयत्न करती है।

लेकिन संकट तब शुरू होता है जब उसके इन तमाम शब्दों और संवेदनाओं को बार-बार अनसुना कर दिया जाता है। उसकी भावनाओं को महत्वहीन समझ लिया जाता है और उसकी खामोशी को उसकी 'सहमति' मान लिया जाता है। यहीं से उसके भीतर धीरे-धीरे एक ऐसा सन्नाटा पसरने लगता है जो शब्दों से भी ज्यादा खतरनाक होता है। एक समय ऐसा आता है जब उसका हृदय भीतर ही भीतर क्रंदन तो करता है, मगर उसके दर्द भरे शब्द उसके अधरों तक आते-आते ही ठहर जाते हैं। भावनाओं का स्पंदन दिल की गहराइयों में तड़पता रहता है, लेकिन वह अपनी आंतरिक व्यथा को दुनिया या अपनों के सामने रखने का साहस भी पूरी तरह खो बैठती है। इसके बाद वह न तो कोई सवाल करती है, न कोई तर्क देती है और न ही अपनी पीड़ा का कोई स्पष्टीकरण मांगती है। वह बस मौन हो जाती है। यह मौन शब्दों की समाप्ति नहीं होता, बल्कि यह उस 'आहत विश्वास' की अंतिम अभिव्यक्ति होता है जो अंदर से टूट चुका होता है।

याद रखिए, स्त्री का बोलना इस बात का प्रमाण था कि उसे आज भी किसी से उम्मीद है—यह उम्मीद कि कोई उसे समझेगा, उसके दर्द को महसूस करेगा। लेकिन उसका मौन उसी उम्मीद के हमेशा के लिए दम तोड़ देने का प्रतीक होता है। जिस दिन कोई स्त्री आपसे शिकायत करना बंद कर दे, उस दिन यह खुशफहमी बिल्कुल न पालें कि अब सब कुछ ठीक हो गया है। शायद उस दिन उसने आपको समझाने की अपनी आखिरी कोशिश भी हमेशा के लिए छोड़ दी है। स्त्री का यह मौन कभी कोई शून्य नहीं होता; इसमें अनकहे शब्दों का कोलाहल, दबे हुए क्रंदन की गूंज और बुझते हुए विश्वास का अंतिम स्पंदन छुपा होता है।

संपादकीय टिप्पणी: रिश्तों में संवाद की डोर टूटने न दें। किसी अपने का मौन यदि आपको शांत कर रहा है, तो समझ लीजिए कि कहीं न कहीं संवाद की कमी ने उसे अंदर से तोड़ दिया है।– 'महानगर मेट्रो'

थूक-थूककर बनाई रोटियां, फिर वही हुईं सर्व... UP के बागपत में शर्मनाक कांड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में सड़क किनारे स्थित एक ढाबे पर रोटियां बनाते समय उन पर थूकने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है. पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान महताब के रूप में की और उसे गिरफ्तार कर लिया. एक एजेंसी के मुताबिक मामला खेकड़ा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक व्यक्ति ढाबे पर रोटियां बनाते

हुए नजर आ रहा है. दावा किया जा रहा है कि यही रोटियां सर्व भी की गई थीं. वीडियो में वह रोटियों पर थूकता हुआ दिखाई दे रहा है. वीडियो सामने आने के बाद इसे सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर किया जाने लगा. वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बागपत पुलिस की सोशल मीडिया सेल ने मामले का संज्ञान लिया. पुलिस ने वीडियो की जांच करते हुए इसमें नजर आ रहे व्यक्ति की पहचान की. इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान महताब के तौर पर हुई है. उसे गिरफ्तार करने के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है. बताया जा रहा है कि घटना का वीडियो ऑनलाइन तेजी से प्रसारित हुआ था. वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने इस पर कार्रवाई की मांग की. पुलिस ने भी वायरल वीडियो को आधार बनाकर जांच शुरू की और आरोपी तक पहुंची फिलहाल पुलिस आरोपी के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है. घटना को लेकर पुलिस की ओर से विस्तृत जानकारी का इंतजार है.

'सपा की सरकार ही नहीं बननी और नेता मंत्री पद के सपने देख रहे', इंद्रजीत सरोज के बयान पर राजभर का अखिलेश पर तंज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करके समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधा है. राजभर ने 9 सितंबर के बाद आज यह पोस्ट किया है. अपनी नाराजगी के दौरान अखिलेश यादव पर चुप रहने वाले राजभर योगी सरकार द्वारा पंचायती राज विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार

समेत कई अफसरों के तबादले के बाद संतुष्ट होकर दोबारा सक्रिय हुए हैं. राजभर ने सपा राष्ट्रीय महासचिव और विधायक इंद्रजीत सरोज के बयान का हवाला देते हुए अखिलेश यादव से 2027 में बनने वाली सरकार, मंत्री पद और कार्यकर्ताओं को मिलने वाली छूट पर जवाब मांगा है.

इंद्रजीत सरोज के बयान पर राजभर का तंज

ओम प्रकाश राजभर ने अपने पोस्ट में लिखा कि सपा नेता कमाल के साथ धमाल भी कर रहे हैं. पहले आजम खान को गृह मंत्री बनाने का सपना देखा जा रहा था और अब विधायक अभी से मंत्री बनने के सपने देख रहे हैं. दरअसल, बीते दिनों सपा विधायक इंद्रजीत सरोज ने कहा था कि 2027 में सपा सरकार बनने पर उन्हें बड़े मंत्री पद से कोई नहीं रोक पाएगा. राजभर न आरोप लगाया कि इंद्रजीत सरोज कार्यकर्ताओं को जेसीबी-डंपर लगाकर बालू और मिट्टी खोदने की खुली छूट देने की बात कर रहे हैं. राजभर ने पूछा कि चुनाव में समय होने और जनता का फैसला आने से पहले ही मंत्री पद तथा बालू-मिट्टी का हिसाब-किताब शुरू हो गया है? उन्होंने तंज कसा कि 10 साल सत्ता से बाहर रहना लंबा समय होता है.

चाचा शिवपाल के विभाग पर भी कसा तंज

राजभर ने आगे लिखा कि जनता कोई खाली कुर्सी नहीं है जिस पर जब चाहा बैठ गए. उन्होंने अखिलेश से पूछा कि 2027 के लिए किस-किस को कौन सा विभाग सपने में बांटा है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 'चच्चू' भी अपने विभाग का इंतजार कर रहे हैं, उन्हें भी सपने में बता दीजिए कि पीडब्ल्यूडी देंगे या सिंचाई, ताकि नींद अच्छी आए.

200 साल पुराने रामलला मंदिर से भगवान श्रीराम की प्राचीन अष्टधातु की मूर्ति चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छतरपुर। मातगुवां थाना क्षेत्र स्थित करीब 200 साल पुराने रामलला मंदिर से भगवान श्रीराम की प्राचीन अष्टधातु की प्रतिमा चोरी हो गई है। चोर देर रात मंदिर का ताला तोड़कर गर्भगृह में घुसे और रामलला समेत अन्य छोटी प्रतिमाएं भी चुरा ले गए। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में करीब 200 साल पुराने रामलला मंदिर से भगवान श्रीराम की प्राचीन अष्टधातु की प्रतिमा चोरी होने का मामला सामने आया है। चोर देर रात मंदिर का ताला तोड़कर अंदर

दाखिल हुए और गर्भगृह में स्थापित रामलला की प्रतिमा के साथ मंदिर में रखी कुछ छोटी-छोटी प्रतिमाएं भी चोरी कर ले गए। सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे तो घटना का पता चला। इसके बाद ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और पुलिस को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि मातगुवां थाना क्षेत्र के इस प्राचीन मंदिर का इतिहास करीब 200 साल पुराना है। स्थानीय लोगों के मुताबिक मंदिर से ग्रामीणों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। यहां आसपास के गांवों के अलावा दूर-दराज से भी श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

सुबह मंदिर पहुंचे पुजारी, तो गायब मिली रामलला की प्रतिमा

मंदिर के पुजारी कृष्ण कुमार शर्मा के मुताबिक, वह सुबह जब मंदिर पहुंचे तो गर्भगृह में रामलला की प्रतिमा अपने स्थान पर नहीं थी। मंदिर के गेट का ताला भी टूटा हुआ मिला। जब उन्होंने मंदिर के अंदर जाकर देखा तो रामलला की प्रतिमा के अलावा कुछ अन्य छोटी प्रतिमाएं भी गायब थीं। पुजारी ने तत्काल ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर परिसर में पहुंच गए। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मंदिर का निरीक्षण किया।

ग्रामीण बोले- मंदिर से गहरी आस्था जुड़ी है

स्थानीय ग्रामीण गुमान राजपूत ने बताया कि सुबह लोगों को मंदिर से रामलला की प्रतिमा चोरी होने की जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि यह मंदिर काफी पुराना है और गांव के लोगों की इससे गहरी आस्था जुड़ी हुई है। प्रतिमा चोरी होने की खबर फैलते ही ग्रामीणों में नाराजगी का माहौल बन गया। सूचना मिलने के बाद मातगुवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस मंदिर में चोरी के तरीके और चोरों के आने-जाने के रास्ते समेत दूसरे पहलुओं की जांच कर रही है। फिलहाल चोरी गई प्रतिमाओं और आरोपियों के बारे में पुलिस की ओर से विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

सज्जन वर्मा ने अधिकारी को 'अदना सा' बताते हुए 'सिंघम' वाला तंज कसा

राहुल के मंच पर DCP से बहस पर भड़के सज्जन वर्मा, बोले-अदना सा अधिकारी खुद को सिंघम समझ रहा, कई सिंघम आए और गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। राहुल गांधी के 19 सितंबर को इंदौर में हुए 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान मंच पर पुलिस और आयोजकों के बीच हुई बहस अब राजनीतिक विवाद का रूप ले चुकी है। कार्यक्रम स्थल पर भीड़ बढ़ने के बीच DCP नरेंद्र रावत मंच पर पहुंचे थे। वहां कार्यक्रम संचालन से जुड़े लोगों के साथ उनकी तीखी बहस होने की रिपोर्ट सामने आई। इसके बाद कांग्रेस के पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा नDCP नरेंद्र रावत पर तीखी टिप्पणी की। वर्मा ने अधिकारी के मंच पर पहुंचने पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह खुद को 'सिंघम' समझ रहे हैं। उन्हें पता नहीं, कई सिंघम आए और गए, सरकारें बदलती रहती हैं।

कैमरों के सामने सज्जन वर्मा ने की विवादित टिप्पणी

पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा ने इस मसले को लेकर मीडिया कैमरों के सामने कहा कि, एक अदना सा पुलिस अधिकरी खुद को सिंघम समझ रहा है। उन्होंने कहा कि, वह राहुल गांधी के मंच पर चढ़ गया था, उन्होंने कहा कि 'अरे तेरे बाप का कार्यक्रम है ?राहुल गांधी का कार्यक्रम है, इत्ते तो क्या 10 गुना भीड़ आएगी... वर्मा ने अधिकारी के रवैये पर निशाना साधते हुए कहा कि एक 'अदना सा अधिकारी' खुद को सिंघम समझ रहा है और मंच पर चढ़ गया कि इतने लोग कैसे आ रहे हैं।

यहीं नहीं रुके, आगे बोले- उसे पता नहीं कई आए और गए

सज्जन वर्मा ने आगे कहा कि अधिकारी को पता नहीं कि सरकारें बदलती रहती हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि, कई सिंघम आए और चले गए। यह टिप्पणी अब सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

आखिर मंच पर क्या हुआ था?

कार्यक्रम के दौरान आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। रिपोर्टों के मुताबिक, कार्यक्रम शुरू होने से पहले DCP नरेंद्र रावत मंच पर पहुंचे। यहां आयोजन से जुड़े राहुल गांधी के सहयोगी केवी बैजू और अन्य से उनकी बहस हो गई। कुछ रिपोर्टों में इस दौरान धक्कामुक्की के आरोप का भी जिक्र है। बाद में कांग्रेस के स्थानीय नेता

मौके पर पहुंचे और स्थिति संभाली। मामला अब मंच की व्यवस्था से आगे बढ़कर पुलिस की भूमिका और कांग्रेस नेताओं के बयानों को लेकर राजनीतिक बहस का विषय बन गया है।

ग्वालियर में कोचिंग जा रही छात्रा से छेड़छाड़ और मारपीट, CCTV में कैद वारदात, एक आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। भितरवार में एक स्कूली छात्रा के साथ बाइक सवार दो युवकों द्वारा छेड़छाड़ और मारपीट का मामला सामने आया है. घटना का ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी योगेश रावत को गिरफ्तार कर लिया है. ग्वालियर के भितरवार में कोचिंग जा रही एक स्कूली छात्रा के साथ बाइक सवार दो युवकों द्वारा छेड़छाड़ और मारपीट का मामला सामने आया है. पूरी घटना पास लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई.

मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान लोहगढ़ी गांव निवासी योगेश रावत और युवराज रावत के रूप में की. पुलिस ने मुख्य आरोपी योगेश रावत को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा आरोपी युवराज रावत फरार है. पुलिस ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर उसकी तलाश कर रही है. घटना भितरवार थाना क्षेत्र के कमला स्कूल के पास की है. छात्रा अपनी सहेली के साथ कोचिंग जा रही थी, तभी बाइक पर आए दो युवकों ने आगे बाइक लगाकर उसे रोक लिया. आरोप है कि युवकों ने अश्लील कमेंट किए, छेड़छाड़ की और फिर मारपीट शुरू कर दी. ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज में दोनों युवक छात्रा के साथ बदतमीजी करते साफ नजर आ रहे हैं.

वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने की कार्रवाई

बताया जा रहा है कि शुरू में छात्रा ने इसकी शिकायत पुलिस में नहीं की थी, लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद महिला सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे और पुलिस हरकत में आई. भितरवार पुलिस ने वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान लोहगढ़ी गांव निवासी

योगेश रावत और युवराज रावत के रूप में की. पुलिस टीम जब उनके घर पहुंची तो दोनों फरार मिले. भागने के रूट के ष्टष्टञ्जङ्क खंगालने के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी योगेश रावत को पकड़ लिया, जबकि युवराज अभी भी फरार है. पूछताछ में योगेश ने बताया कि छात्रा से उसकी पहले से पहचान थी और दोनों के बीच दोस्ती थी, लेकिन बाद में दूरियां आ गईं, इसी कारण उसने यह हरकत की. पुलिस ने पीड़िता को थाने बुलाकर दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और दूसरे आरोपी की तलाश जारी है.

कांग्रेस को लेकर सपा ने बदली रणनीति, इमरान मसूद को उसी भाषा में जवाब देने का दांव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भले ही लखनऊ से दिल्ली तक सपा और कांग्रेस के बड़े नेता गठबंधन की बात कर रहे हों, लेकिन जमीन पर सियासी शह-मात का खेल तेज हो गया है. पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सीट-शेयरिंग को लेकर जारी अंदरूनी घमासान के बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस को लेकर अपनी पूरी रणनीति बदल दी है सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद की ओर से लगातार आ रहे अल्टीमेटम और तीखे बयानों से असहज होने के बजाय अखिलेश यादव की सपा ने अब उन्हें 'उसी की भाषा' में कांग्रेस को करारा जवाब देने का प्लान तैयार कर लिया है. इसके तहत ही कैराना से सपा सांसद इकरा हसन को फ्रंटफुट पर उतारा गया है. इमरान मसूद लगातार सपा पर हमलावर हैं और 'अक्टूबर तक सीटें तय करने का अल्टीमेटम दे रहे हैं कि अखिलेश बड़ा दिल दिखाएं वरना कांग्रेस अकेले लड़ेगी'. मसूद का हर बयान कांग्रेस की बार्गेनिंग पावर बढ़ाने के लिए सपा पर सीधा हमला माना जा रहा है. सपा ने इसे गंभीरता से लेते हुए प्लान बनाया कि अगर अब भी चुप्पी साधे रखी, तो कांग्रेस पूरे पश्चिम यूपी में हमें कमज़ोर दिखाने लगेगी. इसके बाद ही सपा ने पश्चिमी यूपी की मुस्लिम चेहरा इकरा हसन को आगे किया, जिन्होंने अब इमरान मसूद के खिलाफ आक्रामक हमले शुरू कर दिए हैं. ग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सीट शेयरिंग को लेकर हो रही देरी पर सवाल उठाते हुए सपा पर निशाना साधा. इमरान मसूद ने कहा कि अखिलेश यादव कितने सक्रिय दिखते हैं, यह मायने नहीं रखता. अगर गठबंधन होना है, तो उसे अंतिम रूप दिया जाना चाहिए, वरना हम अपनी तैयारी खुद करेंगे; न सिर्फ़ सहारनपुर में बल्कि पूरे प्रदेश में. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बिना आगे नहीं बढ़ा जा सकता, बीजेपी से लड़ने के लिए कांग्रेस ज़रूरी है. इमरान ने कहा कि बीजेपी के खिलाफ लड़ाई सिर्फ़ कांग्रेस के साथ ही लड़ी जा सकती है, सिर्फ़ कांग्रेस ही बीजेपी का मुक़ाबला कर सकती है. राहुल गांधी का नेतृत्व उन्हें हराने में सक्षम है. ऐसे में गठबंधन को तुरंत अंतिम रूप दें. मुझे नहीं पता कि कौन संपर्क में है, मुझे अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं है; अगर इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया, तो ज़मीनी स्तर पर नुकसान होगा. इमरान मसूद के सवालों का जवाब देने समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन सामने आई हैं. सहारनपुर में इकरा हसन ने जो बोला है, वह सीधा हमला कांग्रेस पार्टी पर है. खासकर गठबंधन को लेकर इकरा हसन ने कांग्रेस को दो-टूक बता दिया है. इकरा हसन ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सिर्फ अखिलेश यादव जी एकमात्र ऐसे नेता हैं जो भाजपा को हरा सकते हैं. इकरा ने आगे कहा कि कांग्रेस अगर अकेले लड़ने का मन बना रही है, तो वह उसकी भूल होगी. अकेले लड़कर कांग्रेस कुछ नहीं हासिल कर सकती. गठबंधन रहेगा तो ठीक, लेकिन गठबंधन नहीं हुआ तो जो भी नुकसान होगा, वह सिर्फ कांग्रेस का ही होगा, सपा का नहीं. इमरान मसूद ने कुछ महीने पहले जब यूपी में गठबंधन को लेकर समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव दोनों को टारगेट करना शुरू किया था, तब समाजवादी पार्टी की

तरफ से राजीव राय ने जवाब दिया था. लेकिन कांग्रेस पार्टी ने तब इस मामले को तूल देने के बजाय शीर्ष नेताओं के स्तर पर सुलझाने की रणनीति बनाई थी. सपा ने उस समय मुस्लिम वोटों के समीकरण को समझते हुए चुप रहने की रणनीति अपनाई थी. सूत्रों की मानें तो जिस वक्त इमरान मसूद ने अखिलेश यादव के खिलाफ बोलना शुरू किया था, तब राहुल गांधी के बेहद करीबी कांग्रेस के एक बड़े नेता ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से बात की थी और कहा था कि राहुल गांधी जब विदेश से लौटेंगे तो यह मामला सुलझ जाएगा. हालांकि, कई महीने गुजरने के बाद भी जब कांग्रेस पार्टी का हमला समाजवादी पार्टी पर गठबंधन को लेकर नहीं रुका, तो अब समाजवादी पार्टी ने भी कांग्रेस को उसी भाषा में जवाब देने की तैयारी की है. सपा का कोई बड़ा वरिष्ठ नेता या खुद अखिलेश यादव उन्हें जवाब देते तो उससे इमरान मसूद की राष्ट्रीय हैसियत और बढ़ती. इसलिए सपा ने उनके सामने पश्चिम यूपी की ही एक शिक्षित, युवा और बेहद लोकप्रिय मुस्लिम चेहरा खड़ी कर दी है. अब सपा सांसद इकरा हसन का यह बयान उसी की कड़ी में पहला जवाब है.

नगीना में 'नकाब वाली' महिला का खेल! पहले हार, फिर सलवार-सूट... CCTV ने खोला चोरी का राज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर। नगीना शहर में दुकानदार इन दिनों नकाबपोश महिला की गतिविधियों को लेकर परेशान हैं. आरोप है कि बुर्का और नकाब पहनकर एक महिला ग्राहक बनकर दुकानों में पहुंच रही है और सामान देखने के दौरान मौका मिलते ही चोरी कर ले रही है. नगीना के अलग-अलग बाजारों में सामने आई दो घटनाओं में महिला की गतिविधियां CCTV कैमरों में कैद हुई हैं. एक दुकान से दुल्हन का आर्टिफिशियल हार गायब हुआ, जबकि दूसरी दुकान से सलवार-सूट का कपड़ा चोरी होने की बात सामने आई है. दुकानदारों ने CCTV फुटेज पुलिस को सौंपने के साथ तहरीर भी दी है. पुलिस अब फुटेज के आधार पर महिला और उसके साथ दिखाई दे रहे व्यक्ति की पहचान करने में जुटी है. मामला नगीना के मुख्य बाजार का बताया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक, 13 सितंबर को एक महिला अपने पुरुष साथी के साथ आर्टिफिशियल ज्वेलरी की दुकान पर पहुंची थी. दोनों ग्राहक बनकर दुकान में आए और सामान देखने लगे. इसी दौरान महिला ने दुकान में रखे आर्टिफिशियल ज्वेलरी के सामान को देखा. आरोप है कि मौका मिलते ही उसने दुल्हन के गले में पहनने वाला एक आर्टिफिशियल हार चोरी कर लिया. उस समय दुकान मालिक को चोरी का पता नहीं चला. बाद में जब दुकान में रखे सामान का मिलान किया गया तो एक हार गायब मिला. दुकानदार नौमान ने स्टाफ से इस बारे में पूछताछ की. कर्मचारियों ने हार बेचने या किसी ग्राहक को देने से इनकार किया. इसके बाद दुकान में लगे CCTV कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली गई. CCTV फुटेज देखने के बाद दुकान मालिक को पूरा मामला समझ आया. रिकॉर्डिंग में महिला सामान देखते हुए नजर आ रही है और इसी दौरान उसके द्वारा हार

ले जाने की गतिविधि भी कैमरे में कैद होने की बात कही गई है. दुकानदार ने CCTV फुटेज के साथ पुलिस को तहरीर दी है और महिला की पहचान कर कार्रवाई की मांग की है. आर्टिफिशियल ज्वेलरी की दुकान के बाद इसी तरह की एक और घटना सामने आई. आरोप है कि वही महिला एक रेडीमेड कपड़ों की दुकान में ग्राहक बनकर पहुंची. महिला ने दुकान में कपड़े देखने शुरू किए. दुकान में मौजूद कर्मचारियों और दुकानदार का ध्यान सामान दिखाने में लगा हुआ था.।अिक

गाजियाबाद में बिजली का बिल भरने के बाद भी बकाये का झटका

खातों में दिखाई दे रही लाखों की राशि

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। बिजली का भुगतान लगातार करते रहने के बाद भी ऑनलाइन खाते में लाखों रुपये का बकाया दिखाई दे तो उपभोक्ता के लिए यह किसी झटके से कम नहीं है। वैशाली सेक्टर-3 में प्रीपेड मीटर वाले कई उपभोक्ता इन दिनों इसी परेशानी से जूझ रहे हैं। निवासी मोहित शर्मा ने हाल ही में ऑनलाइन बिजली खाता चेक किया तो उनके नाम पर करीब एक से डेढ़ लाख रुपये की बकाया राशि दिखाई दी। जबकि घर में प्रीपेड मीटर लगा है और वह

लगातार बिजली का भुगतान कर रहे हैं। उन्होंने इसकी जानकारी इलाके के वॉट्सऐप ग्रुप पर साझा की तो अन्य उपभोक्ताओं ने भी अपने खाते जांचने शुरू कर दिए। इसके बाद मामला एक-दो घरों तक सीमित नहीं रहा। उपभोक्ताओं का दावा है कि करीब 150 से 200 लोगों के खातों में बड़ी बकाया राशि दिखाई जा रही है। किसी के खाते में एक लाख, किसी में डेढ़ लाख, जबकि कुछ उपभोक्ताओं के खातों में दो से ढाई लाख रुपये तक बकाया प्रदर्शित हो रहा है। इससे लोगों में चिंता बढ़ गई है। उपभोक्ताओं के मुताबिक, प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड व्यवस्था मे बदलने के दौरान तकनीकी या रेकॉर्ड सबंधी गलती के कारण खातों में यह रकम प्रदर्शित हो सकती है। हालांकि, अभी तक बिजली निगम की ओर से इस संबंध में कोई स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया है। चीफ इंजीनियर बृजेश कुमार ने कहा कि वैशाली सेक्टर-3 में टीम भेजकर पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। यदि बकाया राशि गलत तरीके से प्रदर्शित हो रही है तो उपभोक्ताओ को राहत देंगे। निवासी मोहित, पंकज और अतुल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बिजली निगम से स्पष्टीकरण मांगा है। उनके मुताबिक, ऑनलाइन खातों में यह बकाया राशि जुलाई से दिखाई जा रही है। जब वे भुगतान कर रहे हैं तो अचानक पुराना या अतिरिक्त बकाया उनके खाते में कैसे जुड़ गया। मामले की जानकारी अधिकारियों को दी। शुरुआत में उन्हें बकाया जमा करने की बात कही गई। भुगतान की रसीद, बिल की कॉपी दिखाई तो फिलहाल राशि को होल्ड करने के लिए कहा।

पुलिस पर सोशल मीडिया 'ब्रेक', वर्दी में रील से लेकर ChatGPT तक पर सख्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिसकर्मियों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर पुलिस मुख्यालय ने सख्ती बढ़ा दी है. वर्दी में रील बनाने से लेकर सरकारी जानकारी को ChatGPT जैसे प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने तक, अब ऐसे मामलों में पुलिसकर्मियों को कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है. पुलिस मुख्यालय ने इंटरनेट मीडिया और मीडिया संवाद को लेकर 24 बिंदुओं वाली नई गाइडलाइन जारी की

है. यह गाइडलाइन केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के आधार पर जारी की गई है. इसमें पुलिसकर्मियों को सोशल मीडिया पर क्या साझा करना है और किन गतिविधियों से बचना है, इसे लेकर विस्तृत निर्देश दिए गए हैं. गाइडलाइन के मुताबिक, ड्यूटी के दौरान या ड्यूटी के बाद वर्दी में अथवा अशोभनीय वेशभूषा में रील बनाकर इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है. ऐसे मामलों में पुलिस रेगुलेशन एक्ट और सिविल सेवा आचरण संहिता के तहत कारण बताओ नोटिस से लेकर निलंबन तक की कार्रवाई का प्रावधान है. मध्य प्रदेश में पहले भी पुलिसकर्मियों के वर्दी में रील बनाने के मामले सामने आते रहे हैं. नई गाइडलाइन के जरिए PHQ ने इस तरह की गतिविधियों पर स्पष्ट तौर पर रोक लगाने के संकेत दिए हैं. गाइडलाइन में AI टूल्स को लेकर भी निर्देश दिए गए हैं. पुलिसकर्मी ChatGPT या अन्य माध्यमों पर शासकीय, गोपनीय या संवेदनशील जानकारी अपलोड नहीं कर सकेंगे. संवेदनशील ड्यूटी से जुड़े पुलिसकर्मियों को अपनी ड्यूटी की सटीक प्रकृति, कार्यस्थल और उससे संबंधित गतिविधियों की जानकारी भी सोशल मीडिया पर साझा नहीं करने को कहा गया है पुलिसकर्मियों को गिरफ्तारी, छापेमारी और आपराधिक जांच से जुड़ी जानकारी सोशल मीडिया पर साझा करते समय विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं. ऐसी जानकारी को आवश्यक तथ्यों तक ही सीमित रखना होगा.

नामीबिया से लाए गए मशहूर चीते गौरव की मौत, 4 दिनों से फ्रीज में रखा था कूनो के 'रॉकस्टार' का शव

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क से भारत के महत्वाकांक्षी 'प्रोजेक्ट चीता' को बड़ा झटका लगा है। पार्क के सबसे लोकप्रिय और सबसे अधिक देखे जाने वाले नर चीता 'गौरव' की सोमवार दोपहर को लंबी बीमारी के बाद मौत हो गई। नामीबिया से लाए गए इस चीते ने भारत में चीता री-इंट्रोडक्शन प्रोग्राम की शुरुआत में एक अहम

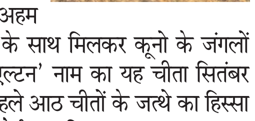

भूमिका निभाई थी और वह अपने भाई के साथ मिलकर कूनो के जंगलों की शान बना हुआ था। मूल रूप से 'एल्टन' नाम का यह चीता सितंबर 2022 में नामीबिया से कूनो लाए गए पहले आठ चीतों के जत्थे का हिस्सा था। उसका भाई 'फ्रेडी' (जिसे बाद में शौर्य नाम दिया गया) उसका पक्का साथी था। दोनों भाइयों ने मिलकर कूनो में जल्द ही एक मजबूत शिकार गठबंधन बना लिया था। नवंबर 2022 में दोनों भाइयों ने एक वयस्क चीतल का शिकार किया था, जो पिछले 75 से अधिक वर्षों में भारत में दर्ज किया गया पहला सफल चीता शिकार था। पार्क में उन्हें ट्रैक करने वाले अधिकारी और वन्यजीव प्रेमी प्यार से इस जोड़ी को 'रॉकस्टार्स' कहते थे।

यमुना में सीधे मूर्ति विसर्जन पर रोक, गणपति विसर्जन के लिए बनाए गए 78 आर्टिफिशियल तालाब

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने लोगों से निर्धारित तालाब या कुंड में ही गणपति और अन्य मूर्तियों का विसर्जन करने की अपील की है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। गणपति बप्पा मोरया... अगले बरस तू जल्दी आ।' गणेश चतुर्थी के बाद राजधानी में गणपति विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया है। हालांकि मुख्य विसर्जन 24 सितंबर को है, लेकिन घरों में गणेश पूजा कर रहे लोग तीन दिन बाद से विसर्जन शुरू कर देते हैं। विसर्जन को देखते हुए यमुना में सीधे मूर्ति विसर्जन पर रोक लगाई गई है। लेकिन, विसर्जन में कोई दिक्कत ना हो, इसके लिए सीएम रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली भर में 78 आर्टिफिशल तालाब बनाए गए हैं। दिल्ली वालों से उन तालाबों में ही विसर्जन करने की अपील की गई है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के मुताबिक गणपति और अन्य मूर्तियों का विसर्जन यमुना या किसी प्राकृतिक जलाशय में सीधे नहीं किया जा सकता।

यमुना में सीधे मूर्ति विसर्जन पर रोक

सरकार की ओर से बनाए गए निर्धारित आर्टिफिशल तालाब या कुंड में ही विसर्जन करना होगा। इसके लिए दिल्ली के सभी जिले में शिक्षण संस्थानों के कैंपस, कॉलोनियों, बड़े मैदानों के अंदर विसर्जन के लिए आर्टिफिशल तालाब बनाए गए हैं। सरकार के मुताबिक मूर्तियों का विसर्जन यमुना से दूर रखने के लिए 78 आर्टिफिशल तालाब तैयार किए गए हैं। नई दिल्ली में 5, नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली में 9, सेंट्रल नॉर्थ में 2, पुरानी दिल्ली में 2, नई दिल्ली में 3, वेस्ट में 7, सेंट्रल जिले में 3,

साउथ जिले में 9, साउथ वेस्ट में 3, साउथ ईस्ट जिले में 7, ईस्ट जिले में 5, नॉर्थ वेस्ट में 6 और आउटर नॉर्थ जिले में कुल 2 आर्टिफिशल तालाब बनाए गए हैं। सीएम रेखा गुप्ता ने अपील की है कि लोग प्रतिमा विसर्जित करने के लिए आर्टिफिशल तालाबों का ही इस्तेमाल करें।

महाराष्ट्र में सूखे का संकट... शनिवार से पहले जारी होगी अधिसूचना, CM देवेंद्र फडणवीस का बड़ा ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। सूखे की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने कहा कि राज्य में सूखे को लेकर पहली अधिसूचना शनिवार से पहले जारी कर दी जाएगी. इस अधिसूचना में यह जानकारी होगी कि किन इलाकों में सूखे जैसी हालत है और वहां सरकार कौन कौन से कदम उठाएगी. समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य के कई

हिस्सों में फसलें बुरी तरह खराब हो चुकी हैं. मुख्यमंत्री ने बताया कि जो इलाके पहले चरण में छूट जाएंगे उन्हें दूसरे चरण में शामिल कर लिया जाएगा. फसलों का पंचनामा यानी नुकसान का हिसाब बुधवार से शुरू करने के आदेश दे दिए गए हैं. राज्य सरकार अपने स्तर पर मदद देने के साथ साथ केंद्र सरकार से भी सहायता मांगने के लिए प्रस्ताव तैयार करेगी. उन्होंने बताया कि राज्य के अधिकतर हिस्सों में फसलों पर असर पड़ा है. सबसे ज्यादा नुकसान मक्का और कपास की खेती को हुआ है, जबकि कोकण इलाके में धान की फसल भी प्रभावित हुई है. पीने के पानी और जानवरों के चारे की व्यवस्था पर भी सरकार ने खास ध्यान देने की बात कही है. महानगरपालिका, नगरपालिका और पंचायत संस्थाओं को पानी की व्यवस्था पहले से तय करने के निर्देश दिए गए हैं. यह समिति जमीनी हालात देखकर सरकार को सुझाव देगी और लोगों की शिकायतें भी सुनेगी. इसके बाद मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री समिति की रिपोर्ट के आधार पर बड़े फैसले लेंगे. इस समिति को कैबिनेट जैसे अधिकार भी दिए गए हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि वे खुद प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे और विधायकों के साथ किसानों के बांध तक जाकर हालात देखेंगे, ताकि किसान अपनी परेशानी सीधे बता सकें. केंद्र से मदद मांगी जाएगी, लेकिन राज्य सरकार केंद्र के जवाब का इंतजार किए बिना अपने स्तर पर राहत का काम जारी रखेगी. इसके अलावा फडणवीस ने MPSC परीक्षा में ऑब्जेक्टिव पैटर्न की मांग पर कहा कि वी. राधा समिति छात्रों से बात कर रही है और पहले दळवी समिति ने भी यही सुझाव दिया था. अगर समिति सिफारिश करती है तो सरकार सकारात्मक रुख अपनाएगी. उन्होंने MPSC में रिकॉर्ड भर्ती की बात भी कही. कर्नाटक की तरह सूखा घोषित करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसके लिए NDRF के तय नियम पूरे करने जरूरी हैं. MPSC अध्यक्ष के इस्तीफे की मांग को उन्होंने गलत बताते हुए कहा कि विवाद उनके पद संभालने से पहले का है.

टिफिन में 'मेथी' लाने पर छात्र से वसूला 20 रुपये का जुर्माना, स्कूल का अजीबोगरीब नियम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। टिफिन में मेथी की सब्जी लाने पर एक छात्र से 20 रुपये जुर्माना वसूलने की शिकायत सामने आने के बाद भाईंदर के तपोवन विद्यालय को मीरा-भाईंदर महानगरपालिका के शिक्षा विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है. इस मामले के बाद स्कूल में छात्रों के भोजन पर लगाए जा रहे प्रतिबंधों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के पदाधिकारी रॉबर्ट डिसूजा ने इस मामले में मनपा प्रशासन

से शिकायत की थी. उनके अनुसार, स्कूल में अधिकांश छात्र जैन समाज से हैं और प्रवेश के समय अभिभावकों को छात्रों के टिफिन में मांसाहारी पदार्थों के साथ-साथ कंद-मूल वाली खाद्य सामग्री नहीं लाने के निर्देश दिए जाते हैं. इसमें टिफिन में मेथी की सब्जी लाने पर एक छात्र से 20 रुपये जुर्माना वसूले जाने की शिकायत की गई. रॉबर्ट डिसूजा, शहर अध्यक्ष, महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना, मीरा-भाईंदर ने इस मामले में मनपा प्रशासन से शिकायत की थी. शिकायत का संज्ञान लेते हुए मीरा-भाईंदर महानगरपालिका के शिक्षा विभाग ने स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. नोटिस में कहा गया है कि स्कूल छात्रों के भोजन पर इस तरह के प्रतिबंध नहीं लगा सकते और किसी खाने की चीजों को लाने पर जुर्माना वसूलना गंभीर मामला है. मनपा ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस तरह की कार्रवाई से छात्रों के मूलभूत अधिकारों और शिक्षा के अधिकार से जुड़े नियमों का उल्लंघन हो सकता है इससे पहले भी मीरा रोड के एक स्कूल द्वारा पर्युषण पर्व के दौरान टिफिन में प्याज, लहसुन और कुछ खाद्य पदार्थ नहीं लाने के निर्देश दिए जाने को लेकर विवाद हुआ था. उस मामले में भी शिक्षा विभाग ने नोटिस जारी किया था, जिसके बाद संबंधित परिपत्र वापस ले लिया गया था. गोवर्धन देशमुख, अध्यक्ष, मराठी एकीकरण समिति ने भी इस मामले को लेकर अपनी बात रखी है. फिलहाल, इस मामले में स्कूल प्रबंधन की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है.

सरदारनगर की घटना: शादीशुदा महिला को इंस्टाग्राम के लालच में फंसाकर 11.69 लाख रुपये ठगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सरदारनगर। सरदारनगर इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। राजकोट के वनराजसिंह सोलंकी ने इंस्टाग्राम पर लव रिलेशनशिप बनाकर 42 साल की महिला को कम कीमत पर घर दिलाने का लालच दिया। उसने महिला से टुकड़ों-टुकड़ों में कुल 11.69 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपी ने नकली स्टांप पेपर देकर धोखाधड़ी की। महिला ने सरदारनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है। सरदारनगर इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां सोशल मीडिया इंस्टाग्राम के जरिए जान-पहचान होने के बाद और कम कीमत पर घर दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से 11.69 लाख रुपये ठग लिए गए। राजकोट के युवक के खिलाफ सरदारनगर पुलिस स्टेशन में ऑफिशियल शिकायत दर्ज कराई गई है। सरदारनगर कोटरपुर वाटर वर्क्स के पास बाजपेयी नगर में रहने वाली और दर्जी का काम करने वाली 42 साल की महिला अक्टूबर 2023 में इंस्टाग्राम के ज़रिए राजकोट के विंचिया तालुका के सनाली गांव के वनराजसिंह गंभीरभाई सोलंकी के संपर्क में आई। दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और प्यार का रिश्ता बन गया। साल 2024 में नवरात्रि के दौरान युवक महिला को जूनागढ़, मोगलधाम, सताधार और वीरपुर घुमाने ले गया, जहां उसने उसे सेटिंग में सस्ते में घर दिलाने का लालच दिया, यह कहकर कि घर के फॉर्म निकलने वाले हैं। आरोपी वनराजसिंह ने घर के नाम पर बार-बार पैसे मांगे, और महिला ने अपने जान-पहचान वालों और बेटे निखिल के बैंक अकाउंट से टुकड़ों में कुल 2.03 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए। बाद में, जब उसे और पैसों की ज़रूरत पड़ी, तो महिला ने अपने सोने के गहने बेच दिए और दूसरे लोगों से पैसे लेकर कुल 11.69 लाख रुपये दे दिए। आरोपी ने 300 रुपये के स्टाम्प पेपर पर लिखा था कि उसने नाना चिलोडा वेद बंगलोज में एक घर रजिस्टर कराया है और बाद में, उसने अपना नाम ठीक करने के बहाने वह स्टाम्प वापस ले लिया था। काफी समय बाद भी घर नहीं मिला और महिला ने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी ने संपर्क तोड़ दिया। धोखा होने का पता चलने पर परिणीता ने सरदारनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

दिल्ली के नरायणा गांव में दोस्तों के बीच मजाक में 'पापा' कहने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि चाकूबाजी हो गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. जहां दोस्तों में मजाक में पापा कहने को लेकर विवाद हो गया. देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि चाकूबाजी हो गई. जिसमें एक युवक की मौत हो गई. इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. बताया जाता है कि 19 सितंबर को की रात को नरायणा पुलिस स्टेशन को ष्ठष्ठ अस्पताल से सूचना मिली कि नरायणा गांव के रहने वाले 18 साल के सुमित गिरी को बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था और उसे 'ब्रॉट डेड' घोषित कर दिया गया. इसके तुरंत बाद ही इंस्पेक्टर दीपक शर्मा अपनी टीम के साथ ष्ठष्ठ अस्पताल पहुंचे और जांच शुरू की. पापा कहने के विवाद के बाद घोंपा चाकू शुरुआती जांच में पता चला कि रात करीब 9:30 बजे, आरोपी अमन और नरसिंह, जो दोस्त हैं, मोटरसाइकिल से पायल सिनेमा की तरफ गए थे. नरायणा गांव लौटते समय, उनकी मुलाकात अपने परिचितों सुमित और अनिल सिंह के बेटे अमन से हुई. बातचीत के दौरान, अनिल सिंह के बेटे अमन ने मज़ाक में नरसिंह से उसे 'पापा' कहने के लिए कहा. इसके बाद आरोपी अमन ने अनिल सिंह के बेटे अमन को चाकू से धमकाया.द्व वहीं सुमित ने इसका विरोध किया, जिससे सुमित और आरोपी अमन के बीच बहस हो गई. इसी बीच, उनका एक कॉमन दोस्त सरगम भी मौके पर पहुचा और झगड़ा रोकने की कोशिश की. जब झगड़ा बढ़ गया, तो आरोपी अमन ने कथित तौर पर सुमित को चाकू मार दिया. बीच-बचाव करने की कोशिश में सरगम को भी

मामूली चोट आई. शुरुआती जांच में यह भी पता चला कि चाकू मारने के बाद आरोपी अमन ने अपने छोटे भाई को मौके पर बुलाया. जिसके बाद आरोपी का छोटा भाई वहां पहुंचा और कथित तौर पर घायल सुमित को लात मारी और उसके साथ मारपीट की.

महाराष्ट्र CC लागू करने के लिए बनी समिति में बवाल, गुस्साए जस्टिस आरसी चव्हाण ने दिया इस्तीफा

हाई कोर्ट के पूर्व जज आरसी चव्हाण ने सरकार की उस कमिटी से इस्तीफ़ा दे दिया है, सिविल कोड लागू करने के लिए एक ड्राफ्ट फ्रेमवर्क तैयार करने का काम सौंपा गया था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पूर्व न्यायमूर्ति आर. सी. चव्हाण ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए मसौदा तैयार करने के वास्ते महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित समिति से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने समिति के कामकाज और राज्य के बाहर के एक अधिकारी की इसमें भागीदारी को लेकर असहमति का हवाला देते हुए यह कदम उठाया। जस्टिस आरसी चव्हाण ने कमिटी के अंदर चल रही गड़बड़ियों का

आरोप लगाया है। यहां तक कि समिति में एक बाहर के अफसर के हस्तक्षेप का भी आरोप लगाया है। महाराष्ट्र सरकार ने जुलाई में सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना देसाई की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति का गठन किया था। इस समिति को महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए रूपरेखा तैयार करने का काम सौंपा गया था।

कार्यवाही जल्दबाजी में निपटाने का आरोप

हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश चव्हाण ने 19 सितंबर को समिति से इस्तीफा दे दिया। चव्हाण ने अपने इस्तीफे के पत्र में कई चिंताएं जताईं और आरोप लगाया कि बैठकों को बिना सार्थक चर्चा के ही समाप्त कर दिया जाता था। उन्होंने दावा किया कि बैठक के एजेंडे में शामिल कार्यवाही के विवरण की पुष्टि, वेबसाइट में बदलाव और प्रश्नावली को अंतिम रूप देने जैसे मुद्दों को अध्यक्ष के निर्देश पर जल्दबाजी में निपटा दिया गया। जस्टिस चव्हाण ने दावा किया कि प्रश्नावली तैयार करने को लेकर सदस्यों के सुझावों पर भी विचार नहीं किया गया। इन सुझावों में देर से विवाह, बांझपन, अस्थिर विवाह और विवादों के समाधान जैसे मुद्दों पर लोगों की विस्तृत राय जानने के लिए प्रश्नावली तैयार करने का सुझाव भी शामिल था। उन्होंने कहा कि समिति की अध्यक्ष ने जिस प्रश्नावली को अंतिम रूप दिया था, वह पहले ही वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए प्रसारित की जा चुकी थी। चव्हाण ने समिति में राज्य के बाहर के एक अधिकारी की भागीदारी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के अधिकारियों को शायद यह महसूस हो सकता है कि वे यह काम करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए दूसरे राज्य के एक अधिकारी को बुलाना पड़ा। न्यायमूर्ति चव्हाण ने कहा कि यह भी हो सकता है कि उन्हें यह पता ही नहीं था कि समिति के कामकाज में उस अधिकारी को किस भूमिका में शामिल किया जाए। पूर्व न्यायाधीश ने कहा कि इस समस्या का समाधान करने के लिए मैं अब समिति में अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं, ताकि सरकार जल्द से जल्द इस रिक्त स्थान को भर सके। उन्होंने कहा कि समिति में काम करना उनके लिए सीखने का अनुभव रहा और उन्होंने समिति के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

कालकाजी मंदिर घूमने गई नाबालिग से दरिंदगी! खुद को पुलिस बताकर तीन ने किया गैंगरेप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कालकाजी मंदिर इलाके से एक बेहद दुखद वारदात सामने आई है. दर्शन करने पहुंची 17 साल की लड़की के साथ आस्था कुंज पार्क में तीन युवकों ने कथित तौर पर गैंगरेप किया. आरोप है कि तीनों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया, लड़की और उसके दोस्त को धमकाया. इसी दौरान एक आरोपी ने लड़की के दोस्त को पकड़ लिया. पुलिस ने इस मामले में आसिफ नाम के एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है, जबकि बाकी दो आरोपियों की तलाश जारी है. पीड़िता सोमवार शाम करीब सात बजे अपने 17 साल के दोस्त के साथ दिल्ली के कालकाजी मंदिर में दर्शन करने पहुंची थी. पूजा-अर्चना करने के बाद दोनों शाम साढ़े सात बजे टहलने के लिए मंदिर के पास स्थित आस्था कुंज पार्क में चले गए. उस वक्त उन्हें बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि पार्क के अंधेरे में दरिंदे घात लगाए बैठे हैं. दोनों दोस्त पार्क में बातचीत कर ही रहे थे कि 25 से 30 साल की उम्र के तीन युवक अचानक सामने आगए. उन्होंने रौब झाड़ते हुए कहा कि वे पुलिसवाले हैं और यहां बैठने पर कार्रवाई करेंगे. दोनों कुछ समझ पाते, इससे पहले ही एक बदमाश ने लड़की के दोस्त को दबोच लिया ताकि वह चीख न सके या भागकर मदद न मांग सके. इसके बाद तीनों ने मिलकर नाबालिग के साथ इस घिनौनी करतूत को अंजाम दिया. वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले. रात करीब 8:45 बजे पुलिस को PCR कॉल के जरिए घटना की जानकारी मिली. सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची. नाबालिग को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया. कालकाजी थाने में POCSO एक्ट समेत रेप की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया. मंगलवार सुबह

करीब 6 बजे पुलिस को जानकारी मिली कि मामले में शामिल आसिफ बाइक से साउथ ईस्ट दिल्ली की तरफ जा रहा है. इसके बाद पुलिस ने बैरिकेडिंग की और अमर कॉलोनी इलाके में ष्ठरू ऑफिस के पास उसे ट्रैक किया. पुलिस के मुताबिक, खुद को घिरा देखकर आसिफ ने गोली चलाते हुए भागने की कोशिश की. जवाबी कार्रवाई में वह घायल होकर बाइक से गिर पड़ा. पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है.

मध्य दिल्ली के देशबंधु गुप्ता रोड थाना क्षेत्र की एक चौकी इलाके में 7 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देशबंधु गुप्ता रोड थाना क्षेत्र में सात साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है. आरोपी से पूछताछ की जा रही है और उसे मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है. सेंट्रल दिल्ली के देशबंधु गुप्ता रोड थाना क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है. यहां सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है. स्थानीय लोगों ने 34 वर्षीय आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ POCSO एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है. पुलिस की ओर से जारी घटना रिपोर्ट के मुताबिक,

मामला देशबंधु गुप्ता रोड थाने के अंतर्गत आने वाली शिदीपुरा पुलिस चौकी का है. सोमवार यानी 21 सितंबर को शाम करीब 6:30 बजे कुछ स्थानीय लोग सात साल की बच्ची और उसके परिजनों के साथ शिदीपुरा पुलिस चौकी पहुंचे. स्थानीय लोग अपने साथ आरोपी को भी पकड़कर लाए थे. पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान 34 वर्षीय अंकित के रूप में हुई है. वह दिल्ली के किशनगंज इलाके का रहने वाला बताया गया है. स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि आरोपी को किशनगंज इलाके में बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न करते हुए पकड़ा गया था. इसके बाद लोग उसे पकड़कर पुलिस चौकी ले आए और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने नाबालिग बच्ची को तुरंत मेडिकल जांच के लिए भेजा. वहीं, आरोपी को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है. पुलिस की टीम घटनास्थल का भी निरीक्षण कर रही है और मामले से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है. पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ POCSO एक्ट और BNS की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की जा रही है. पुलिस अब बच्ची के परिजनों और मामले से जुड़े अन्य लोगों से जानकारी जुटा रही है. साथ ही घटनास्थल से संबंधित साक्ष्यों की भी जांच की जा रही .

शादी के तीन साल, गुस्से का एक पल और सब कुछ खत्म

IT इंजीनियर ने पत्नी की हत्या की और बालकनी से कूद गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। देहूगांव से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। गुस्से में आकर एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और फिर बालकनी से कूद गया। दोनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। जानिए आखिर क्या हुआ था? पुणे: महाराष्ट्र में पुणे जिले के देहूगांव से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। घरेलू झगड़े के बाद एक पति ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद को भी घायल कर लिया और दूसरी मंजिल की बालकनी से कूद गया। यह घटना रविवार सुबह करीब 5:45 बजे देहूगांव की ओंकार सोसाइटी में हुई। देहू रोड पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, मृतक महिला की पहचान शुभांगी आकाश बारस्कर निवासी ओंकार हाउसिंग सोसाइटी, देहूगांव, हवेली तालुका, पुणे जिला के तौर पर हुई है। उसके पति आकाश रामदास बारस्कर एक ढ्ढ कंपनी का कर्मचारी और उसी सोसाइटी का निवासी है। उसको गंभीर चोटें आईं और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर विक्रम बनसोडे के अनुसार, पेट्रोलिंग कर रही पुलिस को रविवार सुबह करीब 6:00 बजे देहूगांव के ओंकार सोसाइटी इलाके में मारपीट की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और आकाश बारस्कर को सड़क पर घायल अवस्था में पाया। उसकी पत्नी शुभांगी अपने दूसरी मंजिल के अपार्टमेंट में गंभीर रूप से घायल और बेहोश हालत में मिली। दोनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने शुभांगी को मृत घोषित कर दिया। आकाश का इलाज चल रहा है। आकाश और शुभांगी की शादी दिसंबर 2023 में हुई थी और वे पिछले चार-पांच महीनों से ओंकार सोसाइटी में किराए के फ्लैट में रह रहे थे। शुरुआती पूछताछ से पता चला है कि कपल के बीच लगभग एक साल से झगड़े चल रहे थे। पुलिस को शक है कि इसी लगातार चल रहे झगड़े के कारण आकाश ने अपनी पत्नी पर धारदार हथियार से हमला किया। शुरुआती जांच से पता चलता है कि हमले के बाद उसने खुद को घायल किया और फिर दूसरी मंज़िल की बालकनी से कूद गया। उसकी बहन पर पत्थर, लात और घूंसों से हमला किया। इसके अलावा वाघोली की वाघमारे बस्ती में लोहे की रॉड से हमले की एक घटना हुई।

दिल्ली में मॉनसून की उल्टी गिनती शुरू, 2-3 दिन में हो सकता है फेयरवेल, 35 डिग्री रहेगा तापमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में बारिश का मौसम अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून अगले दो से तीन दिनों में दिल्ली और आसपास के इलाकों से विदा हो सकता है। यानी राजधानी में अब लगातार बारिश की जगह मौसम के धीरे-धीरे सूखा होने का दौर शुरू होगा। आईएमडी के अनुसार, 22 और 23 सितंबर को दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने और अधिकतम तापमान करीब 35 डिग्री रहने का अनुमान है। हालांकि इस बार मॉनसून ने दिल्ली को सामान्य से ज्यादा बारिश दी है। 1 जून से अब तक राजधानी में 728.6 मिमी बारिश दर्ज हुई, जबकि सामान्य आंकड़ा 621.7 मिमी है। यानी सीजन में अब तक 17' ज्यादा बारिश हुई। लेकिन सितंबर में बारिश की रफ्तार काफी कमजोर रही। देशभर में भी मॉनसून अब अंतिम दौर में है और 20 सितंबर तक कुल बारिश सामान्य से 15' कम दर्ज हुई थी। मॉनसून की वापसी कहां तक पहुंची मॉनसून राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों से आगे बढ़ चुका है। इसकी वापसी की रेखा जैसलमेर, नागौर, सीकर, रोहतक, पटियाला और गुरदासपुर से गुजर रही है। अगले दो-तीन दिनों में पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान के कुछ हिस्सों से भी वापसी की संभावना है। इस साल दिल्ली में मॉनसून 2 जुलाई को पहुंचा था, जो सामान्य तारीख 27 जून से पांच दिन देर थी। पिछले साल 24 सितंबर को मॉनसून दिल्ली

से विदा हुआ था, जो 2002 के बाद सबसे जल्दी वापसी थी। दिल्ली में मॉनसून की सामान्य विदाई की तारीख 25 सितंबर मानी जाती है। आईएमडी के मुताबिक मॉनसून की वापसी के लिए बारिश का लगातार कम होना, निचले वायुमंडल में प्रतिचक्रवात बनना और नमी में कमी जैसे संकेत देखे जाते हैं। f

ऊर्जा लागत, वित्तीय सख्ती से दूसरी छमाही में धीमी होगी भारत की वृद्धि- डीबीएस

नई दिल्ली।

डीबीएस बैंक की एक अर्थशास्त्री ने आगाह किया है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर धीमी पड़ सकती है। उन्होंने सख्त वित्तीय स्थितियों, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और प्रतिकूल आधार प्रभाव को इसके मुख्य कारण बताया। उनके अनुसार बढ़ते महंगाई दबाव के चलते मौद्रिक नीति का केंद्रीय ध्यान मूल्य स्थिरता पर बना रहेगा। राव ने अपने वृहद आर्थिक आकलन में बताया कि मजबूत घरेलू मांग, उपभोग और सार्वजनिक पूंजीगत व्यय के दम पर वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 7.8 फीसदी की प्रभावशाली वार्षिक दर से वृद्धि दर्ज की। हालांकि, डीबीएस का अनुमान है कि पूरे वित्त वर्ष 2026-27 के लिए औसत आर्थिक वृद्धि 7.3 फीसदी रहेगी, जो पिछले वित्त वर्ष के 7.8 फीसदी के संशोधित आंकड़े से कम है। उन्होंने यह भी कहा कि जीएसटी संग्रह, ई-वे बिल और डिजिटल भुगतान जैसे उच्च-आवृत्ति संकेतक फिलहाल मजबूत बने हुए हैं, जो घरेलू गतिविधियों की निरंतरता का संकेत देते हैं। बावजूद इसके, साल के उत्तरार्ध में उल्लिखित कारक वृद्धि की गति पर अंकुश लगा सकते हैं।

एयर इंडिया 2027 की दूसरी छमाही में पेश करेगी नया डिजिटल मंच

नई दिल्ली।

एयर इंडिया अपनी उड़ानों में यात्रियों के लिए एक अत्याधुनिक डिजिटल मंच पेश करने जा रही है। यह पहल यात्रियों के उड़ान अनुभव को नया आयाम देगी। यह नया इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट (आईएफई) मंच यात्रियों के लिए मनोरंजन, लॉयल्टी कार्यक्रम, वाणिज्यिक गतिविधियों और यात्रा सेवाओं को एक साथ एकीकृत करेगा। इसका दोहरा उद्देश्य यात्रियों के डिजिटल अनुभव को बेहतर बनाना और एयरलाइन के अतिरिक्त राजस्व को बढ़ाना है। एयर इंडिया के मुख्य डिजिटल एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी के अनुसार, एयरलाइन द्वारा विकसित इस मंच को 2027 की दूसरी छमाही से चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इसकी शुरुआत अगले साल मिलने वाले नए बड़े आकार के विमानों से होगी। यह मंच वाणिज्य से जुड़ी कई तरह की गतिविधियों को भी सुगम बनाएगा।

मुंबई में 711 करोड़ का रिकॉर्डतोड़ आवासीय सौदा

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट कंपनी एबेसी डेवलपमेंट्स ने मुंबई में एक लग्जरी आवासीय टावर को एंजल वन लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) दिनेश ठक्कर को 711 करोड़ रुपये में बेचने पर सहमति जताई है। यह देश के सबसे बड़े आवासीय सौदों में से एक है, जो एकल आवासीय इकाई के रूप में अब तक का सबसे बड़ा लेनदेन है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को सूचित किया कि उसने मुंबई के पॉश जुहू तारा रोड पर स्थित अपनी अत्यधिक लग्जरी परियोजना एबेसी टेराजा में एक पूरे आवासीय टावर की बिक्री के लिए दिनेश ठक्कर के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सात मंजिला टावर जुहू के सबसे प्रतिष्ठित आवासीय इलाकों में से एक में स्थित है। इसका कुल रेरा कारपेट एरिया 63,000 वर्ग फुट है। एबेसी टेराजा दो एकड़ में फैली एक विशाल परियोजना है, जिसमें कुल पांच टावर शामिल हैं। कंपनी को इस परियोजना से कुल 3,000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। यह सौदा मुंबई के लग्जरी रियल एस्टेट बाजार की मजबूती को दर्शाता है।

ओरिएंट केबल्स का 552 करोड़ का आईपीओ 25 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली।

नेटवर्किंग केबल और पैसिव नेटवर्किंग उपकरण बनाने वाली कंपनी ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड ने 552 करोड़ रुपये जुटाने के लिए अपने आईपीओ का मूल्य दायरा 258 से 272 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने बताया कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 25 सितंबर को बोली के लिए खुलेगा और 29 सितंबर को बंद होगा। इस आईपीओ के तहत 320 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि प्रवर्तकों और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 232 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जा रही है।कंपनी नए शेयरों की बिक्री से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल विस्तार योजनाओं, कर्ज चुकाने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 330 , निफ्टी 85 अंक नीचे आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 329.91 अंक की गिरावट के साथ 74,529.08 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 85.33 अंक टूटकर 23,329.00 के स्तर पर बंद हुआ। इंडेक्स में आई इस सुस्ती से बाजार में थोड़ी सतर्कता देखी जा रही है।

आज सेक्टोरल परफॉर्मेंस पर नजर डालें तो सबसे ज्यादा नुकसान आईटी सेक्टर को उठाना पड़ा। निफ्टी आईटी इंडेक्स गिरावट के साथ 28,582.10 के लेवल पर बंद हुआ। इसके साथ ही उपभोक्ता उत्पादों में भी बिकवाली हावी रही और निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स गिरकर 45,657.90 पर आ गया। बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर्स की बात करें तो निफ्टी पीएसयू बैंक में और निफ्टी प्राइवेट बैंक में गिरावट आई। इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज भी गिरावट पर बंद हुआ।ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर्स में भी गिरावट रही। निफ्टी ऑटो इंडेक्स फिसलकर 27,085.45 पर बंद हुआ। वहीं हेल्थकेयर और दवा कंपनियों के प्रदर्शन को दर्शाने वाला निफ्टी फार्मा इंडेक्स गिरावट के साथ 26,910.40 के लेवल पर आ गया। इन प्रमुख सेक्टर्स में सुस्ती के कारण पूरे बाजार की रिकवरी पर ब्रेक लगा रहा और प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में आने में विफल रहे।बाजार की इस चौतरफा गिरावट के बीच ही कुछ सेक्टर्स ऐसे भी रहे जहां निवेशकों ने खरीदारी में उत्साह दिखाया। सबसे अच्छी बढ़त मीडिया सेक्टर में देखने को मिली। निफ्टी मीडिया इंडेक्स 1,574.95 के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा रियल एस्टेट सेक्टर में भी अच्छी खरीदारी दर्ज की गई, जिससे निफ्टी रियल्टी इंडेक्स बढ़कर 861.40 के लेवल पर क्लोज हुआ। मेटल सेक्टर में भी हल्की मजबूती रही और निफ्टी मेटल 0.15% की मामूली बढ़त लेकर 12,992.50 पर बंद हुआ। इन सेक्टर्स में आई तेजी ने बाजार की गिरावट को कुछ हद तक सीमित करने में मदद की।

पिछले कुछ दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट आई है। इससे भी बाजार की गिरावट पर अंकुश लगा है।वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूत शुरुआत की। सुबह के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 101.79 अंक की वृद्धि के साथ 74,960.78 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी 37.46 अंक की बढ़त के साथ 23,451.75 के स्तर पर पहुंच गया।

दिल्ली में पहली बार वैश्विक चावल संग्रह, 200 किस्में होंगी प्रदर्शित

भारत मंडपम में अक्टूबर में होगा आयोजन

नई दिल्ली।

भारत अगले महीने अपनी तरह के पहले भारत अंतर्राष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) की मेजबानी करेगा, जहां दुनिया भर से व्यावसायिक महत्व वाली चावल की लगभग 200 किस्मों का एक अनूठा वैश्विक संग्रह प्रदर्शित किया जाएगा। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित होने वाला यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों को एक ही स्थान पर विभिन्न किस्मों की तुलना करने और संभावित आपूर्तिकर्ताओं की पहचान करने का अभूतपूर्व अवसर प्रदान करेगा। इस वैश्विक चावल संग्रह में इटली के आर्बोरियो, थाईलैंड के जैस्मीन व जापान के सुशी चावल से लेकर भारत के बासमती, सुगंधित पारंपरिक अनाज, काले तथा लाल चावल और क्षेत्रीय विशिष्ट किस्में शामिल होंगी। इस प्रदर्शनी का लक्ष्य चावल को सिर्फ एक व्यापारिक जिंस के बजाय, भूगोल, जैव विविधता और खान-पान की परंपराओं से जुड़े एक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत करना है। भारत की पेशकशों में पूसा बासमती सहित विभिन्न बासमती किस्में और पीआर-11, सोना मसूरी जैसी गैर-बासमती किस्में शामिल होंगी। केरल से नवारा, तमिलनाडु से सीरागा सांबा, मणिपुर से चाक-हाओ काला चावल और महाराष्ट्र से आंबेमोहर जैसी क्षेत्रीय तथा पारंपरिक किस्में भी विशेष आकर्षण होंगी। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) के देव गर्ग ने बताया कि यह संग्रह वैश्विक खरीदारों को नए उत्पादों की खोज का एक महत्वपूर्ण जरिया बनेगा।

बैंकिंग प्रणाली में नकदी अधिशेष 6 लाख करोड़ के करीब

ओएमओ और जीएसटी भुगतान ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त तरलता (लिक्विडिटी) खींचने के उपाय अब रंग लाते दिख रहे हैं। बॉन्ड बिक्री के खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भुगतान के कारण, बैंकिंग प्रणाली में शुद्ध नकदी अधिशेष में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे मौद्रिक नीति का परिचालन लक्ष्य मानी जाने वाली ओवरनाइट वेटेज एवरेज कॉल रेट (डब्ल्यूएसीआर) नीतिगत रीपो दर के करीब पहुंच गई है। बाजार प्रतिभागियों के अनुसार बैंकिंग प्रणाली में शुद्ध नकदी अधिशेष सितंबर की शुरुआत में 11.16 लाख करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर से घटकर अब लगभग 6 लाख करोड़ रुपये रह गया है। इसके परिणामस्वरूप, वेटेज एवरेज कॉल रेट आज 5.24 फीसदी पर बंद हुई, जो शुक्रवार को 4.92 फीसदी थी और अब नीतिगत रीपो दर के लगभग बराबर आ गई है। आरबीआई द्वारा ओएमओ के तहत बॉन्ड बिक्री की पहली नीलामी शुक्रवार को हुई थी, जबकि इसके बाद हुई दूसरी नीलामी में 25,000 करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले 84,942 करोड़ रुपये की मजबूत बोलियां मिलीं, जिससे बाजार में नकदी सोखने में मदद मिली। केंद्रीय बैंक ने सितंबर के लिए कुल 1 लाख करोड़ रुपये की ओएमओ बिक्री की घोषणा की है, जिसका मुख्य उद्देश्य डॉलर-रुपया स्वैप सुविधा के तहत विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमा से प्राप्त बड़े निवेश प्रवाह से बनी दीर्घकालिक नकदी अधिशेष को वापस लेना है।

त्योहारी सीजन से पहले अरहर दाल 150 के पार, सरकार कसेगी नकेल

कमजोर मॉनसून, मंडियों में कम आपूर्ति और स्टॉक बढ़ने से कीमतों में तेजी

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले उपभोक्ताओं को एक और झटका लगा है। अरहर दाल (तुअर दाल) के दाम आसमान छू रहे हैं, जो खुदरा बाजार में 150 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच गए हैं। पिछले एक महीने में इसकी कीमतों में करीब 14 फीसदी का उछाल आया है। मंडियों में कमजोर आपूर्ति, दाल मिलर्स की मजबूत मांग और कमजोर मानसून के साथ-साथ कारोबारियों द्वारा स्टॉक बढ़ाने को इस तेजी का मुख्य कारण माना जा रहा है। सरकार अब दालों की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए जल्द ही सख्त कदम उठा सकती है। देश में अरहर दाल का औसत मंडी भाव फिलहाल 11,394 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा है, जबकि खुदरा बाजार में यह 130 से 160 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रही है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले एक महीने में अरहर की कीमत में लगभग 14 फीसदी और तीन महीने में 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

इस बढ़ोतरी के पीछे मानसून का कमजोर रहना, त्योहारों से पहले मिलों की ओर से बढ़ी हुई खरीद और स्टॉकिस्टों द्वारा ऊंचे भाव की उम्मीद में माल रोकना प्रमुख कारण हैं। कारोबारियों का अनुमान है कि त्योहारी सीजन के दौरान तुअर दाल के दाम 15,000 रुपये प्रति क्विंटल के पार जा सकते हैं। इस स्थिति को देखते हुए सरकार दाल की कीमतों पर लगाम लगाने और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की तैयारी में है। संभावित उपायों में स्टॉक लिमिट तय करना या आयात शुल्क में बदलाव शामिल हो सकते हैं, ताकि घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ाई जा सके और उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

गूगल पर 46.3 करोड़ डॉलर का जुर्माना

उपयोगकर्ताओं के लोकेशन डेटा के गलत इस्तेमाल का आरोप

डबलिन।

यूरोपीय संघ ने गूगल पर उपयोगकर्ताओं के लोकेशन डेटा के गलत इस्तेमाल के आरोप में 46.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भारी जुर्माना लगाया है। आयरलैंड के डेटा संरक्षण आयोग (डीपीसी) ने यह घोषणा की, जिसमें बताया गया कि गूगल ने डेटा गोपनीयता नियमों का उल्लंघन किया है। यह जुर्माना व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण में कानूनी, निष्पक्ष और पारदर्शी रहने में कंपनी की विफलता के लिए लगाया गया है। डीपीसी की जांच में सामने आया कि गूगल ने उपयोगकर्ताओं की ब्राउजिंग और सर्च हिस्ट्री की निगरानी करने वाली वेब एंड ऐप एक्टिविटी सेटिंग और मोबाइल फोन के जरिए उनके जाने वाले स्थानों की निगरानी करने वाली लोकेशन हिस्ट्री सेवा में लोकेशन डेटा का कानूनी या निष्पक्ष तरीके से प्रसंस्करण नहीं किया। इसके अलावा, नियामकों ने यह भी पाया कि एंड्रॉइड मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम में लोकेशन एक्यूरेसी फीचर के तहत व्यक्तिगत डेटा को संसाधित करते समय कंपनी कानूनी, निष्पक्ष और पारदर्शी रहने में विफल रही।

चूंकि गूगल का यूरोपीय मुख्यालय डबलिन में है, आयरलैंड यूरोपीय संघ में अमेरिकी तकनीकी दिग्गज कंपनी का मुख्य नियामक है।

गूगल ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह मामला पुरानी नीतियों से जुड़ा है, जिन्हें अब अपडेट किया जा चुका है। कंपनी ने 2019 के बाद से अपनी कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण सुधार और लोकेशन डेटा को प्रबंधित करने के लिए मजबूत उपकरण पेश करने का दावा किया है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 20 पैसे की बढ़त के साथ 95.58 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ 95.65 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट क्रूड के ऊंचे स्तरों से नीचे आने और तत्काल आपूर्ति की चिंताएं कम होने से रुपये को शुरुआत सकारात्मक रही। सऊदी अरब द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए निर्यात बढ़ाने और क्षतिग्रस्त ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के आंशिक रूप से बहाल होने की उम्मीदों से बाजार को सहारा मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 95.75 पर खुला और फिर 95.65 के स्तर तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को 18 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.78 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 100.35 पर था।

नथिंग का सीएमएफ अब भारतीय! कार्ल पेई का देसी टेक पर बड़ा दांव

कंपनी का वैश्विक मुख्यालय भारत में, 2015 की गलतियों से सीखकर नया अध्याय लिखने का लक्ष्य

नई दिल्ली।

चर्चित टेक ब्रांड नथिंग के फाउंडर और सीईओ कार्ल पेई ने एक ऐतिहासिक ऐलान किया है। उनका लोकप्रिय सब-ब्रांड सीएमएफ अब नथिंग से पूरी तरह अलग होकर एक स्वतंत्र, पूर्णकालिक भारतीय कंपनी बनने जा रहा है। सितंबर 2023 में बजट-फ्रेंडली स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच और ऑडियो प्रोडक्ट्स के साथ लॉन्च हुए सीएमएफ को भारत की दम पर वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार के समीकरण बदलने की एक सोची-समझी रणनीति के तहत यह नई पहचान मिलेगी। कार्ल पेई के इस कदम का सीधा मतलब भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन की अपार संभावनाओं को भुनाना है। नई कंपनी में मेजॉरिटी ओनरशिप भारतीयों के पास होगी, इसका ग्लोबल हेडक्वार्टर भारत में होगा और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसकी कोर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) टीम भी भारतीय इंजीनियरों से सजी होगी। पेई ने अपने एक्स (पहले ट्विटर) पोस्ट में कहा कि भारत इस वक्त ठीक उसी ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, जहां कभी जापान, दक्षिण कोरिया और चीन खड़े थे, जिन्होंने अपनी स्थानीय कंपनियों के दम पर वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार पर राज किया। उन्होंने जोर देकर कहा, अब भारत की बारी है। पेई ने भारत की मौजूदा ताकत (दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्माता, सबसे बड़ी युवा आबादी, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग टैलेंट) को स्वीकार करते हुए, 2015 के डार्क चैप्टर की याद दिलाई।

प्याज ने फिर रुलाया- एक साल में दोगुनी हुई कीमतें, रसोई का बिगड़ा बजट

खुदरा कीमतें 54.23 प्रति किलो के पार, दिल्ली से चेन्नई तक बढ़ा बोझ

नई दिल्ली।

देशभर में प्याज की कीमतें एक बार फिर आम आदमी को रुला रही हैं। पिछले एक साल की तुलना में इसकी खुदरा कीमतें दोगुनी से अधिक हो गई हैं, जिससे रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 21 सितंबर को प्याज का औसत खुदरा भाव 54.23 रुपए प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया, जो महज एक महीने पहले 40.79 रुपए था।

थोक बाजार में भी प्याज के भाव आसमान छू रहे हैं, जहां 21 सितंबर को औसत थोक कीमत 4,615.98 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 135 फीसदी अधिक है।

इसका असर विभिन्न शहरों में साफ दिख रहा है। दिल्ली में प्याज 53 रुपए, मुंबई में 58 रुपए और चेन्नई में 60 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है, जबकि एक साल पहले ये कीमतें लगभग आधी थीं। इस बढ़ोतरी के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में मार्च में हुई बेमौसम बारिश से गर्मियों की प्याज की फसल को बड़ा नुकसान पहुंचा था।

इसके अलावा, केंद्रीय एजेंसियों के पास रखे स्टॉक का एक हिस्सा भी खराब हो गया, जिससे बाजार में आपूर्ति प्रभावित हुई। अंतराष्ट्रीय बाजार में भी भारतीय प्याज की मांग कमजोर बनी हुई है, लेकिन इसके बावजूद घरेलू कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल कीमतों में बहुत बड़ी तेजी की संभावना नहीं है। पिछले एक हफ्ते से भाव लगभग स्थिर है।

बाजार से जुड़ी जानकारी के मुताबिक, बीज कंपनियों की खरीद पूरी होने के बाद प्याज के भाव में 5 से 10 रुपए प्रति किलो तक की गिरावट आ सकती है। लंबी अवधि में, रबी फसल के स्टॉक की खपत और खरीफ फसल की आवक के बीच अगस्त से जनवरी तक उपलब्धता और मांग का अंतर कीमतों पर दबाव डाल सकता है।

स्मॉलकैप में म्युचुअल फंड का दबदबा, 64 फीसदी शेयरों में बढ़ाया दांव!

टेनेको क्लीन एयर और केफिन टेक्नोलॉजीज शीर्ष पर

नई दिल्ली।

अगस्त 2026 में म्युचुअल फंडों ने निफ्टी स्मॉलकैप 100 के अधिकांश शेयरों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की सितंबर 2026 की फंड फोलियो रिपोर्ट के मुताबिक, म्युचुअल फंड निफ्टी स्मॉलकैप 100 में शामिल 64 प्रतिशत शेयरों में खरीदार रहे, जो बाजार में उनके बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। सबसे ज्यादा खरीदारी टेनेको क्लीन एयर इंडिया और केफिन टेक्नोलॉजीज में देखी गई। रिपोर्ट बताती है कि टेनेको क्लीन एयर इंडिया में फंडों की होल्डिंग सबसे ज्यादा 129.5 प्रतिशत बढ़कर 5.82 करोड़ शेयर हो गई, जिसका मूल्य अगस्त के अंत तक लगभग 80.8 अरब रुपये था। इसके बाद केफिन टेक्नोलॉजीज में म्युचुअल फंड की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत बढ़कर 4.51 करोड़ शेयर हो गई। अर्बन कंपनी में 29.2 प्रतिशत, हिंदुस्तान कॉपर में 28.7 प्रतिशत और एस्टर डीएम हेल्थकेयर में 27.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, कुछ शेयरों में फंडों ने अपनी हिस्सेदारी घटाई भी है। हिमाद्री स्पेशियलिटी केमिकल में होल्डिंग 56.8 प्रतिशत कम होकर करीब 26 लाख शेयर रह गई, जबकि जीएमडीसी में यह 46.7 प्रतिशत घटी। आईआईएफएल फाइनेंस, एमआरपीएल और सारदा एनर्जी में भी फंडों ने अपनी होल्डिंग कम की। कुल निवेश मूल्य के हिसाब से, खरीदे गए शेयरों में एस्टर डीएम हेल्थकेयर सबसे आगे रहा, जिसमें फंडों की होल्डिंग का मूल्य करीब 129.3 अरब रुपये रहा।

जियो और टी-मोबाइल ने लॉन्च की दुनिया की पहली 5जी एसए रोमिंग सेवा

भारत और अमेरिका के यात्रियों को मिलेगा निर्बाध 5जी स्टैंडअलोन नेटवर्क का अनुभव

मुंबई।

रिलायंस जियो और अमेरिकी दूरसंचार कंपनी टी-मोबाइल ने एक ऐतिहासिक साझेदारी की घोषणा की है। इस समझौते के तहत दोनों कंपनियों के ग्राहक एक-दूसरे के नेटवर्क पर दुनिया की पहली 5जी स्टैंडअलोन (एसए) रोमिंग सेवा का लाभ उठा सकेंगे।

सिनिवर्स के तकनीकी सहयोग से शुरू हुई यह सुविधा भारत और अमेरिका के बीच यात्रा करने वाले उपभोक्ताओं को अंतराष्ट्रीय स्तर पर बिना किसी रुकावट के सिर्फ 5जी नेटवर्क का अनुभव प्रदान करेगी।

दोनों कंपनियों ने संयुक्त बयान में बताया कि यह सेवा इसलिए विशेष है क्योंकि रोमिंग के दौरान ग्राहकों को केवल 5जी स्टैंडअलोन सिग्नल ही मिलेंगे, जिससे डेटा स्पीड और कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व सुधार होगा।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि को सिनिवर्स के तकनीकी मंच ने संभव बनाया है, जिसने दोनों नेटवर्क को सुरक्षित रूप से एकीकृत किया।

टी-मोबाइल के मुख्य नेटवर्क अधिकारी ने बताया कि यह साझेदारी उनके 2020 में शुरू हुए 5जी एसए प्रयासों का विस्तार है, जो अब वैश्विक स्तर पर निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। जियो के अंतराष्ट्रीय नेटवर्क प्रमुख मार्क यारकोस्की ने इस पहल को नई पीढ़ी की क्षमताओं की नींव बताया, जिसमें उपभोक्ताओं और उद्यमों के लिए विशिष्ट सेवाओं के साथ कृत्रिम मेधा आधारित सेवाएं भी शामिल होंगी।

उनका मानना है कि 5जी एसए का भविष्य निर्बाध अंतर-संचालनीयता में निहित है, जो नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा।

फूड इंडस्ट्री में दें अपने भविष्य को उड़ान

कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें न सिर्फ तरह-तरह के पकवान खाना अच्छा लगता है, बल्कि वे अच्छे स्वाद को भी भली-भांति पहचान लेते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं, जिन्हें विशिष्ट प्रकार के व्यंजनों से विशिष्ट लगाव है तो आप अपने इसी लगाव को अपना भविष्य बना सकते हैं। फूड इंडस्ट्री में विकल्पों की भरमार है। लीक से हटकर यह कॅरियर बेहद दिलचस्प होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी है। आइए फूड इंडस्ट्री में मौजूद विकल्पों के बारे में जानें।

फूड क्रिटिक

मार्केट में कौन–से नए फूड प्रोडक्ट आए हैं, इससे लेकर किस रेस्तरां में कौन–से स्वादिष्ट व्यंजन मिलते हैं, इसकी पूरी जानकारी अपनी राइटिंग स्किल के जरिए लोगों तक पहुंचाना फूड क्रिटिक का महत्वपूर्ण काम होता है। फूड क्रिटिक खाने के टेस्ट के साथ ही रेस्तरां की सर्विस के बारे में भी पूरी जानकारी देते हैं। फूड क्रिटिक बनने के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती लेकिन बैचलर डिग्री होनी जरूरी है। बशर्ते आपमें खाने का स्वाद पहचानने, उसे बनाने का तरीका जानने और लिखने की कला होनी चाहिए।

न्यूट्रीशनिस्ट

यदि आप फूड के बारे में वैज्ञानिक तौर पर काफी कुछ जानते हैं तो आप न्यूट्रीशनिस्ट बन सकते हैं। आपको यदि ज्यादा से ज्यादा फूड के बारें में जानकारी हैं कि कौन सा फूड कैसा असर करता है। मोटे होने के लिए क्या खाएं और पतले होने के लिए क्या खाएं। डायबीटिज में क्या खाना फायदेमंद है, हार्ट अटैक से बचने के लिए किन चीजों का सेवन करें या किन चीजों का ना करें, इस तरह की जानकारियां यदि आपकों अच्छी लगती हैं और आपकी इनमें गहरी रूचि है तो आप एक न्यूट्रीशनिस्ट के रूप में अपने कॅरियर को संवार सकतें है

फूड स्टाइलिस्ट

जितना खाने मे टेस्ट का होना जरूरी है, उतना ही खाने का बेहतर और क्रिएटिव दिखना भी जरूरी है। खाने को परोस कर देने का तरीका भी खाने को बेहतर बनाता है। अगर आप में यह स्किल है कि आप किसी भी तरीके के खाने को अच्छी तरह से सजाकर लोगों को उसकी ओर आकर्षित कर सकतें है तो आप फूड स्टाइलिस्ट बन सकतें है। इसकी भी काफी डिमांड है क्योंकि आजकल फाइव स्टार होटल और रेस्तरां में इनकी खासी कमी है। फूड स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव होना काफी जरूरी है।

कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट

सिर्फ फैशन की दुनिया में ही नहीं, बल्कि फूड इंडस्ट्री में भी ट्रेंड बदलते रहते हैं। कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट समय–समय पर फूड को लेकर ग्राहकों की बदलती पसंद या नापसंद की जानकारी अपने क्लाइंट तक पहुंचाते हैं। किस रेस्तरां में कौन–कौन से आइटम परोसे जा रहे हैं। किस रेस्तरां की किस खास चीज को लोग ज्यादा पसंद कर रहे हैं, ये सारी जानकारियां जुटाने का काम कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट का ही है। वे फूड इंडस्ट्री में होने वाले बदलावों को जानने के लिए फूड ब्लॉगर्स पर भी अपनी नजर बनाए रखते हैं।

प्रमुख कोर्स

- केटरिंग टेक्नोलॉजी और कलिनरी ऑर्ट्स में बैचलर डिग्री
- फूड प्रोडक्शन में क्राफ्ट सर्टिफिकेट कोर्स
- फूड और बेवरेज सर्विस में डिप्लोमा
- बेकरी और कनफेक्शनरी में डिप्लोमा
- किचन मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- गेस्ट सर्विस मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- हाउसकीपिंग मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में एडवांस डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- हॉस्पिटैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में एमएससी
- डाइअटेटिक्स और फूड सर्विस मैनेजमेंट में एमएससी

फूड फोटोग्राफर

जिन लोगो को खाना काफी पसंद है और वे कुछ क्रिएटिव करना चाहतें हैं तो वे इन चीजों के साथ फूड फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। फूड फोटोग्राफी वर्तमान में एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन बनकर सामने आया है, जिसकी ओर युवा काफी आकर्षित भी हैं। बतौर फूड फोटोग्राफर आप किसी भी रेस्तरां या मैगजीन के लिए काम कर सकते हैं।

रेस्तरां प्रचारक

किसी रेस्तरां या होटल को फूड ब्लॉगर, मीडिया हाउसेस, मैगजीन या टीवी शो प्रोड्यूसर के माध्यम से आम लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने की जिम्मेदारी रेस्तरां प्रचारक की होती है। इनका अहम मकसद ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपनी रेस्तरां की तरफ आकर्षित करना है।

स्कूल साइकोलॉजी की दुनिया में तराशें रोजगार

आजकल कुछ स्कूलों में मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता की नियमित व्यवस्था की जाती है। यह व्यवस्था विद्यार्थियों और अध्यापकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। मनोविज्ञान अपनी पूर्णता में एक ऐसा क्षेत्र है, जहां करियर से जुड़े अनेक विकल्प हैं। स्कूल साइकोलॉजी इसकी महत्वपूर्ण शाखाओं में एक है। स्कूलों में बढ़ते अपराधों को देखते हुए अब स्कूल साइकोलॉजिस्ट की मांग तेजी से बढ़ रही है।

कूल साइकोलॉजिस्ट किसी भी स्कूल की टीम के मुख्य सदस्य होते हैं, जो शैक्षिक मनोविज्ञान, बाल मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान और सामुदायिक मनोविज्ञान के सिद्धांतो का पालन कर छात्रों में सीखने की क्षमता और अध्यापकों में सिखाने की क्षमता का विकास करते हैं। स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के भावनात्मक, व्यवहारिक, और शैक्षिक जरूरतों का अध्ययन कर उनकी समस्याओं का हल करने का हरसंभव प्रयास करते हैं। अगर आपकी रुचि बच्चों के मनोभाव को जानने और उनके डिप्रेशन को दूर करने की दिशा में है तो आप स्कूल साइकोलॉजिस्ट का कॅरियर चुन सकते हैं। आजकल बच्चे सबसे ज्यादा डिप्रेशन का शिकार होते हैं। यही वजह है कि इस क्षेत्र में कॅरियर की भरपूर संभावनाएं पैदा हो रही हैं। ऐसे में आप साइकोलॉजिकल काउंसलिंग करके बच्चों के भविष्य को खराब होने से बचा सकते हैं।

स्कूल साइकोलॉजिस्ट के कार्य

- स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के विकास की विशेषताओं को समझने में शिक्षक की सहायता करता है।
- प्रत्येक छात्र विकास की कुछ निश्चित अवस्थाओं से गुजरता है जैसे शैशवास्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था और प्रौढ़ावस्था। विकास की दृष्टि से इन अवस्थाओं की विशिष्ट विशेषताएं होती हैं। यदि शिक्षक इन विभिन्न अवस्थाओं की विशेषताओं से परिचित होता है तो वह अपने छात्रों को भली प्रकार समझ सकता है और छात्रों को उसी प्रकार निर्देशन देकर उनको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता कर सकता है। इस बारे में पूर्ण जानकारी भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट ही टीचर को देता है।
- बच्चों के नेचर को जानने की कोशिश करता है।
- शिक्षा की प्रकृति एवं उद्देश्यों को समझने में सहायता प्रदान करता है।
- बच्चों की वृद्धि और विकास के बारे में शिक्षकों को ज्ञान देता है।
- बच्चों के अच्छे समायोजन में मदद करता है और कुसमायोजन से बचाता है।
- स्कूल मनोवैज्ञानिक कुछ खास बच्चों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी शिक्षक को देता है, जिससे शिक्षक उन बच्चों को अपनी क्लास में पहचान सकें और उनकी आवश्यकतानुसार मदद कर सकें। उनके लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन कर सकें और फिर उन्हें परामर्श दे सकें।
- मानसिक रूप से स्वस्थ बच्चों के लक्षणों को पहचानना और ऐसा प्रयास करना कि उनकी इस स्वस्थता को बनाए रखा जा सके, यह कार्य भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट का ही होता है।

शैक्षणिक योग्यता

आप किसी भी विषय में इंटरमीडिएट पास करने के बाद साइकोलॉजी विषय में ग्रेजुएशन कर सकते हैं। आम तौर पर इसमें बैचलर ऑफ आर्ट्स यानी बीए की डिग्री दी जाती है लेकिन अगर आपने साइंस से इंटर पास किया है तो साइकोलॉजी में बीएससी ऑनर्स भी कर सकते हैं। फिर पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद पीएचडी या एमफिल किया जा सकता है।

कहां काम करते हैं स्कूल साइकोलॉजिस्ट

- पब्लिक और प्राइवेट स्कूल
- यूनिवर्सिटीज
- स्कूल आधारित स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र
- कम्यूनिटी आधारित डे ट्रीटमेंट या आवासीय क्लीनिक और अस्पताल
- बाल न्याय केंद्र
- प्राइवेट प्रैक्टिस

पर्सनल स्किल

- बेहतर कम्युनिकेशन स्किल
- धैर्य और सहजता
- सभी उम्र के लोगों के साथ काम करने की कला
- आत्मविश्वास
- क्लाइंट को संतुष्ट करने की योग्यता
- लोगों की मदद करने का पैशन
- काम के प्रति लगाव
- संवेदनशीलता
- सहानुभूति की भावना

कहां से करें पढ़ाई

- लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमन
- जीसस एंड मैरी कॉलेज
- प्रेसिडेंसी कॉलेज, चेन्नई
- क्रिस्ट यूनिवर्सिटी, क्रिस्ट कॉलेज
- सोफिया कॉलेज फॉर विमन
- कमला नेहरु कॉलेज फॉर विमन
- मिठिबाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स
- यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- गार्गी कॉलेज
- जय हिंद कॉलेज
- जामिया मिलिया इस्लामिया
- ज्योति निवास कॉलेज
- विल्सन कॉलेज, मुंबई
- एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर
- यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ
- आशुतोष कॉलेज
- नेयानल डिग्री कॉलेज, जया नगर
- भीम राव अम्बेडकर कॉलेज

प्रेजेंटेशन स्किल्स से मिलेगी कामयाबी

प्रेजेंटेशन में सामने वाले को बोर नहीं, बल्कि इंप्रेस करें। तब आपको कामयाबी मिलेगी। सबसे असरदार कंटेंट भी बिल्कुल बेअसर हो जाता है, जब प्रेजेंटर का स्टाइल उसके अनुरूप न हो। कई लोग प्रेजेंटेशन के दौरान नर्वस हो जाते हैं, जिसका असर उनके बोलने और बॉडी लैंग्वेज पर पड़ता है। यही कुछ रुकावटें हैं, जिन पर काबू पाना जरूरी होता है। आत्मविश्वास बढ़ने के साथ–साथ यह कमियां दूर हो जाती हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अभ्यास, लचीलापन और अपने कंटेंट की गहरी जानकारी बेहद जरूरी होती है।

कटेंट पर ध्यान दें

आपके पास पहले से रोचक, संपूर्ण और सबका ध्यान खींचने वाला कंटेंट होना चाहिए। साथ ही उस मैटेरियल को सबके सामने रखने का आत्मविश्वास भी जरूरी है। अपने माहौल की समझ के साथ–साथ आपको यह ध्यान रखना भी आवश्यक होता है कि आपके संदेश का असर अधिकाधिक लोगों तक पहुंचे। वहीं अपने कंटेंट को तैयार करना इस पर भी निर्भर करता है कि आप किस किस्म की प्रेजेंटेशन देने जा रहे हैं। फिर भी जरूरी है कि आप मुख्य बिंदुओं की पहचान कर लें। यह जरूरी नहीं होता कि प्रत्येक डिटेल श्रोताओं के सामने रखी जाए।

स्टाइल पर ध्यान दें

प्रेजेंटर का स्टाइल ही एक अच्छे प्रेजेंटेशन के लिए जरूरी होता है। इसलिए अपनी स्टाइल और बात करने के तरीके पर खास ध्यान दें।

पूरी जानकारी दें

बेहतर प्रेजेंटेशन दर्शकों को विषय के बारे में अतिरिक्त जानकारी देती है, इसलिए जरूरी है कि विषय की आउटलाइन से शुरुआत की जाए। श्रोताओं को बताएं कि आप क्या विषय उठाना चाहते हैं, ताकि उनकी अपेक्षाएं शुरू में ही स्पष्ट हो जाएं। इससे विषय के प्रति कौतुहल भी बना रहता है।

उदाहरण से बनेगी बात

एक अन्य तथ्य यह है कि प्रेजेंटेशन की शुरुआत और अंत जोरदार तरीके से हो। यदि शुरुआत में आप श्रोताओं का ध्यान नहीं खींच पाते है तो यह आपके पक्ष में नहीं जाता। साथ ही बीच–बीच में रोचक उदाहरण देना भी जरूरी होते हैं।

सुनने वाले के बारे में जानें

आपको सुनने वालों के बारे में सबसे पहले पता लगाना चाहिए कि वे कौन हैं? इसके बाद यह जानना जरूरी होता है कि प्रेजेंटेशन से वे क्या चाहते हैं? उनके लिए क्या सूचना नई होगी और क्या पुरानी? क्या उनकी कुछ विशेष जरूरतें हैं, जिनका आपको ध्यान रखना चाहिए? इसके लिए जरूरी है कि अपनी प्रेजन्टेशन की आउटलाइन आपको स्पष्ट हो। दरअसल, आपको सुनने वाले यदि संतुष्ट होते हैं तो समझिए कि आपकी प्रेजेंटेशन सफल रही।

एशियन गेम्सः क्वार्टर फाइनल में नॉर्थ कोरिया से होगा मुकाबला

महिला टेबल टेनिस टीम ने थाईलैंड को हराया

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की महिला टेबल टेनिस टीम ने मंगलवार को थाईलैंड को हराते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने 2-1 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए थाईलैंड को 3-2 से हराया और क्वार्टर फाइनल में पहुंची। क्वार्टर फाइनल में भारतीय टीम का सामना नॉर्थ कोरिया से होगा। यशस्विनी घोरपड़े ने दो जीत के साथ भारत को मुकाबले में बनाए रखा, जबकि श्रीजा अकुला ने ओलंपियन और एशियन गेम्स मेडलिस्ट सुथासिनी सावेत्ताबुत पर 3-1 (9-11, 11-6, 12-10, 11-8) से जीत हासिल करके मुकाबला पक्का कर दिया।

भारत ने अब तक एशियन गेम्स टेबल टेनिस में तीन कांस्य पदक जीते हैं। यह सफलता जकार्ता 2018 में मिली थी, जहां

भारतीय पुरुष टीम ने एशियन गेम्स में देश के लिए पहला टेबल टेनिस मेडल जीता। इसके बाद शरत कमल और मनिका बत्रा ने मिक्स्ड डबल्स में एक और कांस्य पदक जीता। हांगझोऊ 2023 में, सुतीर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी ने महिला डबल्स में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले, भारत के कराटे खिलाड़ी चेतन भट्ट मंगलवार को कांस्य पदक मैच में चीनी ताइपे के चुंग मेंग-यू से सेंशु के हाथों हारने के बाद पुरुषों की 84 किग्रा कुमाइट में पोडियम फिनिश से चूक गए। कांस्य पदक के मुकाबले में, चेतन का मुकाबला चीनी ताइपे के मेंग-यू चू से हुआ। स्कोर 1-1 से बराबर था और मेंग-यू को सेंशु के जरिए विजेता घोषित किया गया।भट्ट इससे पहले अपना सेमीफाइनल जॉर्डन के मोहम्मद अलजा'फारी से 8-0 से हार गए थे।

एशियन गेम्स 2026: महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में हारीं पीवी सिंधु

जापान ने बनाई 1-0 की बढ़त

चिनोमिया सिटी । भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में खेला गया, जहां यामागुची ने सिंधु को हराकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। पहला गेम टाई-ब्रेक में जीतने के बाद सिंधु तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन यामागुची से 21-23, 21-18, 21-11 से हार गईं, जिससे जापान को क्वार्टर फाइनल में 1-0 की बढ़त मिल गई। उन्नति हुड्डा दूसरे मुकाबले में टोमोका मियाजाकी के खिलाफ भारत के लिए स्कोर

बराबर करने की कोशिश करेंगी। इस मैच से पहले, दोनों खिलाड़ी 30 बार आमने-सामने हो चुकी थीं, जिसमें सिंधु 16 जीत के साथ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में आगे थीं। मंगलवार की हार के बाद दोनों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 16-15 हो गया है, जो अभी भी सिंधु के पक्ष में है।

सिंधु ने 6-10 के अंतर को पाटते हुए अच्छा खेल दिखाया और स्कोर 12-12 तक पहुंचाया। इसके बाद 15-18 से पिछड़ने के बाद वापसी की और एक गेम प्वाइंट बचाकर पहला गेम 23-21 से जीता। दूसरे गेम में, 12-17 से पिछड़ने के बाद सिंधु ने तेजी से कुछ प्वाइंट हासिल किए और अंतर को 16-18 तक कम कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

466 विकेट लेने वाले अंग्रेज गेंदबाज का क्रिकेट से संन्यास

थमा 2 वर्ल्ड कप जीतने वाले तेज गेंदबाज का सफर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 36 वर्षीय मार्क वुड ने अपने क्रिकेट करियर में फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए और टी20 क्रिकेट को मिलाकर कुल 466 विकेट लिए। दो विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम का हिस्सा रहे मार्क वुड अपनी तेज रफ्तार और खतरनाक गेंदबाजी के लिए पहचाने जाते हैं।

मार्क वुड ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 255, लिस्ट ए

में 126 और टी20 क्रिकेट में 85 विकेट लिए। इसके अलावा उन्होंने कुल 2341 रन (1977 प्रथम श्रेणी, 230 लिस्ट ए और 134 टी20 मैच) भी बनाए। लगातार चोटों से जूझने के कारण मार्क वुड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया।

टेस्ट मैचों में लिए 119 विकेट– दो बार वर्ल्ड कप जीतने वाले और अपनी पीढ़ी के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक मार्क वुड ने 2015 में लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू करने के बाद 38 टेस्ट मैचों में 119 विकेट लिए। मार्क वुड ने 70 वनडे इंटरनेशनल में 80 और 38 टी20 इंटरनेशनल मैचों में कुल 54 विकेट लिए। उन्होंने टेस्ट में 811,

भारत-जापान टी20 मैच से पहले 'वंदे मातरम' की गूंज

खिलाड़ियों और दर्शकों ने मिलकर गाया राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला कान्टो के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। इस मुकाबले में बारिश के कारण मैच देरी से शुरू हुआ और 5-5 ओवर का मैच शुरू हुआ। इस मुकाबले से पहले सानो में ऐतिहासिक पल देखने को मिला। राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम् गूंजा। इससे पहले भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज के पहले मैच से पूर्व भी नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में

यही देखने को मिला था। वहां भी वंदे मातरम् गूंजा था। ऐसा ही नजारा जापान के कान्टो में दिखा जहां, भारतीय खिलाड़ियों और दर्शकों ने मिलकर पहले वंदे मातरम् गाया और फिर राष्ट्रगान हुआ।

श्रेयस अय्यर ने चुनी पहले बल्लेबाजी

आपको बता दें कि भारत और जापान के बीच यह मुकाबला दोनों देशों के बीच राजनीतिक रिश्तों की 75वीं वर्षगांठ को सेलिब्रेट करने के लिए खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बारिश के कारण मुकाबला तीन घंटे की देरी से शुरू हुआ। यह मैच 5-5 ओवर का हो रहा है और कुल 10 ओवर का एक्शन फैंस को देखने को मिलेगा।

'यह गर्व का पल है'

आईओए प्रमुख पीटी उषा ने गोल्ड मेडल जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को दी बधाई

निशिन । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीतने के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की है। उन्होंने इस पल को गर्व का क्षण बताया और उम्मीद जताई कि आइची-नागोया में चल रहे एशियन गेम्स में भारतीय दल और भी कई गोल्ड मेडल जीतेगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने जापानी एशियाई खेल आयोजन समिति से एशियन गेम्स में क्रिकेट को शामिल करने का आग्रह किया था, ठीक वैसे ही जैसे यह हांग्जो 2023 खेलों का हिस्सा था। पीटी उषा ने 'आईएएनएस' के साथ एक खास बातचीत में कहा, 'मुझे खुशी है कि महिला क्रिकेटर्स ने गोल्ड मेडल जीता और इसमें कोई शक नहीं कि हमें और भी गोल्ड मेडल मिलेंगे। मैंने जापान एशियाई खेल आयोजन समिति की समन्वय समिति से खेलों में पुरुष और महिला क्रिकेट को शामिल करने का अनुरोध किया था। मैं क्रिकेट देखना चाहती थी और मुझे खुशी है कि खिलाड़ियों ने गोल्ड मेडल

जीता है। यह गर्व का पल है।' आईओए अध्यक्ष जीत के बाद महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात करेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं यहां उनसे पहले नहीं मिल पाई थी; हम पहले कई बार मिल चुके हैं लेकिन मैं उनसे यहां भी मिलूंगी। मैंने उनका खेल देखा था जब वे यहां खेल रही थीं।' भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपना गोल्ड मेडल बचाने के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया।

फाइनल में स्मृति मंधाना ने 79 रनों की दमदार पारी खेली जबकि शेफाली वर्मा ने 29 गेंदों में 48 रन बनाए। वहीं, ऋचा घोष ने 22 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाए, जिसके दम पर भारतीय टीम 3 विकेट खोकर 216 रन स्कोरबोर्ड पर लाने में सफल रही। वहीं, गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने मिलकर 9 विकेट लिए और भारत को 147 रनों की बड़ी जीत दिलाई। 217 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम महज 69 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मौजूदा एशियन गेम्स में यह भारत का पहला और कुल मिलाकर सातवां गोल्ड मेडल है। भारतीय महिला टीम ने एशियन गेम्स के पिछले संस्करण में भी गोल्ड मेडल जीता था और अब उसी टीम के खिलाफ अपने खिताब का बचाव किया है।

कप्तान अय्यर ने की जापान की तारीफ

कहा- उनका प्रदर्शन शानदार रहा

सानो । एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और जापान का रोमांचक मुकाबला खेला गया। बारिश और गीले मैदान की वजह से मैच 20-20 ओवरों की जगह 5-5 ओवरों का खेला गया।

भारतीय टीम ने 2 रन से यह मैच जीता। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर प्लेयर ऑफ द मैच रहे। अय्यर ने मैच के बाद जापान टीम की तारीफ की। मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने के बाद श्रेयस ने कहा, 'सच कहूं तो, यह बल्लेबाजी के लिए बहुत मुश्किल विकेट था। हमने ओपनर्स को भी देखा, जो लगातार रन बनाने के आदी हैं, स्पिन की पेस को समझ नहीं पा रहे थे। मैं जब अंदर आया तो मैंने तय किया कि सिंगल्स और डबल्स लेना और जितना हो सके स्ट्राइक रोटेट करना जरूरी है। मैंने अपने साथ आए बल्लेबाज से भी बात की, लेकिन वह भी करना मुश्किल था। मैंने बस यह तय किया कि मैं गेंद की मेरिट पर खेलूंगा और देखूंगा, उसी के हिसाब से प्लान बनाऊंगा।

अगर बॉल घूम ले रही है और थोड़ी रुक रही है, तो मैं बस बॉल की पेस का इस्तेमाल करूंगा और खुद को पीछे रोककर देखूंगा कि मैं सिंगल्स और डबल्स ले सकूं। तो यह काफी अच्छा रहा।' अय्यर ने कहा, 'मैं हमेशा कहता रहता हूं कि पांच ओवर का गेम कहीं भी जा सकता है।

पुरुष क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास

200 टी20 मैच जीतने वाली पहली टीम बनी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में मेजबान जापान को 2 रन से हरा दिया। टी20 क्रिकेट में भारत की यह 200वीं जीत थी। 200 टी20 मैच जीतने वाली भारत पहली टीम है। भारत ने अपने पहला टी20 मैच में ही पहली जीत दर्ज की थी। एक दिसंबर 2006 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच में भारत ने 6 विकेट से जीत दर्ज की। भारत ने अपना 50वां जीत 2017 में श्रीलंका के खिलाफ हासिल किया था। टीम इंडिया ने कोलंबो में खेले गए इस मैच में 7 विकेट से जीत

हासिल की थी। भारत ने अपनी 100वीं जीत 2022 में कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ 8 रन से, 150वीं जीत 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 रन से और 200वीं जीत 2026 में जापान के खिलाफ 2 रन से हासिल की है। भारतीय टीम 50 जीत के लिए 83 मैच, 51 से 100 जीत का आंकड़ा हासिल करने के लिए 72 मैच, 101 से 150 जीत तक पहुंचने के लिए 70 मैच और 151 से 200 जीत तक पहुंचने के लिए 66 मैच खेले। भारतीय टीम ने अपनी आखिरी 50 जीत के लिए सबसे कम मैच खेले हैं।

भारत-जापान मैच की बात करें तो सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। भारतीय टीम की बल्लेबाजी निराशाजनक रही थी। बारिश की वजह से गीले मैदान के कारण मैच 20 ओवर की जगह मात्र 5-5 ओवर का हुआ।

भारतीय टीम ने 4 विकेट खोकर 32 रन बनाए। सर्वाधिक 16 रन कप्तान श्रेयस अय्यर ने बनाए। 33 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी जापान 5 ओवर में 3 विकेट पर 30 रन ही बना सकी और 2 रन से मैच हार गई।

शैफाली वर्मा कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा WT20I रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं

नहीं तोड़ पाईं पाकिस्तानी जोड़ी का एशियन गेम्स का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज शैफाली वर्मा ने 2026 में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। शैफाली वर्मा महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। शैफाली वर्मा ने इस मामले में दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट को पीछे छोड़ा।

क्रिकबज के आंकड़ों के मुताबिक, लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 2026 में अब तक 863 रन बनाए हैं। हालांकि, एशियन गेम्स 2026 में श्रीलंका के खिलाफ स्मृति मंधाना के साथ उनकी 99 रन की साझेदारी उन्हें इस प्रतियोगिता (महिला वर्ग) में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी के रिकॉर्ड तक नहीं पहुंचा पाई।

एशियन गेम्स का यह रिकॉर्ड पाकिस्तान की आयशा जफर और शवाल जुल्फिकार के नाम है। आयशा जफर और शवाल जुल्फिकार ने एशियन गेम्स 2026 में श्रीलंका के खिलाफ 115 रन की साझेदारी की थी।

शैफाली वर्मा ने 2026 में महिला ञ्ज20ढ्ढ क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उनके नाम इस कैलेंडर ईयर में 863 रन हो गए हैं। इसके साथ ही वह एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा महिला ञ्ज20ढ्ढ रन बनाने वाली बैटर बन गई हैं। इस सूची में दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट 824 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। हॉन्गकॉन्ग की नताशा माइल्स ने 800 रन के साथ तीसरे और संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओजा 779 रन के साथ चौथे नंबर पर हैं।

स्मृति ने रचा इतिहास

11000 रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार बैटर स्मृति मंधाना ने एक बार फिर खुद को बड़ी मैच की खिलाड़ी साबित किया। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के फाइनल (गोल्ड मेडल मैच) में बेहतरीन अर्धशतक जड़ा। उन्होंने इस पारी में अपना 37वां टी20 इंटरनेशनल अर्धशतक लगाया। स्मृति ने पारी में 13 रन बनाते ही एक खास मुकाम भी महिला क्रिकेट में हासिल कर लिया है।

हाल ही में स्मृति मंधाना ने मिताली राज को पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा महिला इंटरनेशनल रन का रिकॉर्ड बनाया था। अब वह 11 हजार रन महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे कर चुकी हैं। वह महिला क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी बनी हैं। उन्होंने अपने 308वें इंटरनेशनल मैच में यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं उन्होंने अपनी साथी ओपनर शैफाली वर्मा के साथ भी तीन बड़े रिकॉर्ड बनाए।

सबसे ज्यादा रन बनाने वाली 5 खिलाड़ी

स्मृति मंधाना (भारत): 11060* रन
मिताली राज (भारत): 10868 रन
सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड): 10740 रन
शार्लेट एडवर्ड्स (इंग्लैंड): 10273 रन
स्टेफनी टेलर (वेस्टइंडीज): 10005 रन

क्रेडिट विवाद के बीच अमाल मलिक ने दी चेतावनी

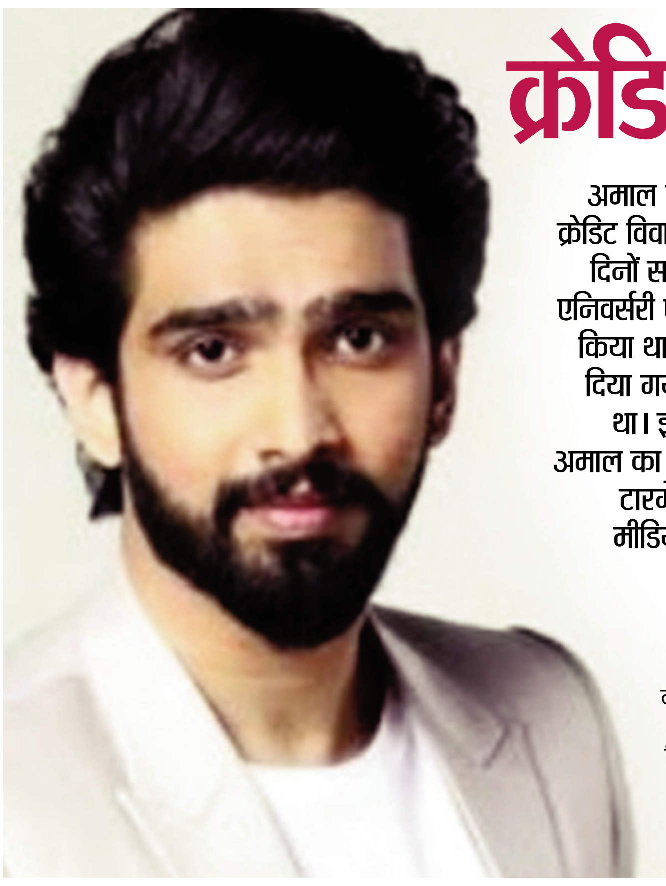

अमाल मलिक इन दिनों 'मैं हूं हीरो तेरा' गाने के क्रेडिट विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, बीते दिनों सलमान खान फिल्म्स ने फिल्म 'हीरो' की एनिवर्सरी पर 'मैं हूं हीरो तेरा' गाने का वीडियो साझा किया था। कैप्शन में अमाल मलिक का नाम नहीं दिया गया, जबकि यह गाना उन्होंने कंपोज किया था। इस पर अमाल ने नाराजगी जाहिर की थी। अमाल का आरोप है कि इसके बाद उनके परिवार को टारगेट किया गया। इस बीच अमाल ने सोशल मीडिया पर ट्रोल करने वालों को एलर्ट किया है।

एक शब्द भी बर्दाश्त नहीं होगा

'मैं हूं हीरो तेरा' गाने के क्रेडिट विवाद के बीच अमाल मलिक ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए चेतावनी दी है। उन्होंने ट्रोल्स को सख्त संदेश दिया है कि वे अपने रिस्क पर ही उनसे भिड़ें, क्योंकि वे अपने परिवार के खिलाफ एक शब्द भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। अमाल ने खुद को म्यूजिक का शाहरुख खान बताया। साथ ही यह भी साफ किया कि उनका गुस्सा सलमान खान और संजय दत्त जैसा है। अमाल ने एक्स पर पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने अपनी आलोचना और परिवार पर हमलों के बीच साफ फर्क बताया और कहा कि परिवार पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। अमाल ने लिखा, 'दुनिया के हर सोशल प्लेटफॉर्म पर मौजूद सभी दर्शकों के लिए एक जरूरी चेतावनी... मेरे परिवार के बारे में एक भी शब्द बर्दाश्त नहीं किया जाएगा'।

क्रेडिट न मिलने पर फिर जताई नाराजगी

अमाल ने आगे लिखा है, 'सबसे पहले, यह जान लें कि अरमान मलिक ने इसका मेन वर्जन गाया है, जिसकी वजह से इसे एक्टर-प्रोड्यूसर सलमान खान और डायरेक्टर निखिल आडवाणी के सामने पेश किया जा सका। मैंने इसे बनाया, कुमार सर ने इसके बोल लिखे और अरमान मलिक ने इसे गाया, इसलिए इसे मंजूरी मिली और फिर सलमान खान सर ने इसे गाया। चीजें इसी तरह होती हैं और ठीक ऐसा ही हुआ, ठीक है? आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मेरे और कुमार सर के बिना, गाने के लिए कोई गाना ही नहीं होता। अरमान के बिना, सलमान सर को सुनाने के लिए कुछ नहीं होता। सलमान खान के चेहरे और आवाज वाले वर्जन के बिना, यह गाना आज जिस मुकाम पर है, वहां नहीं पहुंच पाता। मैंने कभी इससे इनकार नहीं किया, लेकिन क्या कोई कभी रुककर यह सोचता है कि एक गाना बनाने में कितनी मेहनत लगती है और फिर हर साल हर सेलिब्रेशन पोस्ट में उसे नजरअंदाज कर दिया जाता है'?

सलमान और संजय दत्त वाला गुस्सा है मेरा

म्यूजिक कंपोजर ने यह चेतावनी भी दी कि जो लोग उनके परिवार को निशाना बनाएंगे, वे उनका पर्दाफाश करेंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने पिता डब्बू मलिक और अपने परिवार के साथ खड़े रहे हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। अमाल ने कहा, 'अगर मैंने आपमें से किसी को भी अपने परिवार के खिलाफ कुछ भी कहते हुए पाया, तो मैं आप सभी का पर्दाफाश कर दूंगा। साथ ही, अगर फिल्म इंडस्ट्री से कोई भी बिना किसी ठोस वजह के मेरे या मेरे परिवार के खिलाफ खड़ा होता है, तो सावधान हो जाइए, मैं आपसे निपट लूंगा। मैं म्यूजिक की दुनिया का स्त्र्ख्र हूं, लेकिन मेरा गुस्सा सलमान खान और संजय दत्त जैसा है। यह सब शायद दूसरों के साथ चल जाता होगा, लेकिन डब्बू मलिक और उनके परिवार के साथ बिल्कुल नहीं'।

पुलिस एक्शन की कही बात

अमाल मलिक ने आगे लिखा है, 'अपने परिवार के साथ अमाल मलिक खड़ा था, है और हमेशा रहेगा। इसलिए, मुझसे उलझने से पहले सोच लेना। मैं तुम्हारा IP एड्रेस खोजकर तुम्हें ढूंढूंगा और तुम में से हर एक के खिलाफ खुद एफआईआर दर्ज कराऊंगा, चाहे तुम फिल्म इंडस्ट्री से हो या आम जनता हो'। अमाल के पोस्ट पर फैंस सपोर्ट कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'यह मुद्दा चार दिन पहले ही खत्म हो गया तो फिर से इस तरह की पोस्ट करके क्यों बात बढ़ाई जाए'।

साजिद और आर बाल्की की फिल्म में नजर आएंगे आमिर खान

खबर सामने आ रही है कि आमिर खान एक नई सुपरहीरो फिल्म के लिए निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक आर बाल्की के साथ बातचीत कर रहे हैं।

क्या सुपरहीरो फिल्म में नजर आएंगे आमिर?

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक आर बाल्की की अगली फिल्म अभी शुरुआती दौर में है और इसकी स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। आमिर खान को इस प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किया गया है और उन्होंने इसमें दिलचस्पी भी दिखाई है। हालांकि, उन्होंने अभी फिल्म साइन नहीं की है। बताया जा रहा है कि आने वाले कुछ महीनों में फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और मुख्य किरदार को तैयार करने पर काम किया जाएगा। फिल्म को बड़े स्तर पर बनाने का प्लान है, इसलिए इसके लुक और प्रोडक्शन डिजाइन पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।

साजिद और आर बाल्की के साथ हो सकती है पहली फिल्म

आमिर खान किसी भी फिल्म को साइन करने से पहले उसकी स्क्रिप्ट पर काफी समय देते हैं। वह तभी किसी प्रोजेक्ट के लिए हां करते हैं, जब उन्हें कहानी पूरी तरह पसंद आती है। ऐसे में इस फिल्म को लेकर भी आमिर और मेकर्स के बीच लगातार बातचीत होने की खबर है। अगर यह फिल्म बनती है तो यह आमिर खान की साजिद नाडियाडवाला और आर बाल्की के साथ पहली फिल्म होगी। आमिर और साजिद काफी समय से दोस्त हैं, लेकिन दोनों ने अब तक साथ में किसी फिल्म पर काम नहीं किया है। वहीं, आर बाल्की अपनी अलग तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'चीनी कम', 'पा', 'की एंड का', 'पैडमैन' और 'चुप: रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। ऐसे में आमिर के साथ उनका सुपरहीरो प्रोजेक्ट इस जॉनर से कुछ अलग हो सकता है।
आमिर की फिलहाल पक्की फिल्म 'ललकारा' है, जिसका निर्देशन आशुतोष गोवारिकर कर रहे हैं। यह पीरियड स्पोर्ट्स ड्रामा 1952 की चर्चित भारत-पाकिस्तान टेस्ट सीरीज पर आधारित है। इसकी शूटिंग नवंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। इसके बाद आमिर के राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम करने की भी खबर है।

राम पोथिनेनी की फिल्म 'रैपो 23' में नजर आएंगी संयुक्ता

संयुक्ता के जन्मदिन पर उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बड़ी खुशखबरियां मिली हैं। एक्ट्रेस के जन्मदिन के खास मौके पर उनकी आने वाली दो फिल्मों से जुड़े महत्वपूर्ण अपडेट सामने आए हैं। पहली खबर यह है कि संयुक्ता अब अभिनेता राम पोथिनेनी की आने वाली फिल्म 'रैपो 23' में नजर आएंगी। दूसरी ओर, निखिल सिद्धार्थ की ऐतिहासिक फिल्म 'स्वयंभू' में भी दिखाई देंगी। 'रैपो 23' राम पोथिनेनी के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म है। खास बात यह है कि राम इस फिल्म में केवल अभिनय ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि फिल्म की कहानी लिखने के साथ इसका निर्देशन भी कर रहे हैं।

'स्वयंभू' में योद्धा भूमि के किरदार में दिखेंगी संयुक्ता

संयुक्ता के जन्मदिन पर उनकी दूसरी फिल्म 'स्वयंभू' से भी खास खबर सामने आई। फिल्म के निर्माताओं ने एक विशेष वीडियो जारी किया, जिसमें

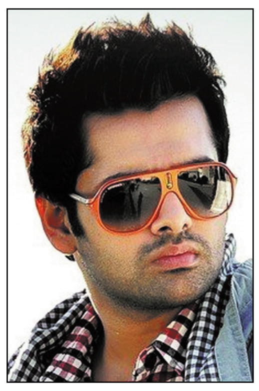

संयुक्ता को अपने किरदार 'भूमि' की तैयारी करते हुए दिखाया गया है। फिल्म की कहानी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बेस्ड है और इसमें बड़े स्तर पर युद्ध और एक्शन के दृश्य देखने को मिलेंगे।

क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'बाराबंकी' में नजर आएंगी बिपाशा बसु

बिपाशा बसु करीब 6 साल बाद परदे पर वापसी करने जा रही हैं। हंसल मेहता की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'बाराबंकी' में वह लीड रोल में नजर आएंगी। बिपाशा ने पिछले महीने ही मुंबई में सीरीज की शूटिंग शुरू कर दी है। यह प्रोजेक्ट उनके लिए खास है, क्योंकि हंसल के साथ यह उनका पहला काम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बिपाशा को कहानी सुनते ही अपना किरदार पसंद आ गया और उन्होंने तुरंत सीरीज के लिए हामी भर दी। इस सीरीज के लिए उनका एक नया लुक भी तैयार किया गया है। इसमें विशाल जेठवा और सनी कौशल भी दिखेंगे। 'बाराबंकी' 1984 की पृष्ठभूमि में सेट है और सेवानिवृत्त IPS अधिकारी आलोक लाल की किताब पर बेस्ड है। इसमें उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में अफीम के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए गए बड़े पुलिस कैंपेन पर कहानी केंद्रित है। इसमें एक ईमानदार अधिकारी के बड़े ड्रग कार्टेल के खिलाफ संघर्ष को दिखाया जाएगा।

कृति खरबंदा ने पूरे किए बॉलीवुड में 10 साल

हिंदी फिल्म डेब्यू के 10 साल पूरे होने के मौके पर कृति खरबंदा का अब तक का सफर एक ऐसी अभिनेत्री की कहानी है, जिसने समय के साथ अलग-अलग तरह के किरदारों और कहानियों को अपनाया और अपने काम के नए पहलुओं को सामने रखा। 'राज़ रीबूट' के बाद कृति ने 'शादी में ज़रूर आना', 'वीरे दी वेडिंग', 'हाउसफुल 4', 'पागलपंती' और 'तैश' जैसी फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्होंने रोमांस, कॉमेडी, ड्रामा और थ्रिलर जैसे अलग-अलग जॉनर में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कभी वह रोमांटिक कहानी का हिस्सा बनीं, तो कभी बड़े स्टारकास्ट वाली कॉमेडी फिल्मों में नजर आईं। वहीं, 'तैश' जैसी फिल्म ने उन्हें एक अलग तरह की कहानी का हिस्सा बनने का मौका दिया। उनके करियर में हर फिल्म एक अलग अनुभव लेकर आई और उनके काम में नए रंग जोड़ती गई। कृति के पिछले 10 सालों की एक खास बात यह रही है कि उन्होंने खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म तक सीमित नहीं रखा। कमर्शियल एंटरटेनर्स से लेकर गंभीर और भावनात्मक कहानियों तक, उन्होंने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्हें अलग-अलग कलाकारों और फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका भी मिला, जिससे उनके अभिनय के सफर में लगातार नए अनुभव जुड़ते गए। बदलते समय के साथ कृति ने ओटीटी की दुनिया में भी कदम रखा। 'राणा नायडू 2' के साथ उन्होंने एक लोकप्रिय स्ट्रीमिंग फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा बनकर अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ा। थिएटर में फिल्मों के बाद ओटीटी पर काम करने का अनुभव उनके लिए एक अलग माध्यम में खुद को एक्सप्लोर करने का मौका लेकर आया।

दमदार और एक्शन से भरपूर होगा 'एंटनी' में सनी का किरदार

सनी देओल इन दिनों लगातार अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। 'गदर 2' की जबरदस्त सफलता के बाद एक्टर का एक्शन अवतार एक बार फिर दर्शकों के बीच पसंद किया जा रहा है। सनी की आने वाली फिल्मों में एक नाम 'एंटनी' का है। इस फिल्म में वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म को लेकर अब यह जानकारी सामने आई है कि इसमें सनी का किरदार काफी दमदार और एक्शन से भरपूर होगा। फिल्म की कहानी और सनी देओल के किरदार को फिलहाल निर्माताओं ने काफी हद तक गुप्त रखा है। 'एंटनी' की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। हाल ही में सनी देओल ने फिल्म के लिए एक महत्वपूर्ण सीन की शूटिंग की है। इसमें तेज रफ्तार गाड़ियों का पीछा करने वाले दृश्य भी शामिल हैं। फिल्म में सनी के साथ विजय वर्मा भी नजर आएंगे। विजय फिल्म में खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। वह पहली बार सनी देओल के साथ इस तरह की एक्शन फिल्म में काम कर रहे हैं। विजय ने सनी देओल के साथ काम करने को लेकर अपनी खुशी भी जाहिर की है।

लालो... के तेलुगु रीमेक में विजय देवरकोंडा बनेंगे श्रीकृष्ण

गुजराती ब्लॉकबस्टर फिल्म 'लालो: कृष्ण सदा सहायते' के तेलुगु रीमेक को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पहले खबरें थीं कि फिल्म में राम चरण श्रीकृष्ण की भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन अब यह साफ हो गया है कि इस किरदार के लिए विजय देवरकोंडा को चुना गया है। फिल्म के तेलुगु रीमेक के राइट्स मशहूर निर्माता दिल राजू ने हासिल किए हैं। विपुल डी. शाह ने इस डील को फाइनल कराने में अहम भूमिका निभाई है। अंकित सखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में करण जोशी लीड रोल में थे। 'लालो...' एक ऑटो-रिक्शा ड्राइवर की कहानी है, जो चोरी के इरादे से एक सुनसान हवेली में पहुंचता है और वहीं फंस जाता है। इसी मुश्किल वक्त में एक रहस्यमयी शख्स उसकी मदद करता है।
बीते साल 10 अक्टूबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने शुरुआत में बेहद धीमी कमाई की थी। पहले हफ्ते करीब 36 लाख और दूसरे हफ्ते 28 लाख रुपए कमाने के बाद तीसरे हफ्ते से इसकी कमाई बढ़ने लगी। चौथे हफ्ते फिल्म ने करीब 14 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया और इसके बाद 100 करोड़ तक बिना किसी रुकावट के पहुंच गई। इसने सीमित बजट और बिना बड़े सितारों के बावजूद एक बड़ी गुजराती हिट का रिकॉर्ड बनाया। फिल्म के सब्जेक्ट, संगीत और क्लाइमैक्स के साथ-साथ एंड-क्रेडिट गाने को भी दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था।

एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज की मेस में औचक जांच, सड़ी सब्जियां और एक्सपायरी खाद्य सामग्री मिलने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रावास की मेस में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से औचक जांच की गई। संगठन के कार्यकर्ताओं ने मेस की रसोई में सड़े हुए आलू-प्याज और अवधि समाप्त हो चुकी खाद्य सामग्री मिलने का दावा किया है। जांच के दौरान रसोई में साफ-सफाई की स्थिति को लेकर भी सवाल उठाए गए। एबीवीपी कार्यकर्ताओं के अनुसार रसोई में रखे कुछ आलू और प्याज खराब हालत में थे तथा उनसे दुर्गंध आ रही थी। इसके अलावा भोजन तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले कुछ मसाले और अन्य खाद्य सामग्री की अवधि समाप्त हो चुकी थी। रसोई में गंदगी मिलने का भी दावा किया गया। मेस में रहने और भोजन करने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को लेकर संगठन ने चिंता जताई। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने मेस संचालकों और कॉलेज प्रशासन से भोजन की गुणवत्ता में तत्काल सुधार करने की मांग की। संगठन का कहना है कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। औचक जांच के बाद कॉलेज परिसर में मामले को लेकर चर्चा शुरू हो गई। एबीवीपी ने मेस व्यवस्था में सुधार और लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

सुरक्षा के नाम पर महिलाओं की स्वतंत्रता पर बहस, सरकारी व्यवस्था और कानून-व्यवस्था पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। महिलाओं की सुरक्षा और उनकी स्वतंत्रता को लेकर गुजरात में बहस तेज हो गई है। हाल में सामने आए कुछ विचारों के बाद यह सवाल उठाया जा रहा है कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनाए जाने वाले उपाय उनकी स्वतंत्रता और आवाजाही को सीमित करने वाले तो नहीं हैं। इस मुद्दे पर चर्चा करते हुए कहा जा रहा है कि आधुनिक दौर में महिलाएं शिक्षा, रोजगार, विज्ञान, खेल और विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में सुरक्षा के नाम पर उनके निर्णय लेने और स्वतंत्र रूप से आने-जाने के अधिकार को सीमित करने की किसी भी व्यवस्था पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। विचार का एक प्रमुख पहलू कानून-व्यवस्था से जुड़ा है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस और अन्य संस्थागत व्यवस्थाएं मौजूद हैं। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि सुरक्षा के लिए प्रतिबंध लगाने के बजाय कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर क्यों न दिया जाए। बहस में यह मुद्दा भी सामने आया है कि महिलाओं की सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। एक पक्ष सुरक्षा को प्राथमिक आवश्यकता मानता है, जबकि दूसरा पक्ष मानता है कि सुरक्षा सुनिश्चित करते समय महिलाओं की स्वायत्तता और समान अधिकार प्रभावित नहीं होने चाहिए। महिला अधिकारों से जुड़े विमर्श में पितृसत्तात्मक सोच को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। आलोचकों का तर्क है कि यदि महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर उनके निर्णयों पर नियंत्रण बढ़ाया जाता है, तो इससे समानता और स्वतंत्रता से जुड़े अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। फिलहाल यह विषय सुरक्षा, महिला स्वतंत्रता और कानून-व्यवस्था की भूमिका को लेकर व्यापक चर्चा का आधार बना हुआ है।

TRAI का नया आदेशः अब कम वैलिडिटी वाले रिचार्ज भी देने होंगे, कम आय वाले ग्राहकों को राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण यानी ट्राई ने टेलीकॉम कंपनियों के रिचार्ज प्लान को लेकर नया आदेश जारी किया है। नए नियमों के तहत कंपनियों को कम आय वाले ग्राहकों और ऐसे उपभोक्ताओं के लिए कम अवधि वाले विशेष रिचार्ज प्लान उपलब्ध कराने होंगे, जिन्हें मोबाइल डेटा की जरूरत नहीं होती। ट्राई ने दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण विनियम के 13वें संशोधन,

2026 के तहत यह व्यवस्था लागू की है। नए नियम के मुताबिक सभी दूरसंचार कंपनियों के लिए 30 दिन या उससे कम अवधि वाले विशेष टैरिफ वाउचर यानी एसटीवी पेश करना अनिवार्य होगा। इन रिचार्ज में ग्राहकों को उनकी जरूरत के अनुसार आवाज आधारित सेवा, एसएमएस और डेटा जैसी सेवाओं के विकल्प उपलब्ध कराने होंगे। इसका उद्देश्य ऐसे ग्राहकों को अधिक विकल्प देना है, जो लंबे समय की वैधता वाले महंगे रिचार्ज कराने के बजाय कम अवधि का प्लान लेना चाहते हैं। ट्राई के अनुसार, नियामक की समीक्षा में सामने आया कि कंपनियां मुख्य रूप से लंबी वैधता वाले आवाज और एसएमएस प्लान पेश कर रही थीं। इनमें डेटा सेवा भी शामिल रहती थी। ऐसे में जिन ग्राहकों को इंटरनेट या मोबाइल डेटा की जरूरत नहीं होती थी, उन्हें भी डेटा सहित रिचार्ज कराना पड़ता था। ट्राई का मानना है कि कम वैधता वाले रिचार्ज विकल्प मिलने से कम आय वाले और कम डेटा इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को अपनी जरूरत के हिसाब से योजना चुनने में सुविधा मिलेगी। नए नियमों के तहत कंपनियों को कम से कम एक ऐसा विशेष टैरिफ वाउचर उपलब्ध कराना होगा, जिसे हर महीने एक निश्चित तारीख को दोबारा रिचार्ज किया जा सके। यानी ग्राहक को हर बार 28 या 30 दिन की अवधि के हिसाब से तारीख बदलने की परेशानी नहीं होगी। यदि किसी महीने में चुनी गई तारीख मौजूद नहीं है, जैसे 31 तारीख, तो उस महीने रिचार्ज आखिरी तारीख को नवीनीकृत किया जाएगा। इसके अलावा दूरसंचार कंपनियों को मासिक नवीनीकरण वाले विकल्प से अधिक अवधि की वैधता वाला कम से कम एक अन्य विशेष टैरिफ वाउचर भी पेश करना होगा। इससे ग्राहकों के पास कम अवधि के साथ-साथ अपनी जरूरत के अनुसार लंबी अवधि का विकल्प भी रहेगा। ट्राई के इस कदम का मुख्य उद्देश्य रिचार्ज विकल्पों को अधिक लचीला बनाना और उन ग्राहकों को राहत देना है, जिन्हें केवल आवाज या एसएमएस जैसी सेवाओं की जरूरत है।

स्मार्टफोन स्क्रीन गार्ड पर सरकार की सख्ती, अब BIS मानक के बिना नहीं बिकेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। स्मार्टफोन की स्क्रीन को टूटने और खरोंच से बचाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले स्क्रीन गार्ड और स्क्रीन प्रोटेक्टर को लेकर केंद्र सरकार ने नया नियम लागू करने का फैसला किया है। अब इन उत्पादों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो यानी बीआईएस का पंजीकरण जरूरी होगा। सरकार का यह कदम बाजार में बिकने वाले कम गुणवत्ता वाले स्क्रीन गार्ड्स की बिक्री पर रोक लगाने और ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता वाला उत्पाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उठाया गया है। मंत्रालय की अधिसूचना

के अनुसार स्मार्टफोन स्क्रीन गार्ड्स के लिए निर्धारित नए बीआईएस मानक 1 अप्रैल 2027 से देशभर में लागू होंगे। इसके बाद तय गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं करने वाले स्क्रीन गार्ड्स की बिक्री पर रोक रहेगी। कंपनियों को अपने उत्पादों को निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार करने के साथ उनका परीक्षण भी कराना होगा। नए नियमों का सीधा असर उन कंपनियों और विक्रेताओं पर पड़ेगा, जो बिना गुणवत्ता परीक्षण के सस्ते स्क्रीन प्रोटेक्टर बाजार में बेचते हैं। नियम लागू होने के बाद कंपनियों को अपने उत्पादों का बीआईएस मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में परीक्षण कराना होगा।

दिल्ली की शर्मनाक घटनाः पुलिसकर्मी बताकर 3 दरिंदों ने कालकाजी मंदिर के पास नाबालिग से किया सामूहिक बलात्कार; मुठभेड़ के बाद एक आरोपी गिरफ्तार

देश की राजधानी में बढ़ते अपराध और महिला सुरक्षा के बदतर होते हालातों पर खड़े हुए गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/नई दिल्ली। देश की राजधानी नई दिल्ली एक बार फिर निर्भया कांड जैसी घृणित और दिल दहला देने वाली घटना से दहल उठी है। दिल्ली के प्रसिद्ध कालकाजी मंदिर और आस्था कुंज पार्क इलाके में सुरक्षा और कानून की धज्जियाँ उड़ाने वाली एक बेहद शर्मनाक वारदात सामने आई है। मंदिर में दर्शन करके अपने दोस्त के साथ लौट रही 17 वर्षीय नाबालिग को तीन हवस के प्यादों ने 'पुलिसकर्मी' होने की झूठी पहचान देकर बंधक बनाया और फिर इस जघेन्य सामूहिक दुष्कर्म (गंगरेप) को अंजाम दिया। इस खौफनाक घटना से पूरे देश में रोष की आग भड़क उठी है।

1. क्या थी पूरी घटना? मंदिर दर्शन के बाद शुरू हुईवानियत

प्राप्त विवरणों के अनुसार, पीड़िता नाबालिग सोमवार शाम करीब 7:00 बजे अपने 17 वर्षीय पुरुष मित्र के साथ दिल्ली के प्रसिद्ध कालकाजी मंदिर में पूजा-अर्चना करने गई थी। दर्शन करने के बाद दोनों शाम साढ़े सात बजे के आसपास मंदिर के पास स्थित आस्था कुंज पार्क (गेट नंबर-7 के पास) में टहलने के लिए गए थे।

उसी दौरान 25 से 30 वर्ष की आयु के तीन युवक वहाँ आ धमके। इन तीनों दरिंदों ने खुद को 'पुलिसकर्मी' बताकर दोनों को डराना-धमकाना शुरू कर दिया। डर के माहौल के बीच उन नराधमों ने नाबालिग के दोस्त को जबरन पकड़कर अलग कर दिया और फिर बंदूक तथा चाकू की नोंक पर धमकाते हुए तीनों हैवानों ने बारी-बारी से नाबालिग के साथ घिनौना कृत्य किया। इस अमानवीय वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पीड़िता और उसके मित्र को जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

2. दहशत के बीच पीड़िता की हिम्मत और पुलिस एक्शन

दरिंदों के चंगुल से बमुश्किल छूटने वाली नाबालिग और उसके दोस्त ने हिम्मत जुटाकर रात करीब पौने नौ बजे (8:45 बजे) पुलिस कंट्रोल रूम पर फोन करके पूरी आपबीती बताई। सूचना मिलते ही अमर कॉलोनी पुलिस थाने का स्टाफ और वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर दौड़ पड़े। पुलिस ने नाबालिग को तुरंत सुरक्षित हिरासत में लेकर एम्स ट्रॉमा सेंटर में मेडिकल जाँच के लिए भेजा। इस मामले में नाबालिग के बयान के आधार पर पुलिस ने त्वरित और सख्त कार्रवाई करते हुए भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के साथ-साथ बालिकाओं की सुरक्षा के लिए बने अत्यंत कड़े पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जाँच का दायरा तेजी से बढ़ा दिया।

3. पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ः एनकाउंटर में एक आरोपी ढेर

घटना की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीमों का गठन किया। जाँच के दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि इस अपराध में शामिल मुख्य आरोपी आसिफ अमर कॉलोनी इलाके में डीएम ऑफिस रोड के पास छिपा हुआ है। पुलिस ने तुरंत उस इलाके की घेराबंदी कर ली। जब पुलिस टीम ने आरोपी आसिफ को आत्मसमर्पण करने को कहा, तो उसने पुलिस पर ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। आरोपी ने पुलिस पर तीन राउंड गोलियाँ चलाई, जिसमें एक गोली हेड कांस्टेबल राजेश की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी गोलियाँ चलाईं, जिसमें आरोपी आसिफ के दाहिने पैर में गोली लगी और वह जमीन पर आ गिरा। पुलिस ने घायल आरोपी को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया।

महीसागर के गांगटा में महाकाय जमीन घोटालाः पूर्व विधायक के परिवार पर 'झाड़ी जंगल' की सरकारी जमीन हड़पने का गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महीसागर/अहमदाबाद। गुजरात में भू-माफियाओं और सत्ता के नशे में चूर लोग किस हद तक कानून की धज्जियाँ उड़ाते हैं, इसका एक और खौफनाक उदाहरण महीसागर जिले के खानपुर तालुका के गांगटा गाँव में सामने आया है। मौजे गांगटा गाँव में सरकारी बंजर 'झाड़ी जंगल' की बेशकीमती जमीन को सत्ता के जोर पर हड़पने का एक बड़ा षड्यंत्र प्रकाश में आया है। सरकार की ही आधिकारिक तकनीकी एजेंसी छ्ढ्रक्र (डिफ़रेंशियल लैंड रिकॉर्ड्स) की रिपोर्ट ने यह साबित कर दिया है कि कैसे एक पूर्व विधायक और उनके परिवार ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा जमा लिया है। इस मामले में स्थानीय प्रशासन की संलिप्तता और मिलीभगत पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

1. सत्ता के दुरुपयोग से जमीन एकत्रीकरण का खेल

प्राप्त विवरणों और संदर्भों के अनुसार, पूर्व विधायक जिग्नेशभाई सेवक और उनके परिवार ने अपनी सत्ता और प्रभाव का बेजा इस्तेमाल किया है। मामलतदार कार्यालय, खानपुर (बाकोर) के समक्ष प्रस्तुतियाँ देकर 16/12/2021 को एक आदेश हासिल किया गया था। इस आदेश की आड़ में गांगटा गाँव के अलग-अलग सर्वे नंबरों (जैसे 40/1, 55/3 और 41/पैकी 4) को एकत्रित करके नया सर्वे नंबर 40/1 बनाया गया, और इसी की आड़ में आसपास की सरकारी जमीन के साथ बड़े पैमाने पर हेरफेर की गई।

2. सरकारी 'झाड़ी जंगल' जमीन पर डाकाः 25 बीघा जमीन गटक गए भू-माफिया!

सरकारी रिकॉर्ड में जो जमीन स्पष्ट रूप से 'झाड़ी जंगल सरकारी बंजर' के रूप में दर्ज है, उस सर्वे नंबर 40/2 (कुल क्षेत्रफल 5-77-69 हेक्टेयर) की काली सच्चाई छ्ढ्रक्रकी पैमाइश में बाहर आ गई हैः बाकी बची अंदाजे 25 बीघा जितनी जमीन (5 हेक्टेयर 28 गुंठा) पर पक्की दीवार (कंपाउंड वॉल) बनाकर उसे निजी साम्राज्य की तरह हथिया लिया गया है। DILR के नक्शे के मुताबिक सर्वे नंबर 40 में 'रु' निशान वाली जगह पर 'ज्ञान शक्ति विद्यालय' द्वारा भी 4 हेक्टेयर 96 गुंठा 99 वर्ग मीटर जमीन पर सीधा अवैध कब्जा और निर्माण कर लिया गया है। इतने बड़े पैमाने पर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण होने की रिपोर्ट आए डेढ़ साल से अधिक का समय बीत जाने के बावजूद, आज तक कोई ठोस अतिक्रमण हटाओ अभियान या कानूनी कार्रवाई न होना सीधे तौर पर राजनीतिक दबाव और अधिकारियों की संदिग्ध मिलीभगत की ओर इशारा करता है।

3. वन विभाग की सीमा में मूल्यवान सागवान के पेड़ों की अवैध कटाई!

इस पूरे घोटाले में सिर्फ जमीन ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक संपदा को भी भारी नुकसान पहुँचाया गया है। 'झाड़ी जंगल' क्षेत्र होने के कारण वहाँ प्राकृतिक रूप से खड़े बहुमूल्य सागवान और कीमती पेड़ों की बिना अनुमति के अवैध कटाई कर ली गई है। इन कीमती लकड़ियों को चोरी-छिपे ठिकाने लगा दिए जाने की चर्चाएँ भी जोरों पर हैं। इस मामले का सबसे खतरनाक और दिल दहला देने वाला पहलू यह है कि जहाँ मासूम बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं, उसी पवित्र शैक्षणिक परिसर के इर्द-गिर्द मौत का तांडव रचा जा रहा हैः क्रशर और खदान की गतिविधिः स्कूल के गेट के ठीक सामने पत्थर काटने का क्रशर बेधड़क चल रहा है। उड़ती धूल और भारी शोर के कारण वहाँ पढ़ने वाले छोटे बच्चों के फेफड़ों और स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। स्कूल, घनी आबादी वाले क्षेत्र और छ्त्रह्ल पंप के बिल्कुल नजदीक स्थायी रूप से आतिशबाजी (पटाखों) का गोदाम चल रहा है। सीमित अनुमति की आड़ में वास्तव में 10 गुना अधिक विस्फोटक सामग्री का भंडारण किए जाने की जानकारी है। यहाँ फायर सेफ्टी के किसी नियमों का पालन नहीं किया जाता है। स्कूल, छ्त्रह्ल पंप और यह विस्फोटक पटाखों की फैक्ट्री एक-दूसरे के इतने करीब होने के बावजूद प्रशासन आँखें मूंदकर बैठा है। यदि जरा सी भी लापरवाही या दुर्घटना होती है, तो सैकड़ों मासूम विद्यार्थियों और नागरिकों की जान पल भर में होम हो सकती है। कब जागेगा प्रशासनिक तंत्र? जब सरकार की अपनी अधिकृत तकनीकी एजेंसी DILR द्वारा अतिक्रमण साबित हो चुका है, तब स्थानीय प्रशासन किसके दबाव में चुप बैठा है? क्या सत्ता के दम पर कानून को जेब में रखकर घूमने वाले इन रसूखदारों के खिलाफ गुजरात सरकार या जिला प्रशासन कोई मजबूत और नजीर पेश करने वाली कार्रवाई करेगा?

'वन' के ट्रेलर पर गाना इस्तेमाल करने को लेकर विवाद, सरगम वैश ने मेकर्स को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। थाना डोंगरगांव पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के मामले में करीब आठ माह से फरार चल रहे आरोपी देवलू राम बेलदार को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा आरोपी की लगातार तलाश की जा रही थी। मंगलवार को ग्राम भ्रमण और पतासाजी के दौरान पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार 14 जनवरी 2026 को ग्राम महरूम में मुखबिर से सूचना मिली थी कि देवलू राम बेलदार के निर्माणाधीन मकान के एक कमरे में अवैध रूप से बड़ी मात्रा में शराब रखकर बिक्री की जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गवाहों की मौजूदगी में मकान की घेराबंदी की। पुलिस को देखकर मौके पर मौजूद व्यक्ति सफेद रंग की थैली छोड़कर

झाड़ियों की ओर भाग गया। तलाशी के दौरान थैली से 99 नग देशी सादी शराब के पौवे बरामद हुए। प्रत्येक पौवे में 180 मिलीलीटर शराब थी। कुल 17.820 लीटर शराब की कीमत 7,920 रुपये बताई गई। पुलिस ने शराब जब्त कर फरार आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। घटना के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था। पुलिस टीम उसकी तलाश में जुटी थी। 22 सितंबर को लगातार पतासाजी के दौरान आरोपी देवलू राम बेलदार को पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने निर्माणाधीन मकान में शराब लाकर बिक्री करना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर और पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मंजुलता बाज के मार्गदर्शन में की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर और प्रधान आरक्षक संदीप देशमुख की कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

5 ओवर के मुकाबले में भारत ने जापान को 2 रन से हराया, रिवर्स हिट की वाइड गेंद पर बदला फैसला भी रहा चर्चा में

जापान से हारते-हारते बची टीम इंडिया, आखिरी ओवर में अक्षर पटेल ने पलटा मैच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जापान। लगातार दो बार की टी-20 विश्व चैंपियन टीम इंडिया मंगलवार को 41वीं रैंकिंग वाले जापान के खिलाफ हारते-हारते बच गई। जापान के सानो इंटरनेशनल ग्राउंड पर बारिश के कारण मुकाबला 5-5 ओवर का कर दिया गया था। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 32 रन बनाए। जवाब में जापान की टीम 5 ओवर में 3 विकेट खोकर 30 रन ही बना सकी और भारत ने यह मुकाबला 2 रन से अपने नाम कर लिया। पान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 8 रन की जरूरत थी। भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल ने दबाव भरे इस ओवर में जापानी बल्लेबाजों को केवल 5 रन बनाने दिए। इसी के साथ भारत ने बेहद करीबी मुकाबला अपने नाम किया। मैच का आखिरी ओवर अंपायरिंग के एक फैसले को लेकर भी चर्चा में रहा। अक्षर पटेल की गेंद पर

अलेक्जेंडर शिराई-पैटमोर ने रिवर्स हिट खेलने की कोशिश की। अंपायर क्रिस थर्गेट ने गेंद को वाइड करार दिया। अगली गेंद पर भी बल्लेबाज ने इसी तरह का शॉट खेलने का प्रयास किया और फिर वाइड का फैसला दिया गया। इस बार भारतीय टीम ने फैसले पर आपत्ति जताई। लेग अंपायर क्रिस ब्राउन ने साथी अंपायर से चर्चा की, जिसके बाद दूसरी वाइड का फैसला बदल दिया गया। इसके बाद जापान को 3 गेंदों में 7 रन चाहिए थे, लेकिन टीम केवल 5 रन बना सकी। नियमों के अनुसार रिवर्स या स्विच हिट की कोशिश के दौरान गेंद की वाइड तय करने का तरीका सामान्य स्थिति से अलग हो सकता है। इसमें बल्लेबाज के स्टांस बदलने की टाइमिंग भी महत्वपूर्ण होती है। इस मुकाबले में टीवी अंपायर और निर्णय समीक्षा प्रणाली उपलब्ध नहीं थी, इसलिए दोनों मैदानी अंपायरों की चर्चा के बाद फैसला बदला गया। बारिश के कारण मुकाबला करीब ढाई घंटे की देरी से शुरू हुआ, जिसके चलते ओवरों में कटौती करनी पड़ी।

मदुरै में श्री रामदेवजी मंदिर का 48वां वार्षिक भादवा मेला उत्सव हर्षोल्लास से सम्पन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै स्थित श्री रामदेवजी मंदिर में 13 सितंबर से 21 सितंबर तक आयोजित 48वां वार्षिक भादवा मेला उत्सव सोमवार को हर्षोल्लास और धार्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और समाजबंधुओं ने धार्मिक कार्यक्रमों, पूजा-अर्चना और आरती में भाग लिया। मदुरै प्रवासी समाज के प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि आयोजन श्री रामदेव भवन चेरिटेबल ट्रस्ट ऑफ राजस्थान एवं

श्री रामदेवजी मंडल, मदुरै के तत्वावधान में किया गया। पूरे उत्सव के दौरान मंदिर परिसर में प्रतिदिन पूजा-अर्चना, आरती और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। मेले के दौरान प्रतिदिन महिलाओं के लिए शाम 5 से रात 8 बजे तक सत्संग और भजन संध्या तथा पुरुषों के लिए रात 9 से 11 बजे तक भजन संध्या का आयोजन किया गया। राजस्थान की भजन गायिका रेखा परमार और श्री वीरू निहाल एंड पार्टी ने भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भक्तिमय वातावरण में जोड़े रखा। 21 सितंबर की रात भव्य भजन संध्या और अखंड जागरण का आयोजन हुआ। समापन अवसर पर श्री रामदेव भवन चेरिटेबल ट्रस्ट ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष हरिसिंह राजपुरोहित, श्री रामदेव मंडल अध्यक्ष विजयसिंह ऊण सहित ट्रस्ट और मंडल से जुड़े पदाधिकारी एवं गणमान्यजन मौजूद रहे। जैन समाज से विजराज श्रीश्रीमाल, भागचंद बाफना और दिनेश सालेचा सहित विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। आयोजकों ने बताया कि पूरे उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता के साथ सम्पन्न हुए इस आयोजन ने मदुरै में राजस्थान की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लालबागचा राजा के दर्शन के बाद टी-सीरीज कार्यालय में भी की गणेश पूजा, सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में नजर आया परिवार का धार्मिक अंदाज

गणपति बप्पा के दरबार में पहुंचे शाहरुख खान, गौरी और सुहाना भी साथ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान गणेशोत्सव के मौके पर मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा पंडाल पहुंचे और गणपति बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनके साथ पत्नी गौरी खान, बेटी सुहाना खान और उनकी मैनेजर पूजा ददलानी भी मौजूद थीं। शाहरुख के पंडाल पहुंचने की खबर मिलते ही उन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। दर्शन के दौरान शाहरुख खान नीले रंग के कुर्ते में नजर आए, जबकि सुहाना खान हरे रंग के पारंपरिक परिधान और गौरी खान पीले रंग के एथनिक परिधान में दिखाई दीं। इस दौरान शाहरुख की मैनेजर पूजा ददलानी उन्हें गणपति के चरण स्पर्श करने का तरीका समझाती हुई नजर आईं। गर्मी के बीच शाहरुख अपनी मैनेजर के दुपट्टे से पसीना पोंछते हुए भी दिखाई दिए। इस पल का वीडियो सामने आने

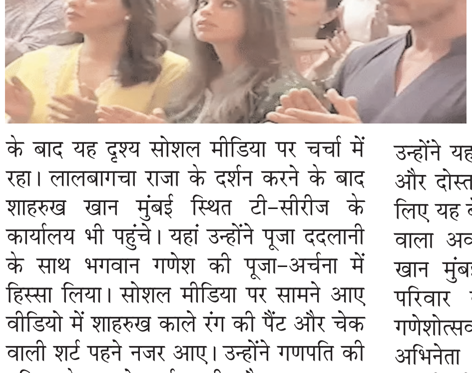

के बाद यह दृश्य सोशल मीडिया पर चर्चा में रहा। लालबागचा राजा के दर्शन करने के बाद शाहरुख खान मुंबई स्थित टी-सीरीज के कार्यालय भी पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा ददलानी के साथ भगवान गणेश की पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में शाहरुख काले रंग की पैंट और चेक वाली शर्ट पहने नजर आए। उन्होंने गणपति की प्रतिमा के सामने प्रार्थना की और प्रसाद ग्रहण किया। शाहरुख खान इससे पहले भी अपने घर में णेशोत्सव मनाने को लेकर प्रशंसकों से बातचीत कर चुके हैं। हाल ही में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर आयोजित 'आस्कएसआरके' सत्र में एक प्रशंसक ने उनसे घर के गणेशोत्सव के बारे में सवाल पूछा था। इसके जवाब में शाहरुख ने बताया था कि उनके घर में पत्नी गौरी आरती और पूजा करती हैं। रात में गणपति विसर्जन किया जाता है। उन्होंने यह भी बताया था कि इस दौरान बच्चे और दोस्त एक साथ जुटते हैं और परिवार के लिए यह बेहद साधारण और साथ समय बिताने वाला अवसर होता है। इससे पहले शाहरुख खान मुंबई में उद्योगपति मुकेश अंबानी के परिवार के घर एंटीलिया में आयोजित गणेशोत्सव में भी शामिल हुए थे। वहां उन्होंने अभिनेता रणवीर सिंह के साथ गणपति की आरती की थी। दोनों कलाकार नीता अंबानी के साथ खड़े होकर पूजा-अर्चना में शामिल हुए थे।

धोखाधड़ी की आरोपी अभिषेक सिंह गिरफ्तार आरोपी पर कोरबा धमतरी में भी धोखाधड़ी के आरोप है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगांव। वाहन फाइनेंस कराने और बिक्री के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले अंतर-जिला गिरोह के मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह राजपूत को डोंगरगांव पुलिस एवं राजनांदगांव साइबर सेल की संयुक्त टीम ने रायपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ राजनांदगांव सहित कोरबा और धमतरी जिलों में भी धोखाधड़ी के दर्जनों मामले व शिकायतें दर्ज हैं। मामले के अनुसार प्रार्थी भागवतजीत साहू ने मई 2024 में वाहन खरीदने के संबंध में आरोपी अभिषेक सिंह राजपूत (31 वर्ष, निवासी शक्तिनगर, राजनांदगांव) से संपर्क किया था। आरोपी ने फाइनेंस प्रक्रिया और गारंटर के नाम पर प्रार्थी से जरूरी दस्तावेज लिए। इसके बाद प्रार्थी की जानकारी के बिना उसके नाम पर एक्टिवा वाहन फाइनेंस करा लिया गया। आरोपी ने वह वाहन प्रार्थी को न देकर तीसरे व्यक्ति को बेच दिया और कागजों में नामांतरण भी करवा दिया। प्रार्थी को इस धोखाधड़ी की भनक तब लगी जब बैंक से लोन की किश्तें जमा न होने पर फोन आने लगे। ऋण का भुगतान न होने से पीड़ित का सिबिल स्कोर खराब हो गया और उस पर करीब 15,000 रुपये का ब्याज भार भी बढ़ गया।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.